THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

# स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

## नवाज शरीफ के बयान पर बोला विदेश मंत्रालय

नई दिल्ली, 30 मई (एजेंसियां)। भारत सरकार ने लाहौर घोषणापत्र पर पूर्व पाकिस्तानी प्रधानमंत्री नवाज शरीफ की टिप्पणियों से जुड़े सवाल पर प्रतिक्रिया दी है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा, आप इस मुद्दे पर हमारी स्थिति से अवगत हैं। उन्होंने कहा, मौजूदा हालात से साफ है कि पाकिस्तान में भी एक निष्पक्ष दृष्टिकोण उभर रहा है। बता दें कि पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री ने अपनी भूल स्वीकार करते हुए कहा था कि भारत के साथ युद्ध गलती थी और उनके देश ने लाहौर घोषणापत्र का उल्लंघन किया था। फलस्तीन को संपूर्ण राष्ट्र की मान्यता देने पर विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने अपने विचार रखे।

वर्ष-29 अंक : 68 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) ज्येष्ठ कृ.8 2081 शुक्रवार, 31 मई-2024

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर पृष्ठ : 12 मूल्य : 8 रुपये

# पीएम मोदी का 45 घंटे का ध्यान

## कन्याकुमारी में 1 जून तक रहेंगे, भगवती अम्मन देवी की पूजा भी की

कन्याकुमारी, 30 मई (एजेंसियां)। लोकसभा चुनाव के प्रचार का शोर थमते ही पीएम नरेंद्र मोदी गुरुवार 30 मई की शाम कन्याकुमारी पहुंचे। प्रधानमंत्री ने सबसे पहले भगवती देवी अम्मन मंदिर (कन्याकुमारी मंदिर) में दर्शन-पूजन किया। इसके बाद विवेकानंद शिला जाकर वहां 1 जून तक ध्यान शुरू किया। प्रधानमंत्री 45 घंटे तक ध्यान में रहेंगे। चुनाव के दौरान प्रधानमंत्री की ध्यान यात्रा करने पर चुनावी कानून के तहत कोई रोक नहीं है। कांग्रेस ने 29 मई को आरोप लगाया था कि पीएम की ध्यान यात्रा आचार संहिता का उल्लंघन है। कांग्रेस ने चुनाव आयोग से यह सुनिश्चित करने का आग्रह किया कि मोदी के ध्यान को मीडिया में प्रसारित नहीं होने दिया जाए। जानकार सूत्रों ने लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा 126 का हवाला दिया। इसमें मौन अवधि के दौरान सार्वजनिक बैठकों या जनता के बीच चुनावी प्रचार और प्रदर्शन पर रोक का उल्लेख है। मतदान समाप्ति से 48 घंटे पहले मौन अवधि शुरू हो जाती है।

लोकसभा चुनाव में आखिरी फेज के लिए मौन अवधि गुरुवार (30 मई) शाम 6 बजे शुरू हुई। इस फेज में मोदी के निर्वाचन क्षेत्र वाराणसी में भी वोटिंग होगी। जानकारों के मुताबिक, इस कानून में वह क्षेत्र ही आता है, जहां वोटिंग होना है। चुनाव आयोग ने इसी तरह की अनुमति 2019 के लोकसभा चुनाव के दौरान भी पीएम को दी थी।

## 'इंडी गठबंधन वाले मेरा मुंह न खुलवाएं 7 पीढ़ी के पाप निकालकर रख दूंगा'

होशियारपुर, 30 मई (एजेंसियां)। पीएम नरेंद्र मोदी ने आज 30 मई को लोकसभा चुनाव-2024 की आखिरी रैली को संबोधित किया। यह फतेह रैली पंजाब के होशियारपुर में हुई। पीएम ने इंडिया गठबंधन और आम आदमी पार्टी (आप) पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि इंडी गठबंधन वाले मेरा मुंह न खुलवाएं, 7 पीढ़ी के पाप निकालकर रख दूंगा।

पीएम ने कहा कि इंडी गठबंधन वाले वीरों का अपमान करते हैं। पूर्व सीडीएस विपिन रावत का भी अपमान किया। उन्होंने कहा कि सेना 26 जनवरी के लिए तैयार नहीं की जाती है। सेना लड़ाई के लिए तैयार की जाती है, लेकिन इन्होंने सेना को भी राजनीति का हथियार बना दिया है। इन्होंने सर्जिकल स्ट्राइक के सबूत मांगे। सेनाओं को कमजोर करने में कोई कसर नहीं छोड़ी, लेकिन सेना का अपमान मोदी बर्दाश्त नहीं करेगा। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने भ्रष्टाचार में डबल पीएचडी कर ली है। कांग्रेस की गोद से कट्टर भ्रष्टाचारी पार्टी (आप) पैदा हुई है। कहते थे कि पंजाब को नशा मुक्त करेंगे, लेकिन इन्होंने नशे को ही अपनी कमाई का तरीका बना लिया। पंजाब में दोनों पार्टियां आमने-सामने लड़ने का दावा कर रही हैं, जबकि दिल्ली में एक साथ हैं। मोदी ने कहा कि इंडी गठबंधन ने देश का काफी नुकसान किया है। वोट बैंक के चलते राम मंदिर का विरोध करते रहे। आजकल संविधान की रक्षा की बात करते हैं।

# बापू को 'शाखा शिक्षित' के प्रमाणपत्र की जरूरत नहीं : राहुल

नई दिल्ली, 30 मई (एजेंसियां)। पीएम मोदी ने 28 मई को एक चैनल को दिए इंटरव्यू में यह दावा किया कि महात्मा गांधी के बारे में दुनिया पहले कुछ नहीं जानती थी। रिचर्ड एटनबरो की 1982 की फिल्म गांधी बनने के बाद महात्मा गांधी को पहचान मिली। इस पर राहुल गांधी ने कहा कि जो लोग नाथूराम गोडसे के हिंसा के रास्ते पर चलते हैं, वे गांधी को नहीं समझ सकते। महात्मा गांधी को किसी 'शाखा शिक्षित' के प्रमाणपत्र की जरूरत नहीं है।

पीएम मोदी के महात्मा गांधी की पहचान पर किए दावे के बाद राहुल गांधी ने एक्स पर एक वीडियो पोस्ट किया है। राहुल, गांधी की एक मूर्ति के पास खड़े हैं और कह रहे हैं कि जो लोग नाथूराम गोडसे के हिंसा के रास्ते पर चलते हैं, वे गांधी को नहीं समझ सकते। राहुल ने वीडियो के साथ लिखा- सत्य और अहिंसा के रूप में बापू ने दुनिया को ऐसा मार्ग दिखाया, जो कमजोर से कमजोर व्यक्ति को भी अन्याय के खिलाफ खड़े होने का साहस देता है। उन्हें किसी 'शाखा शिक्षित' के प्रमाणपत्र की जरूरत नहीं है। वीडियो में राहुल कह रहे हैं, शाखाओं में जिनकी वर्ल्ड व्यू बनती है, वो गांधी जी को नहीं समझ सकते हैं।

ऐसे लोग गोडसे को समझते हैं। गोडसे के रास्ते को अपनाते हैं। गांधी जी पूरी दुनिया के लिए एक प्रेरणा थे। मार्टिन लूथर किंग जूनियर, नेल्सन मंडेला, अल्बर्ट आइंस्टीन ये सब लोग महात्मा गांधी से प्रेरित होते हैं। हिंदुस्तान में करोड़ों लोग महात्मा गांधी का रास्ता अपनाकर सत्य और अहिंसा के रास्ते पर चलते हैं। यह लड़ाई सत्य और असत्य पर है, हिंसा और अहिंसा पर है, हिंसा करने वाले लोग सत्य को नहीं समझ सकते हैं।

## पुलिस ने सेना पर मारपीट का केस दर्ज किया

श्रीनगर, 30 मई (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर के कुपवाड़ा में पुलिस स्टेशन में सेना और पुलिस के बीच मारपीट हुई थी। पुलिस स्टेशन पर हमला करने के आरोप में 3 लेफ्टिनेंट कर्नल समेत 16 लोगों पर जान से मारने की कोशिश यानी अटेम्प्ट टु मर्डर की एफआईआर दर्ज की गई है।

घटना मंगलवार-बुधवार कर रात हुई थी। बताया जा रहा है कि एक ड्रग केस में पुलिस ने 160 टेरिटोरियल आर्मी के जवान से पूछताछ की थी। इस बात से सेना के अधिकारी नाराज हो गए। बड़ी संख्या में वर्दीधारी और हथियारों से लैस जवान पुलिस स्टेशन में दाखिल हो गए। उनके साथ सीनियर सैन्य अधिकारी भी थे। एफआईआर के मुताबिक, आर्मी के ग्रुप की अगुआई लेफ्टिनेंट कर्नल अंकित सूद, राजीव चौहान और निखिल कर रहे थे। ये तीनों अधिकारी जबरन पुलिस स्टेशन में दाखिल हुए और राइफल की बट, छड़ियों और लातों से वहां मौजूद पुलिस कर्मचारियों पर हमला कर दिया। एफआईआर में लिखा गया है कि सेना के जवानों ने अपने हथियार लहराए, घायल पुलिस वालों के मोबाइल फोन छीन लिए और एक पुलिस वाले का अपहरण करके मौके से फरार हो गए। सीनियर पुलिस वालों ने तुरंत कार्रवाई करते हुए पुलिसकर्मी को सेना की गिरफ्त से छुड़ाया और हमला करने वालों के खिलाफ कानून कार्रवाई की। यह एफआईआर आईपीसी के सेक्शन 186 (पब्लिक सर्वेंट की ड्यूटी में बाधा डालना), 332 (ड्यूटी करने से रोकने के लिए पब्लिक सर्वेंट को चोट पहुंचाना), 307 (मर्डर की कोशिश), 342 (बंधक बनाना), 147 (दंगा करना) के तहत दर्ज की गई है।

# पूर्व पीएम मनमोहन सिंह बोले-मोदी ने पद की गरिमा कम की

नई दिल्ली, 30 मई (एजेंसियां)। पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह ने गुरुवार (30 मई) को पंजाब के मतदाताओं को लेटर लिखा। तीन पेज के लेटर में मनमोहन सिंह ने पीएम नरेंद्र मोदी की आलोचना की और कांग्रेस को वोट देने की अपील की।

पूर्व पीएम ने कहा, पीएम मोदी ने चुनाव के दौरान हेट स्पीच का सबसे घिनौना तरीका अपनाया है। इतिहास में आज तक किसी भी प्रधानमंत्री ने समाज के एक खास वर्ग या विपक्ष को निशाना बनाने के लिए ऐसे घिनौने और असंसदीय शब्द नहीं बोले हैं। मोदी प्रधानमंत्री पद की गरिमा और गंभीरता को कम करने वाले पहले प्रधानमंत्री हैं। मनमोहन सिंह ने आगे लिखा- पिछले दस सालों में भाजपा सरकार ने पंजाब, पंजाबियों और पंजाबियत को बदनाम करने में कोई कसर नहीं छोड़ी है। मोदी ने कुछ गलत बयानों के लिए मुझे भी जिम्मेदार ठहराया है। मैंने अपने जीवन में कभी भी एक समुदाय को दूसरे समुदाय से अलग नहीं किया। यह करने का कॉपीराइट सिर्फ भाजपा के पास है। मैं पंजाब के सभी वोटर्स से विकास के लिए वोट करने की अपील करता हूं। केवल कांग्रेस ही पंजाब का प्रगतिशील भविष्य सुनिश्चित कर सकती है, जहां लोकतंत्र और संविधान की रक्षा की जाएगी।

अपने संविधान और लोकतंत्र को निरंकुश सरकार से बचाने का हमारे पास यह आखिरी मौका है। पूर्व पीएम ने कवि अल्लामा इकबाल का एक प्रसिद्ध शेर लिखते हुए अपने लेटर को खत्म किया। उन्होंने लिखा- फिर उठी आखिर सदा तौहीद की पंजाब से, मर्द-ए-कामिल ने जगाया हिंद को फिर ख्वाब से। पूर्व पीएम मनमोहन सिंह का लेटर आज तब आया है, जब मोदी पंजाब के होशियारपुर में इस चुनाव में अपनी आखिरी चुनावी रैली करने पहुंचे हैं। मोदी ने रैली में कांग्रेस और आप पर निशाना साधा। मोदी ने कहा, इंडी गठबंधन वाले मेरा मुंह न खुलवाएं, 7 पीढ़ी के पाप निकालकर रख दूंगा। इंडी गठबंधन वाले वीरों का अपमान करते हैं। पूर्व सीडीएस विपिन रावत का भी अपमान किया। सेना लड़ाई के लिए तैयार की जाती है, लेकिन इन्होंने सेना पर राजनीति की। इन्होंने सर्जिकल स्ट्राइक के सबूत मांगे।

# केजरीवाल की बेल पिटिशन पर कोर्ट का ईडी का नोटिस

### > 1 जून तक जवाब मांगा > दिल्ली सीएम को 2 जून को सरेंडर करना है

नई दिल्ली, 30 मई (एजेंसियां)। दिल्ली शराब नीति से जुड़े भ्रष्टाचार मामले में सीएम अरविंद केजरीवाल ने गुरुवार (30 मई) को राउज एवेन्यू कोर्ट में जमानत याचिका दाखिल की। सुनवाई करते हुए कोर्ट ने प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) को नोटिस जारी किया। स्पेशल जज कावेरी बावेजा ने 1 जून तक जवाब देने को कहा है।

केजरीवाल ने मेडिकल ग्राउंड पर एक हफ्ते के लिए अंतरिम जमानत बढ़ाने की मांग की थी। 28 मई को सुप्रीम कोर्ट की वैकेशन बेंच ने तत्काल सुनवाई से इनकार कर दिया था। राउज एवेन्यू कोर्ट ने दायर एक अन्य याचिका पर ईडी से इस पर भी जवाब मांगा है। केजरीवाल को ईडी ने शराब नीति से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग केस में 21 मार्च को गिरफ्तार किया था। 50 दिन जेल में रहने के बाद उन्हें 10 मई को जमानत मिली थी। उनकी 21 दिन की जमानत 1 जून को खत्म हो रही है। 2 जून को उन्हें सरेंडर करना है। ईडी ने शराब नीति केस में केजरीवाल को 21 मार्च को अरेस्ट किया था। ईडी ने 22 मार्च को उन्हें राउज एवेन्यू कोर्ट में पेश किया। कोर्ट ने दिल्ली सीएम को 28 मार्च तक ईडी रिमांड पर भेजा, जो बाद में 1 अप्रैल तक बढ़ाई गई थी। इस दौरान केजरीवाल ने अपनी गिरफ्तारी को चुनौती देते हुए दिल्ली हाईकोर्ट में रिट याचिका दायर की। हाईकोर्ट ने 9 अप्रैल को उनकी याचिका खारिज कर दी थी। इसके बाद कोर्ट ने 1 अप्रैल को उन्हें 15 अप्रैल तक न्यायिक हिरासत में तिहाड़ जेल भेज दिया था। 15 अप्रैल को सुप्रीम कोर्ट ने ईडी को नोटिस देकर गिरफ्तारी पर जवाब मांगा। हलफनामे में ईडी ने कहा कि कई बार समन भेजे जाने के बावजूद उन्होंने एजेंसी के साथ सहयोग नहीं किया।

29 अप्रैल की सुनवाई में केजरीवाल की तरफ से वकील अभिषेक मनु सिंघवी ने दलीलें दी। गिरफ्तार करने का अधिकार होने का मतलब यह गिरफ्तार कर लें। आरोप साबित होना चाहिए, सिर्फ शक नहीं होना चाहिए। 29 अप्रैल को कोर्ट ने केजरीवाल से पूछा- आप गिरफ्तारी और रिमांड के खिलाफ यहां आए, आप जमानत के लिए ट्रायल कोर्ट क्यों नहीं गए? इस पर केजरीवाल के वकील सिंघवी ने कहा था कि गिरफ्तारी अवैध है इसलिए। 30 अप्रैल की सुनवाई में सुप्रीम कोर्ट ने ईडी से कई सवाल पूछे। पीएमएलए के सेक्शन-19 की व्याख्या कैसे की जाए, क्योंकि केजरीवाल जमानत के लिए आवेदन करने के बजाय गिरफ्तारी और रिमांड के खिलाफ आ रहे हैं। गिरफ्तारी की टाइमिंग। चुनाव के पहले ऐसा क्यों किया?

3 मई को हुई सुनवाई में दो घंटे की लंबी बहस के बाद बेंच ने कहा था कि मेन केस यानी जिसमें केजरीवाल ने अपनी गिरफ्तारी और रिमांड को चुनौती दी है, इसमें समय लग सकता है। लोकसभा चुनाव को देखते हुए केजरीवाल की अंतरिम जमानत पर विचार किया जा सकता है, ताकि वे कैंपेन में हिस्सा ले सकें। 7 मई को केजरीवाल की अंतरिम जमानत पर बहस हुई और सुप्रीम कोर्ट ने शर्तों पर बात की। 10 मई को कोर्ट ने अंतरिम जमानत दे दी। दिल्ली की लोकल कोर्ट ने 28 मई को केजरीवाल के खिलाफ ईडी की सप्लीमेंट्री चार्जशीट पर संज्ञान लेने के अपने आदेश को 4 जून तक सुरक्षित रख लिया है। ईडी ने 17 मई को राउज एवेन्यू कोर्ट में 18वीं सप्लीमेंट्री चार्जशीट दाखिल की थी, जिसमें केजरीवाल और आप को आरोपी बनाया था।

## श्रद्धालुओं की बस 150 फीट गहरी खाई में गिरी 21 की मौत, 61 जख्मी

जम्मू, 30 मई (एजेंसियां)। जम्मू में एक दर्दनाक हादसा हो गया। तीर्थयात्रियों को ले जा रही एक बस सड़क से फिसलकर खाई में जा गिरी। हादसे में 21 लोगों की मौत हो गई, जबकि 61 से ज्यादा लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। जानकारी के मुताबिक तीर्थयात्रियों से भरी बस यूपी के हाथरस से जम्मू-कश्मीर के रियासी जिले में स्थित शिव खोड़ी जा रही थी। चोकी चोरा क्षेत्र में तंगली मोड़ पर ये हादसा हो गया और बस करीब 150 फुट नीचे खाई में जा गिरी। बताया जा रहा है कि ड्राइवर ने बस से नियंत्रण खो दिया था। समाचार एजेंसी के मुताबिक दर्दनाक हादसा राजौरी जिले में हुआ। अधिकारियों ने बताया कि पुलिस और स्थानीय लोगों की मदद से रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया गया है, घायलों को अखनूर अस्पताल और जम्मू के सरकारी मेडिकल कॉलेज (जीएमसी) अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

# प्रधानमंत्री ऋषि सुनक ने ब्रिटिश पार्लियामेंट को किया भंग : 4 जुलाई को होगा यूके में चुनाव

लंदन, 30 मई (एजेंसियां)। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री ऋषि सुनक ने ब्रिटिश पार्लियामेंट को भंग कर दिया है। इसके साथ ही आधी रात से ब्रिटेन पार्लियामेंट में 650 संसद सदस्यों की सीटें एक झटके में खाली हो गई हैं। हालांकि ब्रिटेन की मौजूदा कंजर्वेटिव पार्टी की सरकार का कार्यकाल दिसंबर में पूरा होना है। ब्रिटेन के नियमों के मुताबिक यहां 28 जनवरी 2025 से पहले और 17 दिसंबर के बाद चुनाव कराया जाना था। मगर पीएम ऋषि सुनक ने 6 महीने पहले ही अपने अधिकारों का इस्तेमाल करते हुए संसद को भंग कर दिया है। ऐसे में अब 4 जुलाई को ब्रिटेन में चुनाव कराए जाएंगे। अब 4 जुलाई के आम चुनाव से पहले ब्रिटिश संसद भंग होने के बाद करीब 5 हफ्ते का वक्त चुनाव प्रचार के लिए बचा है। सत्तारूढ़ कंजर्वेटिव पार्टी के 14 साल के शासन के बाद इस बार विभिन्न सर्वे में लेबर पार्टी के सत्ता में आने की संभावना दिख रही है। चुनावी कार्यक्रम के अनुरूप आधी रात होते ही एक मिनट बाद संसद सदस्यों (सांसदों) की 650 सीटें खाली हो गईं। इसके साथ ही पांच सप्ताह का चुनावी प्रचार भी आधिकारिक तौर पर शुरू हो गया।

**पीएम ऋषि सुनक के लिए बारिश को बताया अपशकुन**

प्रधानमंत्री ऋषि सुनक की बारिश के दौरान यह चुनावी घोषणा की। ऐसे में पहले सप्ताह चुनाव प्रचार की शुरूआत धीमी रही। इसलिए कई पर्यवेक्षकों ने बारिश को उनके लिए एक अपशकुन के रूप में पेश किया। हालांकि ऋषि सुनक के पहले के ऐलान से ही ऐसा पूर्व अपेक्षित था कि वह 4 जुलाई से पहले कभी भी संसद को भंग कर सकते हैं। क्योंकि पीएम सुनक ने वर्ष के अंत में चुनाव कराने के बजाय 4 जुलाई का वक्त निर्धारित किया। इसके बाद पर्यवेक्षकों ने कहा कि जनमत सर्वेक्षणों में उनकी पार्टी के पिछड़ने के कारण फिर से गति हासिल करने का यह एक प्रयास है।

**ब्रिटेन में लेबर पार्टी जीती तो ये हो सकते हैं पीएम**

अगर सर्वेक्षणों के मुताबिक इस बार लेबर पार्टी सत्ता में आती है तो पूर्व मानवाधिकार वकील और विपक्ष के कद्दावर नेता कीर स्टारमर ब्रिटेन के नए प्रधानमंत्री हो सकते हैं। लेबर पार्टी के पास अब 14 वर्षों तक विपक्ष में रहने के बाद दोबारा सत्ता हासिल करने का मौका है। चुनावी सर्वेक्षणों में सत्ताधारी कंजर्वेटिव लेबर पार्टी से दोहरे अंकों में पिछड़ते दिख रहे हैं।

## पुरी में जगन्नाथ चंदन यात्रा के दौरान पटाखों में विस्फोट

**3 की मौत, 32 घायल, सीएम पटनायक बोले-इलाज का खर्च सरकार उठाएगी**

पुरी, 30 मई (एजेंसियां)। ओडिशा के पुरी में बुधवार (29 मई) रात भगवान जगन्नाथ के चंदन यात्रा उत्सव के दौरान पटाखों के ढेर में विस्फोट होने के हादसे में 3 लोगों की मौत हो गई है, जबकि 32 लोग घायल हैं। पुलिस ने बताया कि दुर्घटना के समय सैकड़ों लोग अनुष्ठान देखने के लिए नरेंद्र पुष्करिणी सरोवर के तट पर इकट्ठा हुए थे। इसी दौरान कुछ श्रद्धालु आतिशबाजी करने लगे। तभी एक चिंगारी पटाखों के ढेर पर गिरी और उसमें धमाका हो गया। शुरूआत में 15 लोगों के घायल होने की खबर आई थी, इनमें से चार की हालत गंभीर थी। इन्हीं में से तीन ने दम तोड़ दिया है।

मुख्यमंत्री नवीन पटनायक ने घटना पर दुख व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि इलाज का खर्च मुख्यमंत्री राहत कोष से वहन किया जाएगा। सीएम पटनायक ने ट्वीट किया कि पुरी नरेंद्र पूल के पास दुर्घटना के बारे में सुनकर दुख हुआ। मुख्य प्रशासनिक सचिव और जिला प्रशासन को घायलों का उचित इलाज करवाने और व्यवस्था की निगरानी करने का निर्देश दिया गया है।

**चार धामों में से एक धाम है जगन्नाथ मंदिर :**

जगन्नाथ मंदिर हिंदुओं के चार धामों में से एक माना जाता है। ओडिशा के पुरी में स्थित यह विश्व प्रसिद्ध मंदिर भगवान विष्णु के अवतार श्री कृष्ण को समर्पित है। यहां हर साल लाखों श्रद्धालु पूरी दुनिया से भगवान के दर्शन के लिए आते हैं। मंदिर 800 साल से भी ज्यादा पुराने हैं। मंदिर में महाप्रभु श्री जगन्नाथ, बहन देवी सुभद्रा और बड़े भाई महाप्रभु बलभद्र की पूजा की जाती है। मंदिर में तीनों देवी-देवताओं की मूर्तियां एक साथ विराजमान हैं।

## 'प्रचार में पीएम मोदी ने 421 बार केवल मंदिर-मस्जिद पर बात की'

### > खड़गे का प्रधानमंत्री पर प्रहार

नई दिल्ली, 30 मई (एजेंसियां)। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने गुरुवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की आलोचना की। उन्होंने दावा किया कि चुनाव प्रचार के दौरान प्रधानमंत्री ने 421 बार केवल मंदिर-मस्जिद और विभाजनकारी मुद्दों पर ही बात की। खड़गे ने पीएम मोदी पर आरोप लगाया कि चुनाव आयोग की तरफ से जाति-धर्म के आधार पर वोट न मांगने के निर्देश के बावजूद पीएम मोदी ने इन मुद्दों पर बात की।

लोकसभा चुनाव के सातवें और आखिरी मतदान से पहले मल्लिकार्जुन खड़गे ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित किया। इस दौरान खड़गे ने पीएम मोदी पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा, पिछले 15 दिनों में चुनाव प्रचार के दौरान पीएम मोदी ने 232 बार कांग्रेस का नाम लिया। इसके अलावा 758 बार अपना और 573 बार इंडी गठबंधन का नाम लिया। उन्होंने (पीएम मोदी) एक बार भी बेरोजगारी को लेकर बात नहीं की। कांग्रेस नेता मल्लिकार्जुन खड़गे ने दावा किया कि इंडी गठबंधन बहुमत के साथ सरकार बनाएगा और यह देश में एक समावेशी और राष्ट्रवादी सरकार का गठन करेगा।

कांग्रेस राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कहा, हमें यकीन है कि जनता चार जून को वैकल्पिक सरकार के लिए जनादेश देगी। भाजपा पर निशाना साधते हुए खरगे ने कहा कि लोगों ने हमारे विचार का समर्थन किया। उन्हें मालूम है कि अगर एक बार फिर इस सरकार को मौका दिया गया तो देश में लोकतंत्र खत्म हो जाएगा। एक साक्षात्कार में पीएम मोदी ने कहा था कि महात्मा गांधी के बारे में वैश्विक जागरूकता रिचर्ड एटनबरो की फिल्म के बाद आई। पीएम मोदी के इस बयान पर खड़गे ने प्रतिक्रिया दी। कांग्रेस नेता ने प्रधानमंत्री की आलोचना करते हुए कहा कि शायद उन्होंने (पीएम मोदी) महात्मा गांधी के बारे में ठीक से नहीं पढ़ा हो, लेकिन महात्मा गांधी को दुनिया भर में जाना जाता है।

## 48 घंटे में तय होगा इंडिया का पीएम : जयराम रमेश

नई दिल्ली, 30 मई (एजेंसियां)। कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने कहा है कि लोकसभा चुनाव 2024 में जीत के बाद इंडी ब्लॉक 48 घंटे के अंदर प्रधानमंत्री पद का उम्मीदवार तय कर देगा। रमेश ने यह भी कहा कि गठबंधन में जिस पार्टी को सबसे ज्यादा सीटें मिलेंगी, वही सरकार बनाने का स्वाभाविक दावेदार होगी।

7वें फेज की वोटिंग से पहले चुनाव प्रचार के आखिरी दिन कांग्रेस महासचिव ने दावा किया कि इंडी गठबंधन लोकसभा में बहुमत के लिए जरूरी 272 के आंकड़े से कहीं ज्यादा सीटें हासिल करेगा। उन्होंने कहा कि इंडी ब्लॉक की सरकार बनती है तो एनडीए की सहयोगी पार्टियां भी गठबंधन में शामिल हो सकती हैं, हालांकि उन्हें शामिल करेंगे या नहीं, इसका फैसला कांग्रेस हाईकमान लेंगे। जयराम से पूछा गया कि क्या चुनाव के बाद जेडी(यू) प्रमुख नीतीश कुमार और टीडीपी अध्यक्ष एन चंद्रबाबू नायुडू जैसे एनडीए सहयोगियों के लिए दरवाजे खुले रहेंगे।

## प्रधानमंत्री को इतनी चिंता थी तो फोन करते!

### > पीएम के स्वास्थ्य वाले बयान पर नवीन पटनायक का पलटवार

भुवनेश्वर, 30 मई (एजेंसियां)। लोकसभा चुनाव के सातवें और आखिरी मतदान से पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को ओडिशा में रैली की थी। इस रैली में उन्होंने मुख्यमंत्री नवीन पटनायक के स्वास्थ्य को लेकर चिंता जताई। पीएम मोदी ने कहा था कि अगर ओडिशा में भाजपा सत्ता में आती है तो नवीन पटनायक के बिगड़ते स्वास्थ्य की जांच के लिए एक विशेष समिति बनाई जाएगी। पीएम मोदी के इस बयान पर सीएम पटनायक ने पलटवार किया। गुरुवार को एक साक्षात्कार में उन्होंने कहा कि पीएम मोदी को उनकी तबीयत को लेकर इतनी चिंता थी तो उन्हें (पीएम मोदी) रैली में इसका जिक्र न कर फोन करके उनके स्वास्थ्य के बारे में पूछना चाहिए था।

पीएम मोदी के बयानों पर प्रतिक्रिया देते हुए ओडिशा के मुख्यमंत्री नवीन पटनायक ने कहा, अगर प्रधानमंत्री मोदी को मेरे स्वास्थ्य की इतनी चिंता है तो उन्हें कल रैली में जोर-जोर से इस बारे में बात करने के बजाय फोन पर मेरे स्वास्थ्य के बारे में पूछना चाहिए था। इसका मतलब है कि वे चुनाव के समय सिर्फ वोट बटोरने की कोशिश कर रहे हैं। यह अफवाह पिछले 10 सालों से दिल्ली में बैठे लोगों द्वारा फैलाई जा रही है। मेरा स्वास्थ्य बिल्कुल ठीक है। अपने स्वास्थ्य को लेकर नवीन पटनायक ने कहा कि उन्हें कोई स्वास्थ्य समस्या नहीं है।

## विदिशा का बीएम नर्सिंग कॉलेज सील, कोर्ट के आदेश पर तहसीलदार ने की कार्रवाई

विदिशा, 30 मई (एजेंसियां)। पूरे मध्य प्रदेश में पिछले कुछ समय से नर्सिंग कॉलेज की मान्यता और उनके फर्जी संचालन को लेकर केंद्रीय एजेंसी सीबीआई द्वारा जांच पड़ताल की जा रही है। फर्जी तरीके से चल रहे नर्सिंग कॉलेज पर गाज गिरना शुरू हो चुकी है। इसका असर विदिशा में भी देखने को मिला है। विदिशा के खाई रोड पर स्थित बीएम नर्सिंग कॉलेज जो लंबे समय से बंद था, उसे उच्च न्यायालय के निर्देश के बाद तहसीलदार अमित ठाकुर और उनकी टीम ने सील कर दिया है। तहसीलदार ने बताया कि उच्च न्यायालय के निर्देश पर यह कार्रवाई की गई है, आगे की कार्रवाई भी न्यायालय के निर्देश अनुसार की जाएगी। बता दें कि पिछले साल सीबीआई की टीम ने प्रदेश के कॉलेज का निरीक्षण कर जांच पड़ताल की थी। इसके बाद भी कॉलेज संचालन शुरू नहीं हो सका था। ऐसा प्रतीत होता है कि प्रदेश भर में फर्जी नर्सिंग कॉलेज की कतार में विदिशा का बीएम नर्सिंग कॉलेज भी शामिल था, जिसके चलते उच्च न्यायालय द्वारा इसे सील कराया गया है।

## नर्सिंग घोटाला मामले में सीबीआई स्पेशल कोर्ट ने 9 आरोपियों को भेजा जेल, चार की रिमांड बढ़ी

भोपाल, 30 मई (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के फर्जी नर्सिंग घोटाला मामले में गिरफ्तार आरोपियों की बुधवार को रिमांड अवधि खत्म हुई, जिसके बाद सीबीआई की स्पेशल कोर्ट ने नौ आरोपियों को जेल भेज दिया। जबकि चार आरोपियों की रिमांड अवधि बढ़ाकर एक जून तक कर दी गई। इधर आरोपियों की जमानत के लिए वकील ने जमानत याचिका दायर की है, जिस पर शुक्रवार को सुनवाई होगी। वहीं कांग्रेस नेता रवि परमार भी जमानत याचिका पर शुक्रवार को आपत्ति दर्ज कराएंगे। बता दें मध्य प्रदेश में नर्सिंग फर्जीवाड़े में सीबीआई ने रिमांड होने के बाद नौ आरोपियों को मंगलवार को स्पेशल कोर्ट में पेश किया था। कोर्ट ने नौ आरोपियों को जेल भेज दिया, जबकि चार आरोपी राहुल राज, ओम गोस्वामी, रवि भदौरिया और जुगल किशोर शर्मा को एक एक जून तक सीबीआई रिमांड पर भेजा है। इधर आरोपी प्रिति तिलकवार, सचिन जैन ने जमानत आवेदन पेश किया है। इस पर शुक्रवार को सुनवाई होगी। इधर सुनवाई के दौरान शिकायतकर्ता रवि परमार ने भी आपत्ति दर्ज कराई जाएगी। रवि परमार के अनुसार वो अपने वकील आशीष निगम के साथ शुक्रवार को सुनवाई के दौरान कोर्ट में अपनी आपत्ति प्रस्तुत करेंगे। बता दें नर्सिंग कॉलेज घोटाले की पोल साल 2022 से खुलती गई। जनवरी 2022 में नर्सिंग कॉलेजों की मान्यता फर्जीवाड़े पर जनहित याचिका हाई कोर्ट में दायर हुई थी। मार्च 2022 में मुख्य न्यायाधीश की अध्यक्षता वाली पीठ ने सरकार और कॉलेज को नोटिस दिया।

## एक ईंट तक नहीं लगाई, आप कांग्रेस पर बरसीं हरसिमरत कौर बादल, बीजेपी के लिए कहा- गांव में घुस तक नहीं पा रहे

चंडीगढ, 30 मई (एजेंसियां)। लोकसभा चुनाव के लिए सातवें और आखिरी चरण का मतदान 1 जून को किया जाएगा। पंजाब में भी इसी दिन वोटिंग होगी। वोटिंग से पहले पंजाब के बठिंडा लोकसभा सीट से शिरोमणि अकाली दल की सांसद और उम्मीदवार हरसिमरत कौर बादल ने कांग्रेस और आम आदमी पार्टी के गठबंधन पर निशाना साधा। हरसिमरत कौर बादल ने कहा कि पिछले 7 सालों में कांग्रेस और आम आदमी पार्टी के गठबंधन ने वादे तो किए, लेकिन उन्हें कभी पूरा नहीं किया। इस गठबंधन से लोग निराश हैं और वे खुद को ठगा हुआ महसूस कर रहे हैं। हरसिमरत कौर ने आगे कहा कि लोगों ने कांग्रेस और आम आदमी पार्टी दोनों को देख लिया है। 'आप' की सरकार को बने हुए सिर्फ 2 साल हुए हैं। बीजेपी तो गांवों में प्रचार करने भी नहीं जा पा रही है। मुझे पूरा यकीन है कि मुझे पिछले बार से ज्यादा वोट मिलेंगे। जब मैं सांसद बनी थी तो मैंने विकास के लिए काम किया था। हालांकि पिछले 7 सालों में कांग्रेस और आप की सरकार के दौरान, उन्होंने कहीं भी एक ईंट तक नहीं लगाई है।

# केरल में मानसून ने दी दस्तक

## अब पूर्वोत्तर राज्यों की ओर बढ़ा, कब शुरू होगी झमाझम बारिश

नई दिल्ली, 30 मई (एजेंसियां)। देश के कई राज्य इन दिनों भीषण गर्मी की मार से बिलख रहे हैं, इधर दक्षिण पश्चिम मानसून ने पूर्वानुमान से एक दिन पहले ही केरल में मानसून ने दस्तक दे दी है और धीरे-धीरे ये पूर्वोत्तर राज्यों की ओर बढ़ रहा है। आईएमडी की मानें तो अगले 24 घंटों में केरल में दक्षिण-पश्चिम मानसून के आने की परिस्थिति अनुकूल रहेगी। इससे पहले मौसम विभाग ने केरल में 31 मई तक मानसून आने का अनुमान लगाया था।

### अनुमान से पहले पहुंचा मानसून

मौसम विभाग ने जानकारी देते हुए कहा कि रविवार को पश्चिम बंगाल और बांग्लादेश से गुजरे चक्रवात रेमल ने मानसून को बंगाल की खाड़ी की ओर खींच लिया है, जो पूर्वोत्तर में मानसून जल्दी आने का एक कारण माना जा रहा है। विभाग के आंकड़ों के मुताबिक, पिछले कुछ दिन से केरल में भारी बारिश हो रही है, जिसके फलस्वरूप मई में सामान्य से अधिक बारिश हुई है। आईएमडी के मुताबिक, पूर्वोत्तर राज्यों (त्रिपुरा, अरुणाचल प्रदेश, नगालैंड, मेघालय, मिजोरम, मणिपुर और असम) में मानसून के आने की सामान्य तारीख 5 जून है और इसी दौरान अरब सागर के कुछ और हिस्सों, कोमोरिन, मालदीव, लक्षद्वीप के बाकी हिस्सों, दक्षिण-पश्चिम और मध्य बंगाल की खाड़ी, उत्तर-पूर्वी बंगाल की खाड़ी और पूर्वोत्तर राज्यों के कुछ हिस्सों में दक्षिण-पश्चिम मानसून के आगे बढ़ने के लिए परिस्थितियां बनती जा रही हैं।

### उत्तर भारत में हीटवेव का एलर्ट

इधर बीते दिन दिल्ली एनसीआर में थोड़ी देर झमझमाकर बारिश हुई, पर नौतपा में इसका असर कुछ खास नजर नहीं आ रहा। बता दें कि आज दिल्ली में हीटस्ट्रोक से एक व्यक्ति की मौत हो गई है, ये इस साल केंद्रशासित प्रदेश में पहली मौत है, जो हीटस्ट्रोक की वजह से हुई है। बता दें कि बीतें दिन दिल्ली में 45.2 से 49.1 डिग्री सेल्सियस के पार पारा पहुंच गया था। वहीं, यूपी के भी कुछ हिस्सों गर्मी सितम ढा रही है। इधर, आईएमडी ने यूपी, पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़, दिल्ली, राजस्थान के कुछ हिस्सों, बिहार, झारखंड, ओडिशा में हीटवेव का रेड अलर्ट जारी किया है।

# बाढ़ ने मणिपुर में मचाई तबाही

## तीन लोगों की मौत और हजारों लोग प्रभावित; कई इलाके जलमग्न

इंफाल, 30 मई (एजेंसियां)। मणिपुर की इंफाल घाटी में भारी बारिश के कारण आई बाढ़ से तीन लोगों की मौत हो गई, जबकि हजारों लोग प्रभावित हुए। अधिकारियों ने गुरुवार को यह जानकारी दी। सेनापति जिले के थोंगलांग रोड पर भारी बारिश के कारण हुए भूस्खलन में 34 वर्षीय एक व्यक्ति की मौत हो गई और तीन अन्य घायल हो गए। अधिकारियों ने बताया कि 83 वर्षीय एक महिला उफनती सेनापति नदी में डूब गई। उन्होंने बताया कि इंफाल में 75 वर्षीय एक व्यक्ति की बुधवार को बारिश के दौरान बिजली के खंभे के संपर्क में आने से करंट लगने से मौत हो गई। अधिकारी ने आगे जानकारी इम्फाल नदी के उफनने से कई इलाके जलमग्न हो गए और इंफाल घाटी में सैकड़ों घरों में पानी घुस गया, जिसके परिणामस्वरूप लोगों ने पास के सामुदायिक भवनों में शरण ली।

उन्होंने बताया,नंबुल नदी में उफान के कारण खुमान लैंपक, नगरम, सगोलबंद, उरीपोक, कीसमथोंग और पाओना क्षेत्रों सहित इंफाल पश्चिम जिले के कम से कम 86 इलाकों में बाढ़ की सूचना मिली है। लगातार बारिश के कारण, इम्फाल नदी का तट इंफाल पूर्वी जिले के केइरंग, खाबम और लैरीयेंगबाम लीकाई इलाकों के पास टूट गया है और कई इलाकों में पानी घुस गया है, जिससे सैकड़ों घर डूब गए हैं।

# डॉन छोटा राजन को उम्रकैद की सजा

## जया शेट्टी मामले में फैसला

मुंबई, 30 मई (एजेंसियां)। मुंबई की स्पेशल सीबीआई कोर्ट ने डॉन छोटा राजन को उम्रकैद की सजा सुनाई है। मुंबई के जया शेट्टी हत्याकांड में छोटा राजन को सजा सुनाई गई है। साल 2001 में जया शेट्टी पर मुंबई के ग्रांट रोड पर छोटा राजन के गुर्गों ने फायरिंग की थी। जया शेट्टी से छोटा राजन ने फिरौती की मांग की थी, लेकिन उसे फिरौती नहीं दी गई। इसके बाद छोटा राजन ने जया शेट्टी पर फायरिंग करवाई। अक्टूबर 2015 में इंडोनेशिया में गिरफ्तारी के बाद भारत निर्वासित होने के बाद छोटा राजन दिल्ली की तिहाड़ जेल में बंद है। छोटा राजन का असली नाम राजेंद्र सदाशिव है। छोटा राजन को बाली हवाई अड्डे पर गिरफ्तार किया गया था। उसे 2015 में भारत प्रत्यर्पित किया गया था और तब से वह तिहाड़ जेल में बंद है। कभी मुंबई की डी-कंपनी में टॉप लेफ्टिनेंट रहा छोटा राजन का 1993 के मुंबई बम धमाकों के बाद दाऊद इब्राहिम से झगड़ा हो गया था। राजन को डॉन छोटा शकील द्वारा कई बार जान से मारने की धमकियां भी मिलती रही हैं। 1993 मुंबई हमलों के बाद दाऊद और छोटा राजन अलग हो गए थे। 1994 में राजन के खिलाफ रेड कॉर्नर नोटिस जारी किया गया था, लेकिन यह अनुमान लगाया गया था कि दाऊद से अलग होने के बाद से वह डी-कंपनी के कामकाज की अंदरूनी जानकारी के साथ एजेंसियों की मदद कर रहा था।

### दो दशक से था फरार

लगभग दो दशकों तक फरार रहने के बाद छोटा राजन को 2015 में पकड़ा गया। वह सिडनी से बाली हवाई अड्डे पर पहुंच ही था कि उसे अरेस्ट कर लिया गया। कथित तौर पर उसके पास मोहन कुमार नाम का पासपोर्ट था, लेकिन उसने आव्रजन अधिकारियों को अपना असली नाम राजेंद्र सदाशिव बताया। जया शेट्टी की बात करें तो वह मध्य मुंबई के गामदेवी में गोल्डन क्राउन होटल की मालिक थीं। उन्हें छोटा राजन गिरोह से रंगदारी के लिए फोन आ रहे थे। 4 मई 2001 को उनके होटल के अंदर छोटा राजन गिरोह के दो सदस्यों ने उनकी गोली मारकर हत्या कर दी थी। धमकियों के चलते महाराष्ट्र पुलिस ने उन्हें सुरक्षा मुहैया कराई थी। हालांकि, हत्या से दो महीने पहले ही उनकी सुरक्षा हटा ली गई थी।

## चरस की पुड़िया बेचने आए थे उज्जैन, पुलिस ने देवास के तीन युवकों को किया गिरफ्तार

उज्जैन, 30 मई (एजेंसियां)। उज्जैन में मादक पदार्थ का विक्रय रोकने के लिए भले ही पुलिस कितने भी प्रयास कर रही हो, लेकिन अपराधी जैसे तैसे मादक पदार्थों को बेच रहे हैं। शाम को भी पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर एक चेकिंग पॉइंट से तीन लोगों को गिरफ्तार किया है जो हजारों रुपये की चरस लेकर घूम रहे थे। महाकाल थाना पुलिस को मुखबिर से अवैध मादक पदार्थ की तस्करी की सूचना मिली। जिस पर थाना महाकाल पुलिस ने कार्रवाई करते हुए मुल्लापुरा चौराहे पर चैकिंग के दौरान अवैध मादक पदार्थ चरस की तस्करी कर रहे साकिब पिता रफीक खा निवासी देवास, फरहान पिता इमरान खान निवासी देवास और अंजाम पिता अकरम अब्बासी निवासी देवास को गिरफ्तार किया।

# दिग्विजय बोले

## प्रशासन की लापरवाही से नर्मदापुरम में डेढ़ हजार एकड़ मूंग खराब, किसानों को मिले मुआवजा

भोपाल, 30 मई (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह लगातार मध्य प्रदेश में लोगों की समस्याएं उठा रहे हैं। अब उन्होंने नर्मदा पुरम में प्रशासन की लापरवाही से नहर का पानी नहीं छोड़े जाने का आरोप लगाते हुए कहा है कि किसानों की डेढ़ हजार से 1800 एकड़ की मूंग की फसल खराब हो गई है। उन्होंने कहा है कि किसानों के लिए खड़ी फसल को ख्त्म करना सबसे बड़ी पीड़ा है, हम इस पीड़ा की घड़ी में किसानो के साथ खड़े और उन्हें हक मिलने तक लड़ेंगे।

पूर्व सीएम दिग्विजय सिंह ने अपने सोशल साइट एक्स पर लिखा कि चौक सेग्राम विसोनी कला, मलका खेड़ी तहसील सिवनी मालवा जिला नर्मदापुरम में नहर विभाग और जिला प्रशासन की चूक के कारण बुबाई के बाद 40 दिन तक नहर का पानी नहीं मिलने से 1500-1800 एकड़ की मुंग की फसल प्रभावित हुई है। जिसमें करीब 1000 एकड़ जमीन में फसल सूखने और फल नहीं लगने से किसानों को खड़ी फसल में रोटावेटर से बखरना पड़ रहा है, किसानों के लिए खड़ी फसल को खत्म करना सबसे बड़ी पीड़ा है। हम इस पीड़ा की घड़ी में किसानों के साथ खड़े और हक मिलने तक लड़ेंगे।

## 'किसान सूखे से लड़ रहे और कृषि मंत्री विदेश में घूम रहे', वडेट्टीवार ने राज्य सरकार को घेरा

मुंबई, 30 मई (एजेंसियां)। महाराष्ट्र में कांग्रेस नेता विजय वडेट्टीवार ने राज्य के कृषि मंत्री धनंजय मुंडे पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि जब हमारे किसान सूखे से लड़ रहे हैं, तब कृषि मंत्री विदेश में घूमने चले गए। वड्डेवार जालना जिले में सूखे की स्थिति का जायजा लेने पहुंचे। इस दौरान उन्होंने मीडिया से बात की। उन्होंने दावा किया कि पिछले तीन महीनों में मराठवाड़ा जिले में 267 किसानों ने आत्महत्या कर ली। मीडिया से बात करते हुए वड्डेटीवार ने कहा, कृषि मंत्री को बीज उपलब्धता, उर्वरक और फसलों की समीक्षा रकनी चाहिए। लेकिन वह किसानों को उनके हाल पर छोड़कर विदेश घूमने चले गए। इस परिस्थिति में वह कैसे जा सकते हैं?

कांग्रेस नेता ने आगे कहा कि बेमौसम बारिश और तूफान के कारण भी किसानों को काफी नुकसान का सामना करना पड़ा। कांग्रेस नेता ने आगे कहा, सूखे की इतनी विकट स्थिति है और सरकार लोगों और किसानों को यह बोलकर मूर्ख बना रही है कि आचार संहिता लागू है। दूसरी तरफ उन्होंने चुनाव आयोग से 25,000 लाख रुपये का टेंडर जारी कर दिया। सरकार फसल क्षति सर्वेक्षण का आदेश देती है, लेकिन किसानों को कोई सहायता नहीं दी जाती। मराठवाड़ा में लोग सूखे से परेशान हैं। पिछले तीन महीनों में 267 किसानों ने आत्महत्या कर ली। यहां लोगों को पीने का पानी भी नहीं मिल रहा।

# दिल्ली एयरपोर्ट से पकड़ा गया शशि थरूर का असिस्टेंट, गोल्ड स्मगलिंग से जुड़ा है मामला

तिरुवनंतपुरम, 30 मई (एजेंसियां)। केरल की तिरुवनंतपुरम सीट से मौजूदा सांसद शशि थरूर के असिस्टेंट शिव कुमार को कस्टम विभाग ने सोना तस्करी मामले में पकड़ा है। सूत्रों का कहना है कि शिव कुमार अपने किसी परिचित से विदेश से लाए गए सोने का डओवर ले रहा था। इसी बीच दिल्ली के आईजीआई एयरपोर्ट पर उसे कस्टम ने पकड़ा। बीते दिनों आईजीआई एयरपोर्ट कस्टम ने तीन श्रीलंकाई नागरिकों को गिरफ्तार किया था।

अलग-अलग मामलों में करीब 1.23 करोड़ रुपये कीमत के सोने की तस्करी करने के मामले में इनकी गिरफ्तारी हुई थी। सोना तस्करों के बारे में इनपुट मिलने पर विभाग के अधिकारियों ने रविवार को काठमांडू

की उड़ान से यहां पहुंचने के बाद एक आरोपी को पकड़ा था।

### '1.06 किलो सोना बरामद हुआ'

अधिकारियों ने जब उसकी तलाशी ली तो 860.38 ग्राम सोना बरामद हुआ था। इसकी कीमत 55 लाख रुपये बताई गई। विभाग ने कहा कि श्रीलंका के दो अन्य यात्रियों को रविवार को कोलंबो से आने के बाद जांच के लिए रोका गया था।उनके सामान की चेकिंग की गई तो 1.06 किलो सोना बरामद हुआ, जिसकी कीमत 67.82 लाख रुपये है।

### बीते महीने मुंबई एयरपोर्ट पर हुआ था हीरा तस्करी का पर्दाफाश

बीते महीने मुंबई एयरपोर्ट कस्टम ने तस्करी के बड़े मामले का खुलासा किया था। एयर इंटेलिजेंस यूनिट ने मुंबई हवाई अड्डे पर एक व्यक्ति को पकड़ा था, जो दो करोड़ रुपये के हीरे की तस्करी कर बैंकॉक ले जाने की कोशिश कर रहा था। उसने हीरों को नूडल्स के पैकेट में छुपाया था। मामला 19 अप्रैल को सामने आया था।

इसको लेकर पुलिस ने कहा था कि हमें पता चला था कि आरोपी मुंबई आ रहा है। हमने उससे पूछताछ की। उसके सामान और बैग की जांच की और हीरे पाए, जो नूडल्स के एक पैकेट में छिपाए गए थे। आरोपी बेंगलुरु से फ्लाइट में बैठा था। उसे बैंकॉक के लिए कनेक्टिंग फ्लाइट लेनी थी। उसको बैंकॉक में किसी को हीरे सौंपने थे।

## जम्मू रेलवे स्टेशनः पटरी से उतरा चलती रेलगाड़ी के इंजन का पहिया, यात्रियों में मची अफरा-तफरी

जम्मू, 30 मई (एजेंसियां)। जम्मू तवी रेलवे स्टेशन पर गुरुवार सुबह उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब एक चलती रेलगाड़ी के इंजन का पहिया पटरी से उतर गया। रेलगाड़ी के बीच बैठे यात्री सहित स्टेशन पर खड़े यात्रियों के बीच भय का माहौल बन गया। साथ ही रेलवे कर्मचारी और अधिकारी भी सकते में आ गए। तुंरत किसी तरह रेलगाड़ी को रोका गया। कर्मचारियों और अधिकारियों की टीम मौके पर पहुंची। लोगों को समझा कर शांत कराया गया कि बड़ा हादसा होने से टल गया है। हादसा नई दिल्ली से कटड़ा को जा रही उत्तर संपर्क क्रांति रेलगाड़ी के साथ घटा। इसके इंजन का पहिया जम्मू रेलवे स्टेशन पर पटरी से उतर गया। सुबह करीब 7:30 बजे ट्रेन जम्मू से कटड़ा की ओर जैसी ही रवाना हुई, तो इंजन का एक पहिया पटरी से उतर गया। इसके बाद रेलवे की अन्य अधिकारियों सहित इंजीनियर विंग की टीम मौके पर पहुंची। कड़ी मशक्कत के बाद इंजन के पहिए को पटरी पर दोबारा चढ़ाया गया। ट्रेन के साथ एक और नया इंजन जोड़ा। खबर लिखे जाने तक रेलवे की टीम पटरी की जांच कर रही थी। पूरी जांच किए जाने के बाद ही ट्रेन को गंतव्य की ओर रवाना किया जाएगा। वहीं, जम्मू रेलवे स्टेशन पर प्लेटफार्म नंबर एक पर आने वाली ट्रेनों को अन्य प्लेटफार्म की ओर मोड़ा गया है। उत्तर संपर्क क्रांति को सुबह 8:00 बजे कटड़ा पहुंचना था, लेकिन अभी तक जम्मू रेलवे स्टेशन पर ही रुकी है।

## हिमाचल में धधकते जंगल फैलती आग की लपटें, ड्राई स्पेल ने बढ़ाई चिंता; सुखना झील से पानी लेकर पहुंचा हेलीकॉप्टर

शिमला, 30 मई (एजेंसियां)। कसौली हिल के पिछली तरफ बीते दिन चीड़ के जंगल में आग लग गई। इस पर नियंत्रण न होता देख हेलीकॉप्टर की सहायता मांगी गई। हेलीकाप्टर ने कई चक्कर लगाकर सुखना झील चंडीगढ़ से पानी लाकर छिड़काव किया लेकिन आग नहीं बुझी। रात नौ बजे तक आग वीआइपी क्षेत्र तक पहुंच गई, जिसे बुझाने के लिए छावनी, सोलन व परवाणू के दमकल वाहन जुटे हुए हैं। कसौली छावनी के लीडिंग फायरमैन जितेंद्र कुमार ने बताया कि जंगल की आग वेल्वेडेयर एस्टेट तक पहुंच गई है, जिसे बुझाने का प्रयास किया जा रहा है। इधर नगर निगम शिमला के टुटीकंडी वार्ड में देवदार व चीड़ के पौधों से घिरे रिड़का गांव में मंगलवार रात आग लग गई। आग इतनी भयानक थी कि पूरा क्षेत्र चपेट में आ गया। रिड़का गांव में लोगों ने बरसात में 100 से अधिक पौधे लगाए थे। आग की चपेट में पूरा जंगल आ गया। दमकल विभाग को इसकी सूचना दी लेकिन जंगल के बीच गाड़ियों को ले जाना मुश्किल था। लोग रात एक बजे तक आग बुझाते रहे। सोलन जिला के धर्मपुर मे जंगल की आग से मोटर मैकेनिक की दुकान जल गई। इससे दुकान में ठीक होने के लिए आई 22 बाइक व एक कार जल गई। उपमंडल अर्की के चंडी में जंगल की आग मंगलवार रात राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय चंडी तक पहुंच गई। इससे शौचालय की पाइप, फर्नीचर व टंकी जल गई। कांगड़ा जिला के गरली में घर से चुराई बाइक को आधा किलोमीटर दूर आग लगा दी।

## आजम खां को फिर लगा कोर्ट से झटका, अब इस मामले में 10 साल की सजा और 14 लाख जुर्माना

रामपुर, 30 मई (एजेंसियां)। डूंगरपुर के एक और मामले में सपा नेता आजम खां को कोर्ट ने झटका दिया है। कोर्ट ने गुरुवार को आजम खां को 10 साल की सजा 14 लाख जुर्माना की सजा सुनाई है। सुनवाई के दौरान सपा नेता वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिये सीतापुर जेल से जुड़े। सपा नेता आजम खां के खिलाफ 2019 में डूंगरपुर बस्ती में रहने वाले लोगों ने बस्ती को खाली कराने के नाम पर लूटपाट, चोरी, मारपीट समेत अन्य धाराओं में गंज थाने में 12 मुकदमे दर्ज कराए थे। इनमें से तीन मुकदमों में फैसला आ चुका है। दो मामलों में सपा नेता बरी हो चुके हैं, जबकि एक मामले में उन्हें सात साल की कैद की सजा सुनाई जा चुकी है। सपा नेता आजम खां फिलहाल सीतापुर जेल में बंद हैं। इस मामले में बुधवार को कोर्ट ने आजम खां व ठेकेदार बरकत अली को दोषी करार दिया था। गुरुवार को दोनों को सजा सुनाई गई।

## मनी लॉन्ड्रिंग मामले में ईडी की बड़ी कार्रवाई

### मनोरंजन कंपनी की 290 करोड़ रुपये से अधिक की संपत्ति कुर्क

नोएडा, 30 मई (एजेंसियां)। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने गुरुवार को एक बड़ी कार्रवाई की। मनी लॉन्ड्रिंग मामले में जांच के दौरान ईडी ने नोएडा के लोकप्रिय जीआईपी मॉल समेत मनोरंजन सेवाएं देने वाली कंपनी की 290 करोड़ रुपये से अधिक की संपत्ति कुर्क की है। जीआईपी मॉल के कुछ हिस्से को अटैच किया गया है। ईडी ने इंटरनेशनल एम्यूजमेंट लिमिटेड ( आईआरएल की होल्डिंग कंपनी) से संबंधित 290 करोड़ की संपत्तियां कुर्क की हैं। इसके दायरे में जीआईपी मॉल भी आया है।

एंटरटेनमेंट सिटी लिमिटेड के तहत आने वाला नोएडा का जीआईपी मॉल करीब 3,93,737.28 स्क्वायर फुट की कमर्शियल जगह पर बना है। हर दिन बड़ी संख्या में लोग मॉल में घूमने और शॉपिंग करने पहुंचते हैं। ऐसे में ईडी की यह कार्रवाई किसी झटके से कम नहीं है। ईडी का शिकंजा रोहिणी के एडवेंचर आइलैंड पर भी कसा है। रोहिणी स्थित एडवेंचर आइलैंड लिमिटेड 45,966 स्क्वायर फुट की कमर्शियल जगह पर बना है।

## किसान आंदोलन में शुभकरण की मौत की जांच करेगी उच्चाधिकारियों की एसआईटी, हरियाणा सरकार से मांगे नाम

चंडीगढ़, 30 मई (एजेंसियां)। किसानों के प्रदर्शन के दौरान हुई युवा किसान शुभकरण मौत के मामले में जांच अब हरियाणा पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों की एसआईटी करेगी। पंजाब-हरियाणा हाईकोर्ट ने हरियाणा सरकार को इसके लिए नाम प्रस्तावित करने का आदेश दिया है। साथ ही सुनवाई के दौरान हाईवे बंद होने के कारण लोगों को होने वाली परेशानी का मुद्दा उठा तो हाईकोर्ट ने हरियाणा व पंजाब सरकार से शंभू बॉर्डर को लेकर जवाब तलब कर लिया है। शुभकरण सिंह की 21 फरवरी को पंजाब-हरियाणा सीमा पर फसलों के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) की गारंटी देने वाले कानून की मांग को लेकर प्रदर्शन के दौरान मौत हो गई थी। आरोप है कि हरियाणा पुलिस द्वारा चलाई गई गोली लगने से उसकी मौत हो गई। इस मामले में पंचकूला निवासी एडवोकेट उदय प्रताप सिंह ने हाईकोर्ट में याचिका दाखिल करते हुए जांच की मांग की थी। इस मामले में सुनवाई के दौरान हाईकोर्ट ने कहा कि जांच उच्च स्तर के पुलिस अधिकारियों को सौंपी जानी चाहिए। ऐसे में अगली सुनवाई पर हरियाणा सरकार ऐसे अधिकारियों के नाम प्रस्तावित करे जिन्हें एसआईटी में शामिल किया जा सके।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

# मेरा हैदराबाद

युविचार

दूसरों को बदलने के पहले स्वयं को बदलना आवश्यक है



## सीएस ने राज्य स्थापना दिवस समारोह की व्यवस्थाओं का जायजा लिया

हैदराबाद, 30 मई (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्य सचिव शांति कुमारी ने अधिकारियों के साथ बैठक की और राज्य स्थापना दिवस समारोह के लिए की जा रही व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने अधिकारियों को शाम को टैंक बंड पर भव्य तरीके से आयोजित होने वाले दो घंटे के भव्य समारोह के लिए विस्तृत व्यवस्था करने के निर्देश दिए। मुख्य सचिव ने बताया कि शाम 7 बजे से 9 बजे तक भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रम होंगे। शाम को विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए हैं, जिनमें पुलिस बैंड के साथ कार्निवल, पृष्ठभूमि में राज्य गीत जयजयहे तेलंगाना के साथ ध्वज यात्रा शामिल है। राज्य की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को दर्शाने वाली विभिन्न लोक और आदिवासी कलाओं का प्रदर्शन किया जाएगा। कार्यक्रम का समापन आतिशबाजी और लेजर शो के भव्य प्रदर्शन के साथ होगा। उन्होंने कहा कि आगंतुकों के लिए खाने-पीने के स्टॉल और शॉपिंग स्टॉल लगाए जाएंगे, साथ ही बच्चों के खेलने के लिए जॉय राइड और मजेदार खेल भी होंगे। मुख्य सचिव ने अधिकारियों को प्रत्येक विभाग से एक नोडल अधिकारी नियुक्त करने और कार्यक्रम को सुचारू और प्रभावी तरीके से आयोजित करने के लिए निकट समन्वय में काम करने का निर्देश दिया। पुलिस विभाग को पार्किंग और सुरक्षा के उचित प्रबंध करने को कहा गया। बैठक में डीजीपी रवि गुप्ता, हैदराबाद के पुलिस आयुक्त के श्रीनिवास रेड्डी, राजनीतिक सचिव रघुनंदन राव, प्रमुख सचिव दाना किशोर, श्रीनिवास राजू, टीएसपीडीसीएल के एमडी मुर्शरफ, संयुक्त महानगर आयुक्त एचएमडीए आम्रपाली, विशेष आयुक्त आईएंडपीआर हनुमंत राव, वरिष्ठ पुलिस और अन्य अधिकारी शामिल हुए।

### कांग्रेस सरकार ने नए प्रतीक चिन्ह के अनावरण का निर्णय टाला

हैदराबाद, 30 मई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के प्रतीक चिन्ह से चारमीनार और काकतीय कला तोरानम के ऐतिहासिक प्रतीकों को हटाने के निर्णय की चौतरफा आलोचना के बाद, राज्य सरकार ने नए प्रतीक चिन्ह के अनावरण के अपने कार्यक्रम को स्थगित करने का निर्णय लिया है। अधिकारियों ने बताया कि 200 से अधिक सुझाव प्राप्त होने के बाद, राज्य सरकार ने और अधिक विचार-विमर्श करने का निर्णय लिया है और नए प्रतीक चिन्ह के अनावरण के अपने प्रस्तावित कार्यक्रम को स्थगित कर दिया गया है। पहले यह तय किया गया था कि 2 जून को तेलंगाना के स्थापना दिवस पर राज्य गान के साथ नया प्रतीक चिन्ह भी जारी किया जाएगा। हालांकि, सरकारी सूत्रों ने बताया कि स्थापना दिवस पर केवल नया गान ही जारी किया जाएगा।

## मुख्यमंत्री रेवंत लोगों में भ्रम पैदा कर रहे हैं : भाजपा

हैदराबाद, 30 मई (स्वतंत्र वार्ता)। भाजपा के राज्य महासचिव कसम वेंकटेश्वरलू ने कहा कि कांग्रेस सरकार 2 जून को होने वाले तेलंगाना शताब्दी समारोह में व्यस्त है। उन्होंने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी नीतिगत निर्णय लेने में सक्षम नहीं हैं और उन्होंने कहा कि वह कुछ कर दिखाने की उत्सुकता के साथ प्रशासन चला रहे हैं। आज भाजपा के तेलंगाना राज्य कार्यालय में पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य सरकार कई गलतफहमियों के साथ लोगों की भावनाओं को भड़काने की कोशिश कर रही है, यह दावा करते हुए कि चारमीनार और काकतीय कला टावरों जैसे ऐतिहासिक प्रतीकों को तेलंगाना के आधिकारिक प्रतीक से हटा दिया जाएगा। यदि राज्य सरकार आधिकारिक प्रतीक बदलना चाहती है, तो उसे एक समिति बनानी होगी, दिशानिर्देश तैयार करने होंगे और राज्य के बुद्धिजीवियों, कवियों, कलाकारों और कार्यकर्ताओं से परामर्श करने के बाद सभी की मंजूरी से निर्णय लेना होगा। रेवंत रेड्डी अपने एकतरफा फैसले को लीक करके और अपने समर्थकों के जरिए लोगों के बीच कई तरह की गलतफहमियां पैदा करने की कोशिश कर रहे हैं। यह सही तरीका नहीं है। उन्होंने आरोप लगाया कि चारमीनार आक्रमणकारियों द्वारा बनाई गई एक संरचना थी और कहा कि काकतीय कला एक प्रतीक थी जो काकतीय साम्राज्य की महिमा को दर्शाती है जबकि यह ध्यान में रखते हुए कि यह स्वदेशी राजाओं द्वारा बनाई गई संरचना है। हम चेतावनी देते हैं कि राज्य सरकार का रवैया, जो काकतीय कलातोरनम प्रतीक को हटाने की कोशिश कर रहा है, सही नहीं है। तेलंगाना आंदोलन में कवियों और कलाकारों का संघर्ष बहुत महत्वपूर्ण है।

कवियों और कलाकारों से परामर्श किए बिना और लोगों की राय जाने बिना तेलंगाना राज्य गीत में कोई भी बदलाव करना सही नहीं है। ऐसा क्यों है कि जो बदलाव किए गए हैं, उन्हें सार्वजनिक नहीं किया गया है? रेवंत रेड्डी को तेलंगाना आंदोलन के इतिहास के बारे में पता नहीं था। उन्होंने कभी तेलंगाना आंदोलन में भाग नहीं लिया। उन्होंने पूछा कि बीआरएस के 10 साल के शासन के दौरान भी राज्य गान की अनदेखी क्यों की गई?

### तुम्माला ने नकली बीज बेचने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई के निर्देश दिए

हैदराबाद, 30 मई (स्वतंत्र वार्ता)। कृषि मंत्री तुम्माला नागेश्वर राव ने जिला कलेक्टरों और पुलिस अधिकारियों को नकली बीज बेचने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने का निर्देश दिया है, जो किसानों पर प्रतिकूल प्रभाव डाल रहे हैं। मंत्री ने गुरुवार को यहां सचिवालय में कपास के बीजों की उपलब्धता और अन्य बीजों के वितरण पर राज्य स्तरीय अधिकारियों के साथ समीक्षा की। बैठक के दौरान अधिकारियों को यह सुनिश्चित करने की सलाह दी गई कि बीजों की आपूर्ति में कोई खामी न हो। उन्होंने बताया कि जिलों को पर्याप्त मात्रा में उर्वरक और बीज की आपूर्ति की जा रही है और बीज की आपूर्ति में किसी भी त्रुटि के बिना किसानों को उन्हें उपलब्ध कराना कलेक्टरों की जिम्मेदारी है। मंत्री ने कहा कि कलेक्टरों और संबंधित अधिकारियों को व्यापक रूप से दौरा करना चाहिए और क्षेत्र स्तर पर निरीक्षण करना चाहिए।

## तेलंगाना राज्य दशक समारोह भव्य तरीके से आयोजित होगा : सीएम

हैदराबाद, 30 मई (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने घोषणा की है कि तेलंगाना राज्य दशक समारोह भव्य तरीके से आयोजित किया जाएगा। इस बार सुबह और शाम दोनों समय भव्य समारोह की व्यवस्था की गई थी। 2 जून को सुबह 9.30 बजे गन पार्क में मुख्यमंत्री अमरा वीरुला स्तूपम में तेलंगाना राज्य के लिए शहीद हुए लोगों को श्रद्धांजलि देंगे।

मुख्यमंत्री सुबह 10 बजे परेड ग्राउंड में राष्ट्रीय ध्वज फहराएंगे। पुलिस बलों की परेड, मार्च फास्ट और सलामी होगी, तेलंगाना राज्य के आधिकारिक गान का अनावरण किया जाएगा। बाद में श्रीमती सोनिया गांधी का भाषण और मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी का संबोधन होगा। पुलिस कर्मियों और सर्वश्रेष्ठ टुकड़ियों को पुरस्कार दिए जाएंगे। पुरस्कार प्राप्तकर्ताओं के साथ फोटो सत्र के बाद कार्यक्रम समाप्त होगा। 2 जून की शाम को टैंकबंड पर तेलंगाना उद्भव समारोह शुरू होगा। टैंकबंड पर तेलंगाना से संबंधित हस्तशिल्प, विशेष उत्पाद और विभिन्न प्रकार के भोजन के स्टॉल लगाए जा रहे हैं। शाम 6.30 बजे मुख्यमंत्री टैंकबंड पहुंचेंगे और वहां लगे विभिन्न स्टालों का अवलोकन करेंगे। इसके बाद, एक कार्निवल का आयोजन किया जाएगा जो तेलंगाना कला रूपों के अद्भुत प्रदर्शन को प्रतिबिंबित करेगा। इसमें करीब 700 कलाकार हिस्सा लेंगे।

इसके बाद टैंकबंड द्वारा बनाए गए मंच पर 70 मिनट तक विभिन्न सांस्कृतिक नृत्य प्रस्तुतियां होंगी। स्टेज शो के बाद अंत से अंतिम सप्ताह तक राष्ट्रीय ध्वजों के साथ टैंकबंड पर एक विशाल फ्लैग वॉक आयोजित की जाएगी। इसमें करीब 5 हजार लोग शामिल होंगे। इस फ्लैग वॉक के दौरान जया जयहे तेलंगाना फुल वर्जन (13.30 मिनट) गाना रिलीज किया जाएगा। उसी मंच पर तेलंगाना के कवि अंदेश्री, संगीत निर्देशक एम.एम. कीरावनी को सम्मानित किया जाएगा।

## सरकार का उद्देश्य महिला समूहों का आर्थिक सशक्तिकरण : संदीप सुल्तानिया

### प्रोजेक्ट के माध्यम से बेहतर प्रशिक्षण उपलब्ध कराया जायेगा

हैदराबाद, 30 मई (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य पंचायत राज एवं ग्रामीण विकास विभाग के प्रधान सचिव संदीप कुमार सुल्तानिया ने कहा कि सरकार महिला समूहों के आर्थिक सशक्तिकरण के लिए प्रतिबद्ध है और महिला समूहों को बेहतर प्रशिक्षण उपलब्ध करा रही है। श्री सुल्तानिया ने गुरुवार को आत्मकुरु एस मंडल में महिला स्वशक्ति कुट्टू केंद्र जिलाधिकारी एस. वेंकटराव, अपर कलेक्टर सी.एच. प्रियंका के साथ दौरा किया। इस अवसर पर आयोजित बैठक में उन्होंने कहा कि सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाले प्रत्येक छात्र-छात्रा को एक समान पोशाक उपलब्ध कराने के उद्देश्य से राज्य में 70 लाख जोड़ी कपड़े सिलने की जिम्मेदारी महिला संघों को सौंपी गयी है। सूर्यापेट जिले का दौरा करने पर बताया गया कि वे सभी जिलों में महिला स्वशक्ति कुट्टू केंद्रों के माध्यम से 45 दिनों में बहुत जिम्मेदारी से गुणवत्तापूर्ण कपड़े तैयार कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि पहले कपड़े निजी कंपनियों को दे दिये जाते थे। उन्होंने कहा कि एसोसिएशन के तत्वावधान में सिलाई केंद्रों में प्रत्येक महिला को प्रतिदिन 7 जोड़ी सिलाई उपलब्ध करायी जाती है। उन्होंने कहा कि महिलाएं सभी क्षेत्रों में आगे बढ़ेंगी तो सरकार का भविष्य अच्छा होगा। उन्होंने कहा कि अम्मा आदर्श स्कूल में महिला समितियां पहले ही ले ली गई हैं और जल्द ही महिला नीति भी ले ली जाएगी। कहा कि जिलाधिकारी के निर्देशन में मंडल में कटिंग मशीन उपलब्ध करायी जायेगी और आगे से महिला समूहों को हर कार्य में सहयोग दिया जायेगा। उन्होंने कहा कि हैदराबाद जैसे शहरों में महिलाओं को बेहतर ट्रेनिंग दी जाती है और रेडीमेड कपड़े उपलब्ध कराये जाते हैं। इस अवसर पर महिलाओं की प्रगति को देखते हुए जिले में 74 प्रतिशत पूरा करने पर महिला एवं जिला प्रशासन को बधाई दी गई। बाद में जिलाधिकारी ने बताया कि सरकार के लक्ष्य के अनुरूप जिले के 23 मंडलों के 783 सरकारी विद्यालयों के 43245 छात्र-छात्राओं के लिए 31940 छात्र-छात्राओं की पोशाक 62 क्षेत्रों में 721 महिला संगठनों के सदस्यों द्वारा तैयार की गयी है तथा शेष निर्धारित समय के अंदर कपड़े उपलब्ध करा दिये जायेंगे। उन्होंने कहा कि महिला समूहों को उनकी आय के साधन बढ़ाने के लिए हर साल बेहतर प्रशिक्षण दिया जाएगा और बिना किसी समझौता के गुणवत्तापूर्ण कपड़े उपलब्ध कराए जाएंगे।

### वीएच ने पीएम मोदी के 'भगवान द्वारा भेजे गए' बयान का मजाक उड़ाया

हैदराबाद, 30 मई (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्व सांसद वी हनुमंत राव ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की उस बात को बकवास करार दिया है, जिसमें उन्होंने हाल ही में दावा किया था कि वह जैविक नहीं हैं, बल्कि 'भगवान द्वारा भेजे गए' हैं। गुरुवार को गांधी भवन में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कांग्रेस नेता ने कहा कि भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा का यह बयान भी हास्यास्पद है कि नरेंद्र मोदी लोकसभा चुनाव के लिए चुनाव प्रचार समाप्त होने के बाद तमिलनाडु के कन्याकुमारी जिले में स्थित प्रसिद्ध विवेकानंद रॉक मेमोरियल का दौरा करेंगे और एक दिन का ध्यान करेंगे। उन्होंने कहा, 10 साल से सत्ता में रहे नरेंद्र मोदी ने किसानों और बेरोजगारों के लिए कुछ नहीं किया। उन्होंने सभी वर्गों के लोगों को धोखा दिया है और मोदी ने पिछले दस सालों में जो कुछ किया है, वह देश में कहने को कुछ नहीं है। वी हनुमंत राव ने विश्वास जताया है कि लोकसभा चुनाव में भारतीय गठबंधन विजयी होगा और इस बार केंद्र में सरकार बनाएगा। उन्होंने आगे कहा कि कांग्रेस पार्टी के नेतृत्व वाली भारतीय जनता पार्टी की गठबंधन सरकार के सत्ता में आने के बाद पूरे देश में जाति जनगणना कराई जाएगी।

## फोन टैपिंग मामले और अन्य घोटालों पर भाजपा जल्द ही गृह मंत्री से मुलाकात करेगी : प्रभाकर

नई दिल्ली/हैदराबाद, 30 मई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना प्रदेश भाजपा उपाध्यक्ष और पूर्व विधायक एनवीएसएस प्रभाकर राव ने कहा कि भाजपा जल्द ही गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात करेगी और पूर्व सीएम के चंद्रशेखर राव के नेतृत्व वाली बीआरएस सरकार के दौरान फोन टैपिंग मामले पर एक विस्तृत रिपोर्ट सौंपेगी क्योंकि राज्य में हर दिन गंभीर खुलासे हो रहे हैं। वरिष्ठ नेता ने आरोप लगाया कि बीआरएस सरकार के शासन के दौरान राजनीतिक लाभ के लिए न्यायाधीशों, राजनेताओं, रियल एस्टेट कारोबारियों और टॉलीवुड के लोगों के फोन टैप किए गए थे। यहां तक कि पूर्व सीएम केसीआर अपने ही वरिष्ठ मंत्री टी हरीश राव के फोन टैपिंग में लिप्त रहे हैं और पूर्व सीएम ने अपनी पार्टी के भीतर असंतुष्ट समूह को नियंत्रित करने के लिए जांच एजेंसियों और पुलिस का भी इस्तेमाल किया है। कालेश्वरम घोटाले और फोन टैपिंग मामले की सीबीआई जांच के पार्टी के रुख को दोहराते हुए प्रभाकर ने रेवंत रेड्डी सरकार के नागरिक आपूर्ति विभाग के नवीनतम घोटाले को सीबीआई जांच में शामिल करने की मांग की। उन्होंने बीआरएस सरकार के दौरान और सीएम रेवंत रेड्डी के नेतृत्व वाली कांग्रेस पार्टी के राज्य की सत्ता संभालने के बाद सामने आए घोटालों की सीबीआई या मौजूदा न्यायाधीश से जांच कराने की मांग की। रेवंत रेड्डी सरकार के छह महीने के शासन के दौरान आपूर्ति विभाग के एक ताजा घोटाले का जिक्र करते हुए उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस सरकार के सत्ता में आने के बाद हर हफ्ते एक नया घोटाला सामने आ रहा है। राज्य में धान की खरीद, धान खरीद में टेंडर बुलाने और धान के अवैध भंडारण में बड़े पैमाने पर अनियमितताएं हुई हैं, जिससे धान खरीद की स्थिति को ठीक से न संभाल पाने के कारण हजारों किसानों और सैकड़ों मिल मालिकों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

प्रभाकर ने सवाल किया कि मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी पूर्व सीएम के चंद्रशेखर राव के खिलाफ कालेश्वरम और फोन टैपिंग मामलों में उनकी सरकार की संलिप्तता के लिए कार्रवाई क्यों नहीं कर रहे हैं, जिसमें राजनेताओं और नौकरशाहों से जुड़ी गंभीर जटिलताएं हैं। उन्होंने कहा कि कार्रवाई करने में कांग्रेस सरकार की विफलता यह दर्शाती है कि सत्तारूढ़ पार्टी और बीआरएस के बीच सांठगांठ थी। उन्होंने कहा कि भाजपा जल्द ही गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात करेगी और कालेश्वरम, फोन टैपिंग और राज्य नागरिक आपूर्ति विभाग में घोटाले के तीन प्रमुख मुद्दों पर एक रिपोर्ट सौंपेगी।

मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी द्वारा दस साल में होने वाले तेलंगाना स्थापना दिवस में सोनिया गांधी को आमंत्रित करने पर सवाल उठाते हुए, प्रभाकर ने तत्कालीन प्रधानमंत्री को आमंत्रित किए बिना तेलंगाना स्थापना दिवस के आधिकारिक समारोह में कांग्रेस पार्टी के नेता को आमंत्रित करने पर कड़ी आपत्ति जताई। क्या यह एक आधिकारिक समारोह है या एक राजनीतिक पार्टी का समारोह है, भाजपा नेता ने सवाल किया और कहा कि तेलंगाना राज्य का गठन अलग तेलंगाना के लिए छात्रों सहित 1200 लोगों के बलिदान के बाद हुआ था, न कि केवल कांग्रेस पार्टी के। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के मुख्यमंत्री को राज्य स्थापना दिवस की व्यवस्था करने से पहले राजनीतिक दलों के साथ चर्चा करनी चाहिए थी।

### सड़क दुर्घटना में व्यवसायी की मौत

हैदराबाद, 30 मई (स्वतंत्र वार्ता)। दिल दहला देने वाली घटना में, हैदराबाद में गुरुवार को सड़क दुर्घटना में मारे गए अपने पिता के शव के पास एक बच्चा रोता हुआ देखा गया। आंध्र प्रदेश के मूल निवासी और अब्दुल्लापुरमेट के निवासी कनक प्रसाद (37) अपने दो साल के बेटे के साथ दूध का पैकेट खरीदने के लिए बाइक से जा रहे थे, तभी एक डीसीएम वैन ने उन्हें टक्कर मार दी। अब्दुल्लापुरमेट के इंस्पेक्टर बी अंजी रेड्डी ने कहा, प्रसाद सड़क पर गिर गया और उसके सिर में गंभीर चोट लग गई। उसकी मौके पर ही मौत हो गई, जबकि उसके बेटे को मामूली चोटें आईं। दुर्घटना में घायल हुए बच्चे की स्थानीय लोगों और पुलिस ने मदद की, जब तक कि उसकी मां मौके पर नहीं पहुंच गई। बाद में लड़के को अस्पताल ले जाया गया।

## डीसीए के अधिकारियों ने प्रागनापुर में 'मेटनूरोन-ओडी टैबलेट' जब्त की

### गलत तरीके से बेची जा रही है श्री तुलसी ड्रॉप्स, आइसोटिन आई ड्रॉप्स

हैदराबाद, 30 मई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के औषधि नियंत्रण प्रशासन ने सिद्दीपेट जिले के गजवेल मंडल के प्रागनापुर गांव में 'मेटनूरोन-ओडी टैबलेट' जब्त की, जिन्हें 'खाद्य उत्पादों और न्यूट्रास्युटिकल्स' की आड़ में गलत तरीके से निर्मित और बेचा जा रहा था। अलग-अलग घटनाओं में, डीसीए ने भ्रामक विज्ञापनों के कारण कुछ दवाएं जब्त कीं। वे हैं: महर्षि आयुर्वेद ग्लूकोमैप, एक आयुर्वेदिक दवा, जो 'मधुमेह' के इलाज का दावा करती है, अश्वगंधारिष्ट सुप्रीम, एक आयुर्वेदिक दवा, जो 'तंत्रिका दुर्बलता' के इलाज का दावा करती है, श्री तुलसी ड्रॉप्स, एक आयुर्वेदिक दवा, जो 'बुखार' के इलाज का दावा करती है, आइसोटिन आई ड्रॉप्स, एक आयुर्वेदिक दवा, जो 'आंखों के विकारों' के इलाज का दावा करती है। 29 और 30 मई को की गई छापेमारी के दौरान, डीसीए अधिकारियों ने 'खाद्य उत्पादों/न्यूट्रास्युटिकल्स' की आड़ में गलत तरीके से निर्मित और बेची जाने वाली दवाओं का पता लगाया। सिद्दीपेट ज़ोन के डीसीए अधिकारियों ने बाजार में घूम रहे उत्पाद 'मेटन्यूरॉन-ओडी टैबलेट' का पता लगाया है। उत्पाद में कैल्शियम कार्बोनेट 500एमजी, अल्फा लिपोइक एसिड 200एमजी, बेनफ़ोटियामाइन 150एमजी, इनोसिटोल 100एमजी, क्रोमियम पिकोलिनेट 200एमसीजी, पाइरिडोक्सिन एचसीआई 3एमजी, फोलिक एसिड 1.5एमजी, विटामिन डी3 1000आईयू, मिथाइलकोबालामिन 1500एमसीजी होने का दावा किया गया है। इन गोलियों को 'खाद्य लाइसेंस (एफएसएसएआई लाइसेंस)' के तहत गलत तरीके से निर्मित किया गया था और खाद्य उत्पाद/न्यूट्रास्युटिकल होने का झूठा दावा किया गया था। ये गोलियां मेडिकेंट न्यूट्रिएंट्स, प्लॉट नंबर 635, फेज-2, औद्योगिक क्षेत्र, बरही-131101, हरियाणा में अवैध रूप से निर्मित पाई गईं और इन्हें सिरीमेड (सैनस बायोटेक का एक प्रभाग) सैनस बायोटेक प्राइवेट लिमिटेड, हैदराबाद द्वारा खाद्य उत्पाद/न्यूट्रास्युटिकल के रूप में बेचा जा रहा था। उत्पाद के लेबल दावे के अनुसार, इसे औषधि और प्रसाधन सामग्री अधिनियम के अनुसार 'दवा' के रूप में वर्गीकृत किया गया है। उत्पाद 'मेटन्यूरॉन-ओडी टैबलेट' को केवल औषधि और प्रसाधन सामग्री अधिनियम के तहत जारी 'ड्रग लाइसेंस' के तहत निर्मित किया जाना चाहिए, जो औषधि नियमों की अनुसूची-एम में उल्लिखित 'गुड मैन्युफैक्चरिंग प्रैक्टिस' (जीएमपी) का सख्ती से पालन करता हो। इसके अतिरिक्त, इसे 'भारतीय फार्माकोपिया' (आईपी) में निर्धारित गुणवत्ता मानकों को पूरा करना चाहिए। प्रगनापुर में एक मेडिकल शॉप पर छापेमारी करने वाले अधिकारियों में सिद्दीपेट के सहायक निदेशक डॉ.जे. राजू और सिद्दीपेट के औषधि निरीक्षक एस. विनय सुषमी शामिल थे। छापेमारी के दौरान विश्लेषण के लिए नमूने उठाए गए। 'खाद्य लाइसेंस' के तहत निर्मित 'दवाओं' के ऐसे ही मामले पहले नवंबर 2023 और जनवरी 2024 में डीसीए द्वारा पकड़े गए थे, जिन्हें हैदराबाद की औषधि नियंत्रण प्रयोगशाला द्वारा 'नकली' घोषित किया गया था, क्योंकि उक्त उत्पादों में सक्रिय घटक की मात्रा 'शून्य' (यानी, शून्य दवा) पाई गई थी। खाद्य लाइसेंस के तहत गलत तरीके से निर्मित और बेची जाने वाली दवाएं 'गुड मैन्युफैक्चरिंग प्रैक्टिस' (जीएमपी) के अनुसार निर्मित नहीं होती हैं और अक्सर भारतीय फार्माकोपिया (आईपी) में निर्धारित गुणवत्ता मानकों को पूरा करने में विफल रहती हैं। ऐसे उत्पाद रोगियों के स्वास्थ्य के लिए गंभीर जोखिम पैदा करते हैं और इसके गंभीर परिणाम हो सकते हैं। वैध 'ड्रग लाइसेंस' के बिना 'दवाओं' का निर्माण और बिक्री करना ड्रग्स एंड कॉस्मेटिक्स एक्ट के तहत दंडनीय है, जिसमें पांच साल तक की कैद हो सकती है।

**दक्षिण मध्य रेलवे**

हमें @SCRailwayIndia पर फॉलो करें. द.म. रेलवे की निविदा सूचनाओं के विवरणों को हमारी वेबसाइट : www.scr.indianrailways.gov.in पर देखा जा सकता है

**सी/सी/210/एचएएलटी/2024**
**दि.28.05.2024**

PUB/0517

भारत के राष्ट्रपति की ओर से, वरिष्ठ संभागीय वाणिज्यिक प्रबंधक, सिकंदराबाद डिवीजन, दक्षिण मध्य रेलवे द्वारा पांच वर्ष की अवधि के लिए निम्न हाल्ट स्टेशनों पर कमीशन आधार पर टिकेट्स जारी करने के लिए हाल्ट एजेन्ट कान्ट्राक्टर्स या ठेकेदारों की नियुक्ति हेतु केवल स्थानीय निवासियों से आवेदन आमंत्रित किए जाते हैं।

| क्रम सं. | हाल्ट स्टेशन | स्टेशन कोड | सर्विन्ग स्टेशन |
|---|---|---|---|
| 1 | फेरोजगुडा हाल्ट | एफजेडजीएच | सनतनगर |
| 2 | सुचित्रा सेन्टर हाल्ट | एसएसीएच | अम्मुगुडा |
| 3 | भुदेवीनगर हाल्ट | बीडीएनएच | अम्मुगुडा |
| 4 | मौलाली एचबी कालोनी हाल्ट | एमएसीएच | अम्मुगुडा |
| 5 | नेरेडमेट हाल्ट | एनडीएमएच | अम्मुगुडा |

**वेबसाइट:**www.scr.indianrailways.gov.in से तत्संबंधित आवेदन पत्र, योग्यता मापदण्ड तथा अन्य जानकारी डाउनलोड कर सकते हैं।
आवेदन प्रस्तुति की अंतिम तिथि 25.06.2024 के 15.00 बजे तक है। खोलने की तिथि . **25.06.2024 के 15.30 बजे तक**
तत्संबंधित आवेदन पत्र को, एकनालेजमेन्ट ड्यू सहित रजिस्टर्ड पोस्ट द्वारा या मुहरबन्द आवेदनों को, वरिष्ठ संभागीय वाणिज्यिक प्रबंधक, सिकंदराबाद डिवीजन, पहली मंजिल, संचालन भवन, सिकंदराबाद-500071 के कार्यालय में, **दि.25.06.2024 के 15.00** बजे तक या इसके पहले, प्रस्तुत/व्यक्तिगत रूप में जमा कर सकते हैं। यदि उक्त अंतिम तिथि को सरकारी अवकाश रहता है तो, इसका अगला कार्यदिन अंतिम तिथि होगा। तथापि, रेल प्रशासन के पास, कोई भी कारण न देते हुए किसी भी या सभी आवेदनों को अस्वीकार करने का, पूरा अधिकार सुरक्षित रहेगा। इस मामले में तत्संबंधित का निर्णय ही अंतिम होगा।
अधिक जानकारी के लिए, कृपया अधोहस्ताक्षरी कार्यालय पर किसी भी कार्य दिन पर, संपर्क कर सकते हैं।

**ए0661 वरिष्ठ संभागीय वाणिज्यिक प्रबंधक, सिकंदराबाद**

## मेरठ जिले के एक घर में निकले 40 सांप, इलाके में मचा हड़कंप

मेरठ, 30 मई (एजेंसियां)। सरस्वती लोक कालोनी में स्थित एक घर में तीन दिन में सांप के 40 बच्चे निकलने से लोगों को होश उड़ गए। बुधवार को इसकी सूचना लोगों ने वन विभाग की टीम को दी। डीएफओ और वन्य जीव विशेषज्ञों ने इसके पहले सांपों की प्रजाति को परखा तो पाया कि यह पानी वाले सांप हैं, जिसके बाद कालोनी वासियों ने राहत की सांस ली। सरस्वती लोक के मकान नंबर सी-220 में जगजीत सिंह पत्नी प्रीति व बच्चों के साथ रहते है। जगजीत सिंह इस समय शहर से बाहर गए हुए है। घर पर उनकी पत्नी व बच्चे हैं। सोमवार को उनके घर के प्रथम तल पर कोबरा सांप के छोटे-छोटे कई बच्चे दिखाई दिए। उन्होंने बच्चों को उठाकर बाहर फेंक दिया। मंगलवार व बुधवार को भी सांप के बच्चे निकले तो परिवार के लोगों के होश उड़ गए। प्रीति ने मामले की जानकारी पड़ोसियों को दी। सूचना वन विभाग को दी, जिसके बाद वन विभाग की एसडीओ अंशु चावला व उनकी टीम मौके पर पहुंची। जिस जगह सांप के बच्चे मिले वह शौचालय के पास है। वन विभाग के दरोगा विशंभर सिंह के नेतृत्व में सांप के बच्चों को रेस्क्यू किया गया।

## नोएडा की हाईराइज सोसाइटी में एसी फटने से लगी भीषण आग

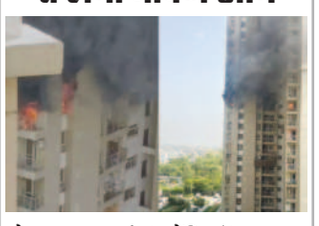

नोएडा, 30 मई (एजेंसियां)। उच्चर भारत के विभिन्न राज्यों जैसे दिल्ली एनसीआर, यूपी, बिहार आदि में गर्मी से हाल बेहाल है। भीषण गर्मी के कारण देश के विभिन्न हिस्सों से हादसे की खबरें लगातार सामने आ रही हैं। ऐसा ही हादसे का दिल दहला देने वाला वीडियो उत्तर प्रदेश के नोएडा से आया है। जानकारी के मुताबिक, यहां सेक्टर 100 की एक हाईराइज सोसाइटी में एसी फटने से फ्लैट में भीषण आग लग गई है। ये आग नोएडा के सेक्टर 100 मे मौजूद लोटस ब्लूबर्ड सोसाइटी के फ्लैट में लगी है। जानकारी के मुताबिक, एसी मे ब्लास्ट होने से पूरा फ्लैट आग की चपेट मे आ गया है। आग लगने के बाद आसपास के फ़्लैट्स में रहने वाले लोग अपना फ्लैट छोड़कर ग्राउंड में आ गये हैं। लोटस ब्लूबर्ड सोसाइटी के फ्लैट में लगी आग के कारण सभी लोगों में डर का माहौल है। आग को बुझाने के लिए प्रशासन ने भी तेजी से कार्रवाई की है। फायर ऑफिसर के मुताबिक, पांच फायर टेंडर मौके पर आग बुझाने के लिए भेजे गए हैं। फ्लैट में आग लगने के वीडियो वायरल हो रहा है।

## 'दोनों बेटे बिहार का बिगेस्ट मॉल बनवा रहे थे', सम्राट चौधरी लालू परिवार की संपत्ति पर बहुत कुछ कह गए

पटना, 30 मई (एजेंसियां)। बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष और बिहार के उप मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने राजद अध्यक्ष लालू यादव पर जोरदार हमला बोला। उन्होंने कहा कि लालू यादव से बड़ा कोई लुटेरा नहीं है। उनकी पूरी राजनीति भ्रष्टाचार के इर्द-गिर्द ही घूमती रही है। अपने सगे-संबंधियों तक को टिकट देने और अन्य लाभ पहुंचाने के एवज में उन्होंने जमीन ली है। उन्होंने कहा कि प्राइवेट लिमिटेड की तर्ज पर पार्टी चलाने वाले लालू यादव ने चुनावों में टिकट बेचकर कई सौ करोड़ वसूले हैं। यूपीए-1 में रेल मंत्री बनने के बाद उन्होंने रेलवे के दो होटलों को लीज पर देने के बदले पटना के सगुना मोड़ के पास कोचर बंधुओं से साढ़े तीन एकड़ जमीन हथिया ली, जहां उनके दोनों बेटे बिहार का 'बिगेस्ट मॉल' बनवा रहे थे। सम्राट चौधरी ने कहा कि लालू यादव ने रेलवे में नौकरी देने के लिए गरीबी रेखा के नीचे रहने वाले हृदयानंद चौधरी और ललन चौधरी से पत्नी, बेटे और बेटियों के नाम पर जमीन लिखवा ली।

# लाखों का दहेज देने में आर्थिक स्रोतों की जांच क्यों नहीं

## हाई कोर्ट ने पूछा सवाल, इस कुप्रथा के खिलाफ अभियान चलाने का दिया निर्देश

प्रयागराज, 30 मई (एजेंसियां)। इलाहाबाद हाई कोर्ट ने कहा है कि जब दहेज लेना व देना दोनों अपराध है और आयकर विभाग दो लाख से अधिक नकद देने को अवैध मानता है तो केवल लाखों का दहेज मांगने संबंधी बयान पर आर्थिक स्रोतों की जांच बगैर पुलिस परिवार के खिलाफ चार्जशीट कैसे दाखिल कर रही है। किसी अवैध कमाई को दहेज में देने के आरोप पर उसकी वसूली कैसे की जा सकती है। इस टिप्पणी के साथ कोर्ट ने सरकार को दहेज प्रतिषेध कानून के उपबंधों को कड़ाई से लागू करने का आदेश देते हुए कहा है कि जिला प्रतिषेध अधिकारी को दहेज के आरोपों की जांच कर अभियोजन की संस्तुति करने या अभियोजित करने दिया जाए। दोनों पक्ष शादी के समय वर-वधू को मिले उपहारों की सूची एक माह में दहेज निषेध अधिकारी को सौंपे।

न्यायमूर्ति विक्रम डी चौहान ने अंकित सिंह व तीन अन्य की याचिका पर यह आदेश दिया है। अगली सुनवाई 16 जुलाई को होगी। कोर्ट ने सरकार को मीडिया, टीवी, एनजीओ की सहायता से दहेज के खिलाफ जागरूकता अभियान चलाने का निर्देश दिया है और कहा है कि दहेज के खिलाफ होर्डिंग्स लगाई जाए तथा दहेज विरोधी कैंपेन चलाया जाए। कोर्ट ने मुख्य दहेज प्रतिषेध अधिकारी से हलफनामा मांगा है कि पिछले दो वर्ष में जिला दहेज प्रतिषेध अधिकारी के समक्ष कितनी शिकायतें आई और कितनों का अभियोजन किया गया।

नकद दहेज के आरोप पर देने वाले की आर्थिक स्थिति की जांच की गई या नहीं। कोर्ट ने विवाह पंजीकरण के समय उपहारों की सूची की अनिवार्यता संबंधी सरकारी कदम की सराहना की है। कोर्ट ने कहा है कि उपहारों की सूची सौंपने संबंधी कानून का कड़ाई से सरकार पालन कराए। कोर्ट ने सीएमएम कानपुर नगर के समक्ष याची के विरूद्ध चल रहे मुकदमे पर रोक लगा दी है।

निदेशक (महिला कल्याण) ने हलफनामा दाखिल कर बताया कि जिला प्रोबेशन अधिकारी को ही जिला दहेज प्रतिषेध अधिकारी नामित किया गया है। धारा 8बी में स्पष्ट है कि विवाह के एक महीने के अंदर वर-वधू को मिले उपहारों की सूची दहेज प्रतिषेध अधिकारी को सौंपी जाएगी। इसे सुरक्षित रखा जाएगा और एक रजिस्टर रखा जाएगा। अधिकारी पर कानूनी उपबंधों के पालन की जिम्मेदारी होगी।

कोर्ट ने कहा दहेज के आरोप के केस बढ़ रहे हैं और किसी में उपहारों की सूची का उल्लेख नहीं किया जा रहा है जबकि कानून में वर वधू पक्ष के हस्ताक्षर से उपहारों की सूची देना बाध्यकारी है। कोर्ट ने आईजी (पंजीकरण) के बिना उपहार सूची विवाह पंजीकृत न करने के निर्देश को स्वागत योग्य कदम बताया। इसके साथ ही कहा कि इससे झूठे दहेज के केसों में कमी आएगी। कोर्ट को बताया गया कि सभी सरकारी विभागों को निर्देश दिया जा रहा है कि सभी सरकारी सेवक अपनी शादी में उपहारों की सूची देंगे। निदेशक (महिला कल्याण) ने 26 नवंबर को दहेज निषेध दिवस के रूप में मनाए जाने का आदेश जारी किया है। दहेज प्रतिषेध अधिकारी को दहेज के खिलाफ जागरूकता अभियान चलाने की जिम्मेदारी सौंपी गई है। कोर्ट ने कहा कि दहेज विरोधी कानून बने 62 वर्ष बीत गए, अभी भी उसका पूरी तरह पालन नहीं किया जा रहा है।

### इस्लामिक कानून में अदालत को बच्चों के संरक्षक की नियुक्ति का अधिकार

इलाहाबाद हाई कोर्ट ने कहा है कि इस्लामिक कानून तो मां को बच्चों की अभिरक्षक मानता है। जब भी ऐसे मामले अदालत में आए तो बच्चे के कल्याण को ध्यान में रखते हुए अदालत अपने कर्तव्यों का पालन करें। इस टिप्पणी के साथ कोर्ट ने बच्चे की अभिरक्षा मां को सौंपे जाने का आदेश दिया है। न्यायमूर्ति डा। योगेंद्र कुमार श्रीवास्तव ने प्रयागराज के आर्या खान व अन्य की बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका निस्तारित करते हुए यह आदेश दिया है। मां ने अपने ढाई वर्ष के बच्चे के लिए बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका दाखिल की थी। उसका कहना था कि पति बाहर रहता है। भविष्य में उसके आने की संभावना नहीं है। उसके बच्चे को सास ने जबरन अपने पास रखा है। मां बच्चे की नैसर्गिक संरक्षक है, बच्चा उसे दिलाया जाए। कोर्ट ने कहा कि इस्लामिक कानून में सात वर्ष की आयु तक बेटे व यौनावस्था तक बेटी की अभिरक्षा की हकदार उसकी मां है। विपक्षी गण को बच्चे से समय समय पर मुलाकात करने की छूट कोर्ट ने दी है।

## विप्रो के चेयरमैन अजीम प्रेमजी के खिलाफ मुकदमा खारिज

### श्रम कानून के कथित उल्लंघन के मामले में मिली राहत

लखनऊ, 30 मई (एजेंसियां)। इलाहाबाद हाई कोर्ट की लखनऊ खंडपीठ ने विप्रो लिमिटेड कंपनी के चेयरमैन एवं मैनेजिंग डायरेक्टर अजीम प्रेमजी के खिलाफ आपराधिक मुकदमा खारिज कर दिया। श्रम कानून के कथित उल्लंघन के केस में कोर्ट ने कहा कि मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट लखनऊ ने इस मामले में प्रेमजी को तलब करने और उनके खिलाफ वारंट जारी करने में अपने विवेक का प्रयोग नहीं किया। न्यायमूर्ति शमीम अहमद की एकल पीठ ने प्रेमजी की ओर से सीआरपीसी की धारा 482 के तहत दाखिल अर्जी को मंजूर करते हुए यह आदेश पारित किया। इस मामले में सुनवाई पूरी करके कोर्ट ने 13 मई को आदेश सुरक्षित कर लिया था, जिसे बुधवार को सुनाया। कोर्ट ने कहा कि मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट ने परिवादी की ओर से पेश सुबूतों व अन्य दस्तावेजों का ठीक प्रकार से परीक्षण नहीं किया, जिससे उनके खिलाफ प्रथम दृष्टया कोई केस नहीं बनता है।

**प्रेमजी के अधिवक्ता ने क्या कहा?**

प्रेमजी के अधिवक्ता करुणानिधि यादव का तर्क था कि विप्रो ने एक सर्विस प्रोवाइडर कंपनी मेसर्स जी फॉर जी सिक्योर साल्यूसन्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड से मैन पावर सप्लाई करने का समझौता किया था। समझौते में साफ था कि काम करने वाले न तो विप्रो के एजेंट होंगे और न ही उसके कर्मचारी ही कहलाएंगे। यह भी तय था कि उनका भुगतान भी सर्विस प्रोवाइडर कंपनी ही देगी। यह भी कहा गया कि कि प्रेमजी का लखनऊ के विप्रो के लोकल ऑफिस से प्रतिदिन के कामकाज से कोई लेना देना नहीं है।

## हाईवे के ओवरब्रिज पर टूरिस्ट बस और डीसीएम में जोरदार भिड़ंत एक की मौत, 25 यात्री घायल

प्रयागराज, 30 मई (एजेंसियां)। हंडिया थाना क्षेत्र के तिलकपुर गांव के सामने नेशनल हाईवे के ओवर ब्रिज पर बृहस्पतिवार को तड़के तीन बजे टूरिस्ट बस और डीसीएम की हुई आमने सामने भिड़ंत में बस में सवार एक यात्री की मौत हो गई, जबकि 25 से अधिक यात्री घायल हो गए। हादसे में दोनों वाहनों के परखचे उड़ गए। सूचना पाकर पहुंची पुलिस ने घायलों को तत्काल पास से सीएचसी हंडिया में भर्ती कराया। मृतक का शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। हंडिया और बरौत के बीच हाईवे पर बने ओवर ब्रिज के ज्वाइंट में गड़बड़ी आ जाने के कारण आवागमन वन वे कर दिया गया है। इसके कारण आए दिन हादसे हो रहे हैं। जब से ब्रिज का निर्माण हुआ है तब से किसी न किसी ब्रिज की मरम्मत चल ही रही है। इसकी वजह से एक लेन से ही दोनों तरफ की गाड़ियां गुजरती हैं। इसके चलते इस इलाके में हादसे होना सामान्य बात हो गई है।

# लक्ष्मण टीला केस में सुन्नी वक्फ बोर्ड को झटका

## कोर्ट ने खारिज कीं आपत्तियां

लखनऊ, 30 मई (एजेंसियां)। लक्ष्मण टीला विवाद को लेकर सुन्नी वक्फ बोर्ड की आपत्तियों को सिविल जज जूनियर डिवीजन अभिषेक गुप्ता ने खारिज कर दिया। अधिवक्ता नृपेंद्र पांडेय व अन्य ने लक्ष्मण टीला में पूजा-अर्चना करने की मांग की थी। इस संबंध में उन्होंने यूनियन ऑफ इंडिया, राज्य सरकार व टीले वाली मस्जिद के मुतव्वली, इमाम समेत सात के खिलाफ वाद दायर किया था।

नृपेंद्र पांडेय का कहना है कि लक्ष्मण मंदिर को तोड़कर टीले वाली मस्जिद बनाई गई थी। मुकदमे के बाद सुन्नी सेंट्रल बोर्ड ने आपत्ति दाखिल कर बताया कि उक्त संपत्ति 21 जनवरी 1975 से वक्फ बोर्ड के अभिलेखों में दर्ज है। पीर मोहम्मद के नाम से टीले वाली मस्जिद जानी जाती है। संपत्ति पर वक्फ बोर्ड का मालिकाना हक तय करने का क्षेत्राधिकार वक्फ न्यायाधिकरण में निहित है। वाद सिविल कोर्ट मे पोषणीय नहीं है। जज अभिषेक गुप्ता ने वक्फ बोर्ड की आपत्तियों को खारिज करते हुए कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने भी अपनी न्याय व्यवस्थाओं में कहा है कि ऐसे विवादों के निस्तारण का क्षेत्राधिकार सिविल कोर्ट को प्राप्त है। अगली सुनवाई 11 जुलाई को होगी।

## प्रियंका गांधी के बयान पर गिरिराज सिंह का पलटवार

### कहा- खुद धर्म के आधार पर कर्नाटक में मुसलमानों को आरक्षण दे रहे और हिंदुओं की नौकरी छीन रहे हैं

पटना, 30 मई (एजेंसियां)। अखिल भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की महासचिव एवं वरिष्ठ कांग्रेस नेत्री प्रियंका गांधी के 'बीजेपी के धर्म के नाम पर देश को बांटने' वाले बयान पर केंद्रीय मंत्री और बेगूसराय लोकसभा सीट से भाजपा उम्मीदवार गिरिराज सिंह ने पलटवार किया है। उन्होंने कहा कि धर्म के आधार पर कर्नाटक में मुसलमानों को आरक्षण दे रहे हैं, हिंदुओं की नौकरी छीन रहे हैं और कहते हैं कि बीजेपी धर्म के नाम पर ये सब कर रही है ये किसको मूर्ख बना रहे हैं? 'राहुल गांधी को हरी मिर्च और लाल मिर्च का भी ज्ञान नहीं' राहुल गांधी के बयान पर गिरिराज सिंह ने कहा कि राहुल गांधी एक ऐसे व्यक्ति हैं जिन्हें भारत की दशा और दिशा का ज्ञान नहीं है। उन्हें हरी मिर्च और लाल मिर्च का भी ज्ञान नहीं है। क्योंकि उन्होंने देश को देखा ही नहीं है। जिस व्यक्ति को इतना ज्ञान न हो और वे देश पर आख्यान दे रहा हो तो इससे बड़ी मूर्खता और कुछ नहीं होगी। बता दें कि प्रियंका गांधी ने कहा था कि पिछले 10 वर्षों में धर्म, क्षेत्र और संप्रदाय के नाम पर भाजपा ने देश की जनता को बांटने का काम किया है। सत्ता के लिए धनबल का इस्तेमाल हो रहा है। उन्होंने मोदी सरकार पर निशाना साधते हुए कहा था कि भाजपा ने सरकारी कर्मचारियों की पैंशन बंद कर दी और देश के किसानों व बागवानों के साथ विश्वासघात किया। कांग्रेस नेत्री ने कहा कि बीजेपी ने चंदे के नाम पर हजारों करोड़ बना डाले हैं।

## सपा की बागी विधायक पूजा पाल के खिलाफ एफआईआर

प्रयागराज, 30 मई (एजेंसियां)। समाजवादी पार्टी की बागी विधायक पूजा पाल समेत 9 लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है। उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में शिकायत दर्ज की गई है। पूजा पाल समेत 9 लोगों पर जमीन कब्जाने का आरोप है। कोर्ट के आदेश के बाद वादी उमेश सिंह की तहरीर पर एफआईआर दर्ज की गई है। उमेश सिंह प्रॉपर्टी डीलर हैं। वहीं, पूजा पाल चायल से विधायक हैं। वह इससे पहले इलाहाबाद की शहर पश्चिमी सीट से भी दो बार विधायक रह चुकी हैं। पूजा पाल के साथ ही उनके भाई राहुल पाल के खिलाफ प्रयागराज के एयरपोर्ट थाने में एफआईआर दर्ज हुई है। आईपीसी की धारा 447 – 506 और 427 के तहत केस हुआ है। उमेश का आरोप है कि समाजवादी पार्टी की विधायक पूजा पाल, उनके भाई राहुल पाल और उसके सहयोगियों ने पीपल गांव के मौजा शाह स्थित उनकी जमीन पर कब्जा कर लिया और अवैध तरीके से उसकी प्लाटिंग की गई। इस मामले में शिकायत किए जाने के बावजूद कोई कार्रवाई नहीं हुई। शिकायतकर्ता उमेश सिंह का आरोप है कि एतराज जताए जाने पर आरोपियों ने उसे अंजाम भुगतने की धमकी दी और साथ ही मारपीट की कोशिश भी की गई। इस पर उन्होंने जिला अदालत में केस दाखिल किया। कोर्ट के आदेश पर अब समाजवादी पार्टी की विधायक पूजा पाल समेत 9 लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है।

**कौन हैं पूजा पाल?**

पूजा पाल पूर्व विधायक राजू पाल की पत्नी हैं। राजू पाल की जनवरी 2005 में हत्या कर दी गई थी। पूजा पाल ने राज्यसभा चुनाव में सपा के खिलाफ वोट किया था। उन्होंने तब कहा था कि मैंने अपनी अंतरात्मा की आवाज पर वोट दिया। पूजा पाल के मुताबिक, मेरे विधायक पति की सरेआम हत्या कर दी गई। मैंने उन्हें न्याय दिलाने के लिए वर्षों तक इंतजार किया। सीएम योगी ने माफिया का अंत करके मुझे न्याय दिलाया है। पूजा पाल की शादी 16 जनवरी 2005 को बसपा विधायक राजू पाल से हुई थी। शादी के नौ दिन बाद ही वह विधवा हो गई थीं। दरअसल, अतीक अहमद के गुर्गों ने राजू पाल को सरेआम गोलियों से भूनकर मौत के घाट उतार दिया था। राजू पाल की मौत के बाद से ही वह उनकी राजनीतिक विरासत संभालने के साथ-साथ अतीक गैंग से लोहा लेते आ रही हैं।

## पीएम मोदी की साधना पर प्रमोद कृष्णम बोले- नरेन्द्र मोदी का वहां जाना आध्यात्मिकी चेतना का विषय

गाजियाबाद, 30 मई (एजेंसियां)। भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के पूर्व नेता आचार्य प्रमोद कृष्णम ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कन्याकुमारी जाने पर प्रतिक्रिया दी है। गाजियाबाद में प्रमोद कृष्णम ने कहा कि 2024 का चुनाव में दो लोगों के बीच है। एक वह लोग हैं जो धर्म के साथ हैं। एक ओर ऐसे लोग है जो धर्म को मिटाना चाहते हैं। नरेंद्र मोदी का वहां जाना आध्यात्मिकी चेतना का विषय है। सोशल मीडिया साइट एक्स पर प्रमोद कृष्णम ने लिखा- साधु की "साधना" आध्यात्मिक चेतना और "आस्था" का विषय है, मगर ये बात उनकी "समझ" में नहीं आयेगी जिनकी आस्था "वैटिकन" में है।

## 'मैं तो वहां था ही नहीं 'फॉर्च्यूनर से एक्सीडेंट मामले में करण भूषण सिंह ने दी पहली प्रतिक्रिया

गोंडा, 30 मई (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश स्थित गोंडा में कैसरगंज से भारतीय जनता पार्टी के प्रत्याशी करण भूषण सिंह के काफिले से हुए एक्सीडेंट पर उन्होंने पहली प्रतिक्रिया दी है। कर्नलगंज कोतवाली क्षेत्र में फॉर्च्यूनर गाड़ी से हुई हादसा के मामले में कैसरगंज लोकसभा सीट से भाजपा प्रत्याशी कारण भूषण सिंह ने मीडिया से बात की। उन्होंने कहा कि जो घटना हुई उसे परिवार के सामने पूरी संवेदना है। वो बच्चे नहीं रहे। करण भूषण ने कहा कि वो लोग मेरे पिताजी के संसदीय क्षेत्र से हैं। मेरे पिताजी के समर्थक भी हैं। बहुत दुखद घटना है। कल की घटना में जिस गाड़ी से एक्सीडेंट हुआ उसे काफिले का बताया जा रहा है। कोई काफिला नहीं था। 4 गाड़ियां थीं। मैं प्रोग्राम में बहराइच जा रहा था। कर्नलगंज क्रॉसिंग के पास हम लोग निकल कर जा रहे थे। चार पांच किलो मीटर के बाद फोन आता है कि एक्सीडेंट हो गया है। जैसे हमको पता लगा हमने अपनी गाड़ी भेजी। बच्चे घायल थे। हमने उन्हें गाड़ी से हास्पिटल भिजवाया। हमसे जुड़े हुए लोग मिट्टी तक परिवार के साथ रहे। यह बहुत दुखद घटना है।

**'मैं मौके पर नहीं था'**

उन्होंने कहा कि एक महिला रोड क्रॉस कर रही एक्सीडेंट हो चुका है। बच्चे डिस्बैलेंस होकर दूसरी तरफ गिर गए। जैसे ही वो गिरी अचानक गाड़ी दुर्घटना हो गई। यह सच्चाई है कि मैं मौके पर नहीं था। जब हमको जानकारी हुई उस समय मैं अपने प्रोग्राम में पहुंच चुका था। वहां से अपनी गाड़ी भेजी। यह बात आप वहां पता सकते हैं। नवाबगंज में नगर पालिका चेयरमैन को मैंने गाड़ी के साथ वहां भेजा। बीजेपी नेता ने दावा किया कि लोगों ने घायलों को अस्पताल पहुंचाया। यह बहुत दुखद घटना है। मैं परिवार के साथ हमेशा खड़ा रहूंगा। मेरे तरफ से जो हो पाएगा वो करूंगा। पुलिस ने अपना काम किया। हादसे वाली गाड़ी को अपने कब्जे में ले लिया मुकदमा लिखा है।

## 'चुनाव हराने वालों की हो जाती थी हत्या', भाजपा के लिए प्रचार कर रहे धनंजय सिंह ने क्यों कही ये बात?

गाजीपुर, 30 मई (एजेंसियां)। भाजपा लोकसभा बलिया के प्रत्याशी नीरज शेखर के समर्थन में जौनपुर के पूर्व सांसद धनंजय सिंह ने नगर में मतदाताओं से संपर्क व नुक्कड़ सभा के माध्यम से मतदान करने का आह्वान किया। धनंजय सिंह ने अकटहिया में आयोजित बैठक में कार्यकर्ताओं को संबोधित करते कहा कि एक समय ऐसा था कि वर्ष 2004 के लोकसभा चुनाव में यहां जमकर खून खराबा हुआ और गोलियां चली। उस चुनाव में कई लोगों को गोलियां लगी और कई लोगों की जान गई, लेकिन आपकी मेहनत और संघर्ष का परिणाम रहा कि वर्ष 2014 में आपने भाजपा का सांसद चुना और केंद्र में मोदी जी की सरकार बनी और धीरे-धीरे यह सरकार अत्याचार के खिलाफ लड़ते-लड़ते आज यहां से अत्याचार और दुराचार को समाप्त किया। कहा कि आप समाज के हित के लिए अपने संघर्ष को बनाए रखिए। लोकतंत्र में चुनाव लड़ना जीतना और हारना एक प्रक्रिया है। लोकतंत्र में इसलिए किसी की हत्या कर दी जाए कि वह चुनाव जीत गया। धनंजय सिंह ने कहा कि हम लोग भी चुनाव लड़ते हैं, जीतते हैं, हारते हैं लेकिन एक दूसरे से मिलकर बधाई भी देते हैं।

## ममता और केसीआर को मनाने की जिम्मेदारी संभालेंगे अखिलेश नतीजों से पहले इंडिया गठबंधन की बेहद अहम बैठक

लखनऊ, 30 मई (एजेंसियां)। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव विपक्षी गठबंधन इंडिया की एक जून को दिल्ली में होने वाली बैठक में शामिल होंगे। इस बैठक में विपक्षी नेता आगे की रणनीति तैयार करेंगे। सूत्रों के अनुसार ममता बनर्जी और केसीआर को मनाने की कमान सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव संभाल सकते हैं। गठबंधन के नेताओं को पूरा भरोसा है कि वे केंद्र में सरकार बनाने की स्थिति में होंगे। उन्हें तृणमूल कांग्रेस और बीआरएस का साथ मिलने की भी पूरी उम्मीद है। इंडिया के रणनीतिकारों का मानना है कि यूपी में गठबंधन को उनकी उम्मीद से अधिक मतदाताओं का समर्थन मिला है। उनका दावा यहां

35 से ज्यादा सीटें जीतने का है। जो भाजपा कभी हमें मंदिर-धर्म की अपनी पिच पर बोलने को मजबूर करती थी, आज वही पार्टी संविधान, आरक्षण और बेरोजगारी सरीखे हमारे मुद्दों पर लगातार सफाई देने को मजबूर है। विपक्षी गठबंधन इसे अपनी रणनीतिक सफलता मान रहा है। यही वजह है कि दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल के दो जून को जेल जाने से पहले गठबंधन की दिल्ली में बैठक बुलाई गई है। सपा सूत्रों के मुताबिक यह बैठक बेहद अहम है, इसलिए इसमें अखिलेश यादव खुद शामिल होंगे। इसमें समान विचार वाले दलों- तृणमूल कांग्रेस और तेलंगाना की भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) को चुनाव बाद साथ लाने पर भी विचार-विमर्श होगा। तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ममता बनर्जी और बीआरएस प्रमुख के चंद्रशेखर राव (केसीआर) से सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव के बेहतर रिश्ते जगजाहिर हैं। सपा प्रमुख ने तेलंगाना के विधानसभा चुनाव में बीआरएस के लिए अपना प्रचार रथ भेजा था। यहां बता दें कि केसीआर ने लोकसभा चुनाव बसपा के साथ मिलकर लड़ा है। सपा ने गठबंधन में शामिल नहीं होने के बावजूद तृणमूल कांग्रेस को यूपी की भदोही लोकसभा सीट दी है।

# ज्येष्ठ मास में क्या करें, क्या नहीं

**एक वक्त खाना खाने से अच्छी रहती है सेहत, मान्यता – तिल और जल दान से मिलता है महापुण्य**

24 मई से ज्येष्ठ महीना शुरू हो गया है। जो कि 22 जून को पूर्णिमा के साथ खत्म होगा। ग्रंथों के अनुसार इस महीने के आखिरी दिन तीर्थ स्नान के साथ तिल और जल दान के साथ ही एक समय भोजन करना चाहिए।

इस महीने में पड़ने वाले व्रत और त्योहारों के अनुसार जल और पेड़ पौधों की पूजा भी करनी चाहिए। ऋषि-मुनियों ने पर्यावरण की रक्षा को देखते हुए इस महीने के व्रत त्योहारों की व्यवस्था की गई थी।

**कैसे पड़ा इस महीने का नाम ज्येष्ठ**

हिंदू कैलेंडर के मुताबिक ये साल का तीसरा महीना होता है। इसका स्वामी मंगल होता है। इसके आखिरी दिन पूर्णिमा तिथि के साथ ज्येष्ठा नक्षत्र का संयोग बनता है, इसलिए इस महीने को ज्येष्ठ कहते हैं। प्राचीन काल गणना के मुताबिक इस महीने में दिन बड़े होते हैं और इसे अन्य महीनों से बड़ा माना गया है। जिसे संस्कृत में ज्येष्ठ कहा जाता है। इसलिए इसका नाम ज्येष्ठ हुआ।

**ज्येष्ठ माह में क्या करें और क्या नहीं?**

1. ग्रंथों के अनुसार इस महीने में दिन में सोने की मनाही है। शारीरिक परेशानी या अन्य समस्या हो तो एक मुहूर्त तक यानी करीब 48 मिनिट तक सो सकते हैं।
2. सूर्योदय से पहले स्नान और पूरे महीने जल दान करना चाहिए। इसके साथ ही इस महीने जल व्यर्थ करने से वरुण दोष लगता है इसलिए फालतू पानी बहाने से बचना चाहिए।
3. इस महीने में बैंगन नहीं खाया जाता। इससे संतान को कष्ट मिलता है। आयुर्वेद के अनुसार इससे शरीर में वात रोग और गर्मी बढ़ती है, इसलिए पूरे महीने बैंगन खाने से बचना चाहिए।
4. महाभारत के अनुशासन पर्व में लिखा है कि जो ज्येष्ठ महीने में एक समय भोजन करता है। वो धनवान और निरोग होता है। इसलिए हो सके तो इन दिनों में एक बार खाना खाएं।
5. इस महीने में तिल का दान करना बहुत ही फलदायी माना गया है। ऐसा करने से भगवान विष्णु प्रसन्न होते हैं और सेहत भी अच्छी रहती है।
6. ज्येष्ठ महीने का स्वामी मंगल है, इसलिए इन दिनों में हनुमान जी की पूजा का भी बहुत महत्व है। इस महीने हनुमान जी की पूजा करने से हर तरह की परेशानियां दूर हो जाती हैं।

# हिमाचल का प्रसिद्ध शिकारी देवी मंदिर

देवभूमि हिमाचल पर स्थित शिकारी देवी मां का मंदिर काफी प्रसिद्ध और चमत्कारी मंदिर माना जाता है। ये मंदिर सराज घाटी पर स्थित है और बताया जाता है कि सर्दियों के मौसम में यहां 6-7 फीट तक बर्फ गिरती है। लेकिन यह भारी बर्फ माता के मंदिर की मूर्तियों पर नहीं टिक पाती है। आपको जानकर आश्चर्य होगा कि इस मंदिर की छत नहीं है। देवी मां यहां खुले आसमान के नीचे विराजमान हैं। इसके अलावा मान्यता है कि जो भी व्यक्ति इन मंदिर में देवी मां से मुराद मांगता है, उसकी हर इच्छा पूरी होती है। इसका बड़ा उदहारण लोकसभा चुनाव में देखने को मिल रहा है। इस मंदिर में विक्रमादित्य सिंह मत्था टेकने पहुंचे।

***कई बार की गई छत डालने की कोशिश***

यहां रहने वाले लोगों का कहना है कि मंदिर की छत को कई बार डालने की कोशिश की गई, लेकिन माता की आज्ञा नहीं मिली। कहा जाता है कि यहां माता रानी खुले आसमान के नीचे रहना पसंद करती हैं। छत डालकर मंदिर के भीतर रहना पसंद नहीं करतीं।

बता दें कि शिकारी देवी मंदिर की मूर्तियां दीवारों पर ही स्थापित हैं और पत्थरों की एक मचान पर प्रतिमाएं स्थापित हैं। यहां नवरात्रि के दौरान भक्तों का सैलाब उमड़ता है। मंदिर में माता की नवदुर्गा मूर्ति, चामुंडा, कमरूनाग और परशुराम की मूर्तियां हैं।

***मार्कंडेय ऋषि ने की थी तपस्या***

लोगों का कहना है कि यहां मार्कंडेय ऋषि ने सालों तक देवी मां की तपस्या की थी। उनकी इसी तपस्या से खुश होकर माता रानी यहां शक्ति रूप में विराजमान हुईं। इसके बाद पांडवों ने यहां अज्ञातवास के दौरान मंदिर का निर्माण करवाया था और इसी मंदिर में मां दुर्गा ने पांडवों को कौरवों के खिलाफ युद्ध जीतने का आशीर्वाद दिया था।

# पीपल के पेड से प्रकट हुए महादेव

**अचानक बेला गांव में दिखा कुछ ऐसा कि शोर मचाकर गांववालों को लगाई आवाज, सौ साल पुरानी है घटना**

मधुबनी जिला स्थित बाबुमढी प्रखंड के बेला गांव स्थित मुनीनाथ मंदिर की कहानी बहुत ही चमत्कारिक है। स्थानीय लोगों ने बताया कि शिवलिंग पीपल फाड़कर वर्षों पहले यहां निकला था। स्थानीय लोग इस बात का आकलन करने में असमर्थ रहे हैं कि यह घटना कब की है।

बिहार में कई ऐसे मंदिर है, जिसकी कहानी काफी रहस्यमयी और चमत्कारी है। इन्ही मंदिरों में से मधुबनी में स्थित मुनीनाथ महादेव मंदिर है। वर्षों पहले इस स्थान पर पीपल के पेड़ के बीच से महादेव की प्रतिमा निकली थी। स्थानीय लोगों की मानें, तो यह एक चमत्कार ही था। यह कहानी पिछले 100 सालों से भी ज्यादा समय से प्रचलित है।

स्थानीय लोगों की मानें, तो पिछले कई वर्षों से लोग इस स्थल पर पूजा अर्चना करने आते हैं। पूजा अर्चना के लिए यहां काफी भीड़ उमड़ती है, जो यहां के प्रति लोगों की आस्था दिखाती है।

यहां के शिव प्रतिमा की खोज गांव के ही एक कृषक ने की थी। कहा जाता है कि 100 साल पहले शिव की प्रतिमा यहां पीपल का पेड़ चीरकर प्रकट हुई थी। फिर गांव के एक किसान इसी रास्ते से खेती करने जा रहा था, उसी दौरान उनकी नजर पड़ी और उन्होंने ग्रामीणों को शोर मचा कर बुला लिया।

कहा जाता है कि शुरुआती समय से अब तक पत्थर की यह प्रतिमा बड़ी हो चुकी है। उसका आकार दिन प्रतिदिन बढ़ता जा रहा है। यहां रोज हजारों की संख्या में लोग पहुंचते हैं और शिव की प्रतिमा पर जलार्पित करते हैं।

मन्नत पूरी होने पर लोग यहां घंटी बांधते हैं। स्थानीय लोग बताते हैं कि यहां हजारों की संख्या में घंटी बंधी हुई है, जो इस बात का प्रमाण देती है कि शिव की इस प्रतिमा की पूजा अर्चना उनके आस्था के प्रति अद्वत्य प्रेम है। यहां रविवार और सोमवार के दिन श्रद्धालुओं की संख्या बढ़ जाती है। रविवार के दिन यहां भव्य मेले का भी आयोजन किया जाता है।

# हिमाचल की भुवनेश्वरी माता राजस्थान आकर बन गयीं कुल्लू देवी

राजस्थान के जयपुर ग्रामीण में कुल्लू माता का मंदिर है। कुल्लू हिमाचल प्रदेश का शहर है जो राजस्थान से सैकड़ों किलोमीटर दूर है। कुल्लू माता मंदिर की कहानी बेहद रोचक है। कहते हैं हिमाचल की स्थानीय देवी भुवनेश्वरी माता ने किशनगढ़ रेनवाल में रहने वाले एक भक्त के सपने में आकर खुद अपना नाम कुल्लू शहर के नाम पर रखा।

स्थानीय लोगों से मिली जानकारी के अनुसार भुवनेश्वरी धाम से रेनवाल का नथुआ राम माता की भव्य मूर्ति लेकर यहां आया था।

लोग बताते हैं नथुआ राम रोजी-रोटी की तलाश में हिमाचल प्रदेश के कुल्लू गए थे। वहां छोटा-मोटा काम कर बड़ी मुश्किल से घर का गुजारा चला पा रहा था। जब जीवन को परेशानियों में घिरता पाया तो नथुआ ने कुल्लू पहाड़ियों में स्थित भुवनेश्वरी माता को अपनी ईष्ट देवी मानते हुए उनकी पूजा अर्चना शुरू कर दी। धीरे-धीरे भुवनेश्वरी माता के भक्त नथुआ राम की आर्थिक स्थिति मजबूत होने लगी और उन्होंने हिमाचल प्रदेश में ही कपड़े की दुकान शुरू की।

**माता ने भक्त को दिए दर्शन**

कहते हैं कई साल बाद भुवनेश्वरी माता ने अपने प्रिय भक्त नथुआ के सपने में आकर कहा "मैं तुम्हारे घर राजस्थान चलना चाहती हूं"। भक्त ने भुवनेश्वरी माता के आग्रह को तुरंत स्वीकार कर लिया और उन्हें राजस्थान ले जाने का वचन दिया। माता को हिमाचल से राजस्थान लाना आसान नहीं था। कई साल ऐसे गुज़र गए एक दिन अचानक नथुआ की दुकान में आग लग गई। सारा सामान जलकर राख हो गया। उसके बाद नथुआ को माता को दिया वचन याद आया। उन्होंने ये बात अपनी पत्नी को बताई और 2006 में चार गाड़ियों में माता रानी का श्रंगार वस्त्र और अन्य सामान भरकर मूर्ति को रथ में विराजमान कर राजस्थान ले आए।

**जीण माता मंदिर में मां भुवनेश्वरी का अभिषेक**

हिमाचल की देवी भुवनेश्वरी माता को राजस्थान के प्रसिद्ध शक्तिपीठ जीण माता मंदिर लाया गया। यहां पवित्र जल से अभिषेक किया गया। मंदिर के पुजारी ने माता की पूजा अर्चना की। यहां नथुआ राम ने रात्रि जागरण किया और फिर माता की मूर्ति रथ में विराजमान कर अपने घर रेनवाल ले आए।

**भुवनेश्वरी माता ने कहा -"मैं कुल्लू माता हूं"**

वर्षों तक माता अपने भक्त नथुआ राम के घर की छत पर विराजमान रही। 2023 में माता की मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा हुई। संत हीरापुरी महाराज और बड़ा मंदिर महंत जुगल किशोर शरण के सानिध्य में माता का प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम हुआ। कहते हैं माता भुवनेश्वरी की तीन दिन पूजा करने के बाद भक्त नथुआ राम को फिर माता ने स्वप्न में दर्शन दिए और कहा रेनवाल धाम में मेरी पूजा \"कुल्लू माता\" के रूप में होगी। उसके बाद से लेकर आज तक शक्ति स्वरूप के रूप में भक्त कुल्लू माता की पूजा कर रहे हैं।

**भक्ति का केंद्र कुल्लू माता मन्दिर**

जयपुर ग्रामीण के अंतिम छोर पर स्थित कुल्लू माता मन्दिर आस्था का केंद्र बन गया है। रोजाना भक्त मंदिर में आकर माता के दर्शन करते हैं और अपनी मनोकामना मांगते हैं। इसके अलावा नथुआ राम खुद मंदिर में कुल्लू माता की पूजा अर्चना करते हैं। माता के राजस्थान आगमन के दिवस पर हर साल मंदिर परिसर में विशाल कार्यक्रम होता है जिसमें हजारों भक्त शामिल होते हैं।

# नक्षत्र के हिसाब से रखें अपने बच्चों का नाम

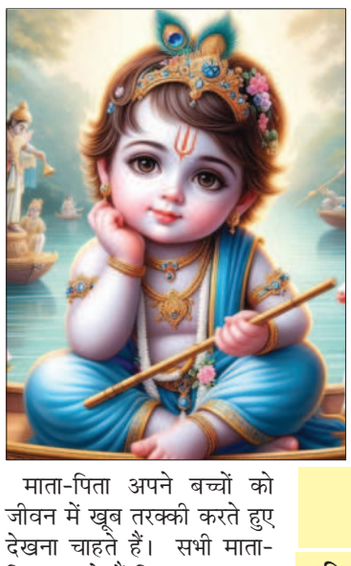

ज्योतिष या पंडित द्वारा ग्रह-नक्षत्र और राशि के आधार पर जो अक्षर निकाले जाते हैं उन्हीं पर बच्चों का नाम रखना शुभ माना जाता है। बच्चों का नाम हमेशा ऐसा होना चाहिए जिसका कोई ना कोई अर्थ हो क्योंकि इसका प्रभाव उसके व्यक्तित्व पर पड़ता है। साथ ही इस बात का ध्यान रखें बच्चे का कोई उटपटांग नाम न रखें। नाम ऐसा होना चाहिए कि जिसे पुकारने में आसानी हो। जिसके लिए उनके द्वारा नक्षत्रों के साथ अक्षरों की सूची दी गई जिसमें नामकरण से पहले जाकर देखे की उनके नक्षत्र में कौन सा अक्षर है सम और विषम संख्या को ध्यान में रक्खे और फिर उस आधार पर अपने बच्चें का नामकरण करे यह उनके लिए शुभ होगा और जीवन में वह बहुत तरक्की करेंगे।

माता-पिता अपने बच्चों को जीवन में खूब तरक्की करते हुए देखना चाहते हैं। सभी माता-पिता चाहते हैं कि उनका बच्चा बचपन से ही अच्छे संस्कारों को ग्रहण करें और आगे चलकर उनके परिवार का नाम रोशन करें और एक बेहतरीन इंसान बने। लगभग हर माता-पिता की यही चाहत होती है लेकिन आजकल लोग ट्रेंड और सबसे अलग दिखने के चक्कर में अपने हिसाब से बच्चों के तरह-तरह के नाम रखते हैं। लेकिन ज्योतिष शास्त्र के अनुसार बच्चे के जन्म के बाद तारीख और समय के अनुसार उसकी कुंडली बनती है। ऐसे में

## नक्षत्र और उनके अक्षरों की सूची

**अश्विनि नक्षत्रः- चू, चे, चो, ला, भरणी नक्षत्रः- ला, ली, लू, ले, लो**
**कृतिका नक्षत्रः- आ,ई, ऊ, ए, रोहिणी नक्षत्रः- ओ, वा, वी, वू**
**मृगशिरा नक्षत्रः- वे, वो,का, की, आर्द्रा नक्षत्रः- कू, घ, ङ, छ**
**पुनर्वसु नक्षत्रः- के, को, हा, ही, पुष्य नक्षत्रः- हू, हे, हो, डा**
**अश्लेषा नक्षत्रः- डी, डू, डे, डो, मघा नक्षत्रः- मा, मी, मू, मे**
**पूर्वाफाल्गुनी नक्षत्रः- मो, टा, टी, टू,**
**उत्तराफाल्गुनी नक्षत्रः- टे,टो,पा,पी,**
**हस्त नक्षत्रः- पू, ष, ण, ठ, चित्रा नक्षत्रः- पे,पो, रा,री**
**चित्रा नक्षत्रः- पे,पो, रा,री, स्वाती नक्षत्रः- रू, रे, रो, ता**
**विशाखा नक्षत्रः- ती, तू, ते, तो, अनुराधा नक्षत्रः- ना, नी, नू, ने**
**ज्येष्ठा नक्षत्रः- नो, या, यी, यू, मूल नक्षत्रः- ये, यो, भा, भी**
**पूर्वाषाढ़ा नक्षत्रः- भू, धा, फा, ढा, उत्तराषाढ़ा नक्षत्रः- भे,भो, जा, जी**
**श्रवण नक्षत्रः- खी, खू, खे, खो, धनिष्ठा नक्षत्रः- गा, गी, गू, गे**
**शतभिषा नक्षत्रः- गो, सा, सी, सू, पूर्वाभाद्रपद नक्षत्रः- से, सो, दा, दी**
**उत्तराभाद्रपद नक्षत्रः- दू, थ, झ, ण, रेवती नक्षत्रः- दे, दो, चा, ची**

# चंद्रमा और शुक्र की मजबूती के लिए पहनें चांदी का छल्ला

चांदी का छल्ला पहनने से सिर्फ आपके हाथों की खूबसूरती ही नहीं बढ़ती है बल्कि इसके कई धार्मिक और आध्यात्मिक महत्व भी हैं। चांदी का छल्ला पहनने से चंद्र और शुक्र ग्रह मजबूत होता है। इतना ही नहीं, अन्य कमजोर ग्रहों को मजबूत करने के लिए भी चांदी का छल्ला लाभकारी माना गया है। ये ही कारण है कि कई लोग चांदी का छल्ला धारण करते हैं। चांदी की अंगूठी को पहनने के कई फायदे और नियम होते हैं।

**चांदी छल्ला पहनने के फायदे**

**स्वास्थ्य लाभ**

सेहत के लिए चांदी को धारण करना शुभ माना गया है। चांदी एक शीतल धातु है जिससे शरीर का तापमान कंट्रोल में रहता है। गर्मियों में होने वाली परेशानियों से चांदी का छल्ला छुटकारा दिलवाने में मददगार हो सकता है। इसमें पाए जाने वाले एंटी-बैक्टीरियल गुण संक्रमण के खतरे को भी कम में मददगार साबित होते हैं।

**धार्मिक लाभ**

कई धर्म में चांदी को काफी पवित्र धातुओं में से एक माना जाता है। हिन्दू धर्म में चांदी का छल्ला पहनना मां देवी को प्रसन्न करने और कामकाज में आत्मविश्वास बढ़ाने के लिए लाभकारी माना जाता है। ईसाई धर्म में चांदी एक ऐसा धातु है जो शुद्धता का प्रतीक होता है।

**ज्योतिषीय लाभ**

ज्योतिष शास्त्रों में भी चांदी को ग्रहों की मजबूती के लिए लाभकारी माना गया है। चंद्रमा और शुक्र के लिए चांदी का छल्ला लाभकारी माना जाता है। चांदी को धारण करने से मन शांत रहता है। मन के कारक चंद्रमा पर अच्छा असर पड़ने से व्यक्ति में एकाग्रता बढ़ती है। साथ ही ग्रहों की नकारात्मक ऊर्जा से मुक्ति भी मिलती है। धन में वृद्धि और कामकाज में तरक्की के लिए भी चांदी का छल्ला पहनना शुभ होता है।

**चांदी का छल्ला किस हाथ के अंगूठे में पहनें?**

ज्योतिष के अनुसार महिलाओं को चांदी का छल्ला बाएं हाथ के अंगूठे में पहनना चाहिए। जबकि, पुरुषों को दाएं हाथ के अंगूठे में चांदी का छल्ला धारण करना चाहिए। मान्यता है कि इससे सूर्य और शनि दोनों ग्रह भी मजबूत होते हैं। साथ ही भाग्य में उदय, गुस्से पर कंट्रोल, किसी एक काम में मन लगना और आत्मविश्वास में बढ़ोतरी भी होती है। चांदी के छल्ले को मध्यमा उंगली में पहनना भी शुभ माना गया है।

**किस दिन पहनना चाहिए चांदी का छल्ला?**

हिन्दू धर्म के शास्त्र के अनुसार चांदी का छल्ला पहनने का शुभ दिन सोमवार और शुक्रवार होता है। आप दोनों में से किसी भी दिन चांदी का छल्ला पहन सकते हैं। बस एक रात पहले आपको चांदी का छल्ला मंदिर में एक दूध की कटोरी में डालकर रख देना होगा। उदाहरण के लिए सोमवार को चांदी का छल्ला पहनना है तो एक रात पहले यानी रविवार की रात एक कटोरी में दूध डालें और उसमें चांदी का छल्ला डालकर मंदिर में रख दें। अलगी सुबह यानी सोमवार को स्नान आदि करने के बाद इसे गंगाजल से साफ करके धारण कर लें।

**ग्रह दोष को दूर करता है चांदी का छल्ला**

ज्योतिष के अनुसार जिन लोगों की कुंडली में ग्रह कमजोर होते हैं उनके लिए चांदी का छल्ला लाभकारी होता है। अगर आपकी कुंडली में चंद्र, शुक्र, शनि, बुध, राहु या सूर्य आदि ग्रहों का दोष है तो आप चांदी का छल्ला पहन सकते हैं।

स्वतंत्र वार्ता

शुक्रवार, 31 मई - 2024

## मौसम के साथ राजनीतिक तापमान बढ़ा

जैसे-जैसे मतगणना की तारीख नजदीक आ रही है वैसे-वैसे जहां मौसम का तापमान बढ़ रहा है तो वहीं राजनीतिक तापमान कम होने का नाम नहीं ले रहा है। दिल्ली के कुछ इलाकों में बुधवार को तापमान 52 डिग्री से ऊपर चला गया। तापमान हद से ज़्यादा हो जाने पर बादल मेहरबान हो गए और शाम को तेज आंधी के साथ झमाझम बारिश हो गई। शाम तो खुशनुमा हो गया लेकिन राजनीतिक तापमान की गरमाहट बरकरार रही। दिल्ली में जैसे ही दूसरे दिन सूरज ने दस्तक दी तो तापमान ने फिर रंग दिखाना शुरू कर दिया है। अधिक गर्मी की वजह से शरीर चिपचिपी हो गई। राजनीति में भी आजकल यही सब हो रहा है। लोकसभा चुनाव का आखिरी दौर एक जून को है। इसके पहले बयानों का तापमान आसमानी हो चुका है। खैर, तीस जून की शाम को प्रचार थमने के बाद आसमानी घोषणाएं तो कम हो गई लेकिन मौसमी गर्मी अपने पूरे शबाब पर है। चुनावी चिल्ल-पों तो शांत हो गई लेकिन मौसमी गर्मी में कोई कमी नहीं आई है। अब तो इंतजार है चार जून का जिस दिन चुनाव परिणाम की भारी बारिश होगी, तभी ठंडक पड़ेगी। राजनीतिक दलों के कलेजे में भी और आम जनता के क़यासों पर भी। मौसम की बात करें तो अब तक यही देखा गया कि यदा कदा राजस्थान के जैसलमेर और बाड़मेर के पास पाकिस्तान सीमा से सटे इलाकों में ही तापमान पचास डिग्री से ऊपर जाता था, लेकिन अब तो वही मर्ज राजधानी दिल्ली तक पहुंच चुका है। दिल्ली के भी कुछ इलाके पचास से ज़्यादा डिग्री पर तप रहे हैं। निश्चित तौर पर कहा जा सकता है कि पेड़ों को काटकर कंक्रीट के जंगल बिछाने का ही यह दुखद परिणाम है। गर्मी के मौसम में तापमान बहुत ज़्यादा हो जाता है। बरसात के दिनों में बारिश या तो बहुत दिनों तक होती नहीं या इतनी ज़्यादा हो जाती है कि बाढ़ आ जाती है। समुद्री तूफ़ानों ने भी अपनी रफ़्तार बढ़ा दी है। पर्यावरणीय नैतिकता के क्षरण के कारण यह सब हमें भुगतना पड़ रहा है। नैतिकता की कमी जिस भी क्षेत्र में आती है, इसी तरह की असमानता का सामना करना पड़ता है। आजकल की राजनीति को तो पता ही नहीं है कि नैतिकता आख़िर किस चिड़िया का नाम है। जाने कब यह चिड़िया राजनीति के वियाबान से पंख फैलाए उड़ चुकी है। लाख ढूंढने के बाद भी इसका कहीं अता-पता नहीं लग रहा है। चुनाव आते ही नेताओं की नीतियाँ, सिद्धांत और आस्था पता नहीं कहां हवाहवाई हो जाते हैं कि वे सच बोलने को तैयार ही नहीं होते। दलबदलू नेता देश की चिंता में इस दल से उसमें, उस दल से इसमें, आने-जाने लगते हैं। और आम जनता इन दल बदलुओं को ही चुनाव जिताने के सिवा कुछ कर भी नहीं सकती। नोटा का विकल्प तो है लेकिन परिणाम पर इसका असर नहीं पड़ता। जनता भी नहीं समझ पा रही है कि आखिर इन दलबदलुओं की उछलकूद से उसे क्या मिला? जो भी मिला चुने हुए नेता को मिलता है। वह मतदाताओं को सैकडों में खरीदता है तो चुने जाने के बाद करोड़ों में बिक जाता है। आखिर मतदाता को क्या मिला? सोच कर देखें तो दल बदलने में, सिवाय निजी स्वार्थ के और कुछ नज़र नहीं आता। फिर भी ये बार-बार दल बदलते फिरते हैं और ताज्जुब है कि वे बार-बार जीतते भी रहते हैं। आख़िर हम ऐसे नेताओं को वोट देते ही क्यों हैं? अब यही समझने की बारी है। समझ गए तो आपके साथ ही देश का भला हो जाएगा नहीं तो आपका भगवान ही मालिक है।

# अब पछताए होत क्या जब चिडिया चुग गई खेत



अशोक भाटिया

आम तौर पर पाकिस्तान की राजनीति भारत के जिक्र बिना नहीं चलती है। भारत के खिलाफ बयानबाज़ी वहां के नेताओं की पुरानी आदत और जरूरत भी रही है लेकिन इधर पाकिस्तान के नेता लगातार हैरान कर रहे हैं। उनमें जैसे भारत को लेकर सम्मान उमड़ आया है। वे अपनी पुरानी गलतियां मान रहे हैं। ताजा मामला पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ़ का है। पूरे 25 साल बाद उन्होंने माना कि लाहौर घोषणापत्र का उल्लंघन पाकिस्तान ने किया था। इस घोषणापत्र में दोनों देशों के बीच शांति और स्थिरता का वादा था लेकिन साल भर के भीतर पाकिस्तान ने ये वादा तोड़ दिया। वो खुद को कसूरवार मान रहे हैं।

क्या हमें मान लेना चाहिए कि पाकिस्तान के रहनुमा सुधर गए हैं। दरअसल, भारत पाकिस्तान के रिश्तों के उतार-चढ़ाव तमाम तरह के अतिरेकों से भरे रहे हैं, कभी दोनों देश ऐटमी धमाकों के साथ एक-दूसरे को चुनौती देते नजर आए तो कभी लाहौर में बर्फ पिघलाने की कोशिश की लेकिन इसके बाद करगिल के जंग जैसे हालात बन गए। अब हालत ये है कि इमरान खान भी नरेंद्र मोदी की दुहाई देते हैं और नवाज शरीफ भी वाजपेयी के समय की गलती कबूल करते हैं।

भारत के पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने लाहौर की धरती पर जब अपना दोस्ती भरा संबोधन दिया था तो वे इतिहास के बोझ से मुक्त होकर नया इतिहास लिखना चाह रहे थे। उन्होंने कहा था कि मैं अपने साथी भारतीयों की सद्भावना और आशा लेकर आया हूं जो पाकिस्तान के साथ स्थायी शांति और सौहार्द्र चाहते हैं। मुझे पता है कि यह दक्षिण एशिया के इतिहास में एक निर्णायक क्षण है और मुझे उम्मीद है कि हम चुनौती का सामना करने में सक्षम होंगे लेकिन पाकिस्तान के सियासतदां और आर्मी भारत को लेकर अपने पूर्वाग्रहों से कभी मुक्त नहीं हो पाए। वाजपेयी फरवरी की गुलाबी सर्दियों में लाहौर पहुंचे थे. इसके महज दो-तीन महीने बाद ही अप्रैल-मई में पाकिस्तान ने भारत के साथ दगा कर दिया। पाकिस्तान को इस दगाबाजी को स्वीकार करने में 25 वर्ष लग गए। मंगलवार को अपनी पार्टी PML-N की जनरल काउंसिल की बैठक में भाषण देते हुए नवाज शरीफ ने कहा कि 28 मई 1998 को पाकिस्तान ने पांच परमाणु परीक्षण किए थे। उसके बाद अटल बिहारी वाजपेयी साहब यहां आए थे .... याद है न आपको, या आपकी याद्दाश्त कमजोर है।।। और हमसे यहां वादा किया। ये अलग बात है कि हमने वादे के खिलाफ काम किया और उसमें हमारा कसूर है, इसमें हम कसूरवार हैं। नवाज शरीफ ने भारत के साथ रिश्ते सुधारने के संकेत देते हुए कहा कि ये अच्छी बात है कि उनके भाई और पाकिस्तान के मौजूदा प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ अब भारत के साथ रिश्ते सुधारने की कोशिश कर रहे हैं।

लाहौर समझौता भारत-पाकिस्तान के रिश्तों में वो लिंक था जिससे दक्षिण एशिया की राजनीति और किस्मत बदल सकती थी लेकिन पाकिस्तान की आर्मी ने इन दोनों देशों के बीच सहज और दोस्ताना रिश्तों को कभी तरजीह नहीं दी।

20 फरवरी 1999 को दिल्ली से जब सुनहरी रंग की 'सदा-ए-सरहद' (सरहद की पुकार) लग्जरी बस अटारी बॉर्डर की ओर चली तो लगा 1947 में अलग हुए दो मुल्क अपना अतीत भुला कर आगे चलने को तैयार हैं लेकिन ये भावना एकतरफा थी। पाकिस्तान आर्मी के मन में तो कुछ और चल रहा था। भारत की ओर से इस बस में न सिर्फ राजनेता बल्कि खिलाड़ी, कलाकार, गीतकार और नृत्यांगना भी शामिल थे। बस में वाजपेयी की कैबिनेट के साथियों के अलावा एक्टर देवानंद, शत्रुघ्न सिन्हा, कपिलदेव, जावेद अख्तर जैसी हस्तियां सवार थी।

लाहौर में जब वाजपेयी की ये बस पहुंची तो अभूतपूर्व दृश्य था। पाकिस्तान के तत्कालीन प्रधानमंत्री नवाज शरीफ ने कहा था कि भारत के साथ रिश्तों को सुधारने के लिए प्रतिबद्ध हैं क्योंकि 50 साल की तनाव भरे माहौल में किसी देश को कुछ हासिल नहीं हुआ है। नवाज शरीफ ने कहा था कि यदि हम अविश्वास और संदेह के दुष्चक्र में फंसे रहे तो इस क्षेत्र के लोगों को विकास में पिछड़ने का खतरा रहेगा ।

दोनों ही देशों ने बड़ी उम्मीद से 21 फरवरी 1999 को लाहौर घोषणा पत्र पर हस्ताक्षर किया। लाहौर घोषणापत्र इस बात का प्रतीक था कि दोनों ही मुल्क टिकाऊ शांति और सौहार्दपूर्ण रिश्तों के विकास और मैत्रीपूर्ण सहयोग के तैयार थे ताकि वे अपनी ऊर्जा को बेहतर भविष्य के लिए समर्पित कर सकें। इसके अलावा जम्मू-कश्मीर के मुद्दे समेत सभी मुद्दों को हल करने के प्रयासों को तेजी लाने की बात इस समझौते में कही गई थी। लाहौर घोषणापत्र में स्पष्ट रूप से लिखा था कि दोनों देश विश्वास बहाली के उपाय (CBM) करेंगे ताकि दक्षिण एशिया में सुरक्षा और विश्वास का वातावरण पैदा हो सके।

लाहौर घोषणापत्र में दोनों देश इस बात पर सहमत थे कि शांति और सुरक्षा का वातावरण दोनों पक्षों के सर्वोच्च राष्ट्रीय हित में है तथा इसके लिए जम्मू और कश्मीर सहित सभी लंबित मुद्दों का समाधान आवश्यक है। इसके लिए दोनों देश अपनी कोशिशें तेज करेंगे। इस घोषणापत्र में स्पष्ट रूप से लिखा गया था कि दोनों ही देश एक दूसरे के अंदरूनी मुद्दों में दखल नहीं देंगे। इसके अलावा दोनों देश परमाणु हथियारों से दूरी बनाए रखेंगे और परमाणु हथियारों की होड़ को सीमित करेंगे। लाहौर घोषणापत्र में भारत पाकिस्तान ने अपना ये वादा दोहराया कि दोनों ही देश आतंकवाद के सभी रुपों की निंदा करेंगे और इससे निपटने के लिए प्रतिबद्ध रहेंगे।

लाहौर घोषणापत्र की गर्मजोशी मई में कश्मीर की चोटियों पर तब आकर उड़न छू हो गई जब 1999 के मई महीने में भारत को पता चला कि करगिल की चोटियों पर पाकिस्तानी सैनिकों ने कब्जा कर लिया है। पाकिस्तान के अखबार डॉन ने स्टोरी में लिखा है कि लाहौर बस यात्रा से भारत-पाकिस्तान के बीच में जमी रिश्तों की बर्फ कुछ देर के लिए पिघल गई लेकिन नवाज को इसका राजनीतिक फायदा नहीं मिला क्योंकि पाकिस्तान का सिविल और मिलिट्री इस नीतिगत बदलाव के लिए तैयार नहीं था। डॉन के मुताबिक भारत के साथ इस अहम समझौते से पहले नवाज ने आर्मी को भी विश्वास में नहीं लिया था।

करगिल की चोटी पर पाकिस्तानी सैनिकों का कब्जा लाहौर समझौते के हैंगओवर में डूबे भारतीय सत्ता प्रतिष्ठान के लिए एक झटके जैसा था। भारत को इसको कतई उम्मीद नहीं थी। जिस लाहौर समझौते में पाकिस्तान ने भारत के साथ विश्वास बहाली का वादा किया था उसे इस लंपट देश ने कुछ ही दिनों में तोड़ दिया। पाकिस्तान ने न सिर्फ विश्वास बहाली के वादे से मुकर गया बल्कि भारत की सीमाओं के अंदर अपने सैनिक को एक खतरनाक मंशे के साथ भेज दिया। पाकिस्तान के इस दुस्साहस का जवाब देने के लिए भारत की सेना ने 18 हजार फीट की ऊंचाई ऑपरेशन विजय चलाया और उन चोटियों को पाकिस्तान के कब्जे से मुक्त कराया। हालांकि इस ऑपरेशन में भारत के सैकड़ों सैनिक बलिदान हो गए लेकिन भारत की ओर से चलाए गए ऑपरेशन में हजारों पाकिस्तानी सैनिक मारे गए।

करगिल जंग के दौरान नवाज शरीफ ही पाकिस्तान के प्रधानमंत्री थे। नवाज शरीफ से जब पाकिस्तानी सैनिकों की घुसपैठ के बारे में सवाल पूछे गए तो उन्होंने कहा कि सेना ने उन्हें इस ऑपरेशन की जानकारी ही नहीं दी हालांकि तत्कालीन आर्मी चीफ परवेज मुशर्रफ हमेशा ये कहते पाए गए कि इस ऑपरेशन की मंजूरी उन्हें सिविलियन बॉस से मिली थी। पाकिस्तान के इतिहास सेना और सरकार के बीच ये अभूतपूर्व अविश्वास और दूरी का उदाहरण था। नवाज शरीफ मंगलवार के अपने भाषण में पाकिस्तान के इसी कसूर का जिक्र कर रहे थे। करगिल लड़ाई के बाद भारत-पाकिस्तान के बीच रिश्ते की खाई इतनी चौड़ी हुई कि वो आजतक नहीं भर पाई है।

## चुनाव में मुसलमानों का एजेंडा क्या है?

गौतम चौधरी

चुनावी मौसम चल रहा है। एक जून को अंतिम चरण का चुनाव होना है। देश के कई हिस्सों में अधिकतर स्थानों पर चुनाव हो भी चुके हैं। 2024 का संसदीय आम चुनाव अपने में कई विशेषता को समेटे हुए है। ऐसे में मुसलमानों को भी अपनी चुनौतियों को लेकर चुनाव से संबंधित एजेंडा तय करना चाहिए जो पूरे चुनाव देखने को नहीं मिला। इस चुनाव में अधिकतर मुसलमान एक खास पार्टी के खिलाफ अपना एजेंडा सेट करते रहे हैं। इससे तो यही लगता है कि भारत के मुसलमान चुनाव को लेकर उतने संवेदनशील नहीं है जितने अन्य समुदाय के लोग हैं।

राजनीतिक दल चुनावी अभियानों में मतदाताओं के व्यवहार और विचार को प्रभावित करने के लिए कड़ी मेहनत कर रहे हैं। सतही तौर पर देखें तो पिछले कई अन्य चुनाव की तरह इस चुनाव में भी भारतीय राजनीति अक्सर बहुसंख्यक बनाम अल्पसंख्यक बहस से प्रभावित है। चुनाव प्रचार का रंग भी सांप्रदायिक हो रखा है। इसमें गौर करने वाली बात यह है कि नफरत से प्रेरित लोग अक्सर इन विभाजनकारी आख्यानों में फंस जाते हैं लेकिन समझदार हमेशा ऐसी खोखली बयानबाजी के पीछे की मूर्खताओं को जानते हैं। इसलिए ऐसे मौकों पर अपनी चुनौतियों का सामना करने के लिए अपना एजेंडा तय करना चाहिए न कि नाहक के बहस में अपना समय खराब करना चाहिए। राजनीतिक दलों से आश्वासन लेना और समाज की जरूरतों पर उनके साथ मोलभाव करना महत्वपूर्ण है जिसके लिए चुनाव के समय प्रभावी अभिव्यक्ति और एजेंडा निर्धारण की आवश्यकता होती है। सच तो यह है कि किसी भी लोकतांत्रिक समाज का विकास तभी संभव होता है जब वह अपने आप को जागरूकता की कसौटी पर कसता है। इसके लिए उस समाज को चुनावी प्रक्रिया में तो भाग लेना ही चाहिए साथ ही अपने समुदाय के उन्नयन के लिए वास्तविक मुद्दों पर मतदान करने का अभियान भी चलाना चाहिए। भारत के अल्पसंख्यक समुदाय के एक प्रमुख घटक मुसलमानों के लिए प्रमुख चिंताओं में से एक व्यक्तिगत और सामुदायिक दोनों स्तरों पर हाशिए पर रहने के साथ उनका पिछड़ापन है। इसे चुनाव अभियानों में एक मुद्दा बनाया जा सकता था लेकिन ऐसा होता नहीं दिख रहा है। उदाहरण के लिए, चुनावी मौसम के दौरान, मुस्लिम समुदाय उम्मीदवारों से अल्पसंख्यक समूहों की भलाई के उद्देश्य से स्पष्ट नीतियों और पहलों को स्पष्ट करने के लिए कह सकते हैं। मुस्लिम समुदाय को आर्थिक विकास और रोजगार के क्षेत्र में राजनीतिक नेताओं का समर्थन लेना चाहिए। शिक्षा और कौशल विकास, मुस्लिम समुदायों के लिए आर्थिक सशक्तिकरण के लिए महत्वपूर्ण हो सकता है। शिक्षा के लिए संसाधनों का समर्पण, जैसे छात्रवृत्ति योजनाओं का प्रभावी और न्यायसंगत कार्यान्वयन और प्रशिक्षण पहल के लिए धन का आवंटन, अल्पसंख्यक केंद्रित संस्थानों की स्थापना, नौकरियों में आरक्षण या पसमांदा के लिए आरक्षण का विस्तार मुस्लिम समुदाय और राजनीतिक दलों के बीच सौदेबाजी का मसौदा हो सकता है। इस पूरे चुनाव ये तमाम मुद्दे गौन रहे।

इससे नियोक्ताओं की आवश्यकताओं और मुस्लिम समुदायों के भीतर नौकरी चाहने वालों की क्षमताओं के बीच अंतर को पाटने में मदद मिलती है। आवश्यक योग्यता और अनुभव की कमी के कारण, कई मुसलमानों को अक्सर सुरक्षित, अच्छी तनख्वाह वाली नौकरी नहीं मिल पाती है।

इससे समुदाय के भीतर आर्थिक असुरक्षा और असमानता पैदा होती है। ऐसी नीतियों और पहलों की मांग बढ़ रही है, जो इन विसंगतियों से निपटें और मुसलमानों को नौकरी बाजार में उत्कृष्टता प्राप्त करने में मदद पहुंचा सकता है। शिक्षा और कौशल विकास में निवेश मुस्लिम समुदायों को आर्थिक सफलता और स्थिरता प्राप्त करने के लिए सशक्त बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। यह उनकी रोजगार क्षमता में सुधार करने और बेहतर आर्थिक स्थिति में ले जाने में मदद करेगा।

# महिलाओं की राजनीतिक भागीदारी

संजय सिन्हा

देखा जाए तो भारत में पिछले चुनावों में महिलाओं की राजनीतिक भागीदारी एक प्रमुख तत्व के रूप में उभरी है। कई एजेंसियों ने देश में महिलाओं के राजनीतिक जुड़ाव के विभिन्न पहलुओं जैसे सरकार में प्रतिनिधित्व, राजनीतिक नेता या सक्रिय नागरिकों के रूप में महिलाओं के साक्ष्य का पता लगाया है।डब्ल्यूईएफ (वर्ल्ड इकनॉमिक फोरम) ग्लोबल जेंडर गैप रिपोर्ट 2020 के अनुसार, भारत राजनीतिक सशक्तिकरण के मामले में 18वें स्थान पर है जो कि सूचकांक के अन्य आयामों में अपनी रैंक से कहीं बेहतर हैः आर्थिक भागीदारी और अवसर में 149वें, शिक्षा प्राप्ति में 112वें, स्वास्थ्य और उत्तरजीविता में 150वें और समग्र सूचकांक में 108वें स्थान पर है। राजनीतिक सशक्तिकरण रैंकिंग ब्रिटेन की 20वीं रैंक और अमेरिका की 68वीं रैंक से उल्लेखनीय रूप से ऊंची है। राजनीतिक निर्णय लेने के उच्चतम स्तर पर महिलाओं और पुरुषों के बीच अंतर को मापा गया, जिसके अंतर्गत मंत्रालयिक पदों पर महिलाओं और पुरुषों के अनुपात, संसदीय पदों पर महिलाओं और पुरुषों के अनुपात और पिछले 50 वर्षों में राज्य के प्रमुख के रूप में महिलाओं और पुरुषों के अनुपात का प्रयोग किया जाता है। चूंकि भारत में प्रधान मंत्री के रूप में इंदिरा गांधी के कार्यकाल की अवधि 1966 से 1977 तक और फिर 1980 से 1984 में उनकी हत्या तक रही। अतः इस संदर्भ में भारत की स्थिति मजबूत दिखाई पड़ती है। हालांकि एक प्रमुख महिला नेता के रूप में गांधी की भूमिका को नजरअंदाज नहीं किया जाना चाहिए लेकिन यह कुछ हद तक सूचकांक में भारत की स्थिति के संबंध में हमारी व्याख्या को बदल देता है। इस सूचकांक का निर्माण करने वाले अन्य दो मापों के अनुसार मंत्रालयिक पदों पर 30% महिलाओं के साथ भारत की रैंकिंग 69वीं है और संसद में महिलाओं के मामले में 17% के साथ 122वीं है। उप-सूचकांक गणना में राज्य-स्तरीय नेतृत्व को शामिल करने में भी विफल रहता है, जिसमें महत्वपूर्ण शक्तियां निहित होती हैं।

भारत के 28 राज्यों में से वर्तमान में केवल पश्चिम बंगाल में एक महिला मुख्यमंत्री है। इसके अलावा, राजनीतिक सशक्तिकरण उप-सूचकांक पूरी तरह से नेतृत्व पर केंद्रित है। हम ने भारत में महिलाओं की राजनीतिक भागीदारी से जुड़े ऐसे कई क्षेत्रों के साक्ष्य तलाशे हैं जिसमें भारत की राजनीतिक प्रणाली के विभिन्न स्तरों पर उनका राजनीतिक प्रतिनिधित्व, उनका राजनीतिक नेतृत्व और सक्रिय महिला नागरिक जैसे विषय शामिल हैं।आपको बता दूं कि राष्ट्रीय राजधानी की सीमाओं को तीन तरफ से छूने वाले हरियाणा में लैंगिक समानता और लोकतांत्रिक संस्थाओं में महिलाओं की सक्रियता को धीरे-धीरे प्रोत्साहन मिला है। हालांकि यह बात अलग है कि कुछ परंपराएं व रूढ़ियां लैंगिक समानता के लक्ष्यों को पाने में बाधक बनी हैं। भारतीय कृषि प्रधान समाज कमोबेश परंपराओं व संस्कारों के प्रति आग्रही रहे हैं। वह बात अलग है कि धीरे-धीरे शिक्षित-विकसित होते समाज में नई पीढ़ी की बेटियों ने बदलाव की नई इबारत लिखी है। यही वजह है कि देश की सेना से लेकर खेलों की दुनिया में हरियाणवी बेटियों ने सफलता के नये मुकाम तय किये हैं।

धीरे-धीरे लैंगिक असंतुलन भी कम हुआ है लेकिन कई इलाकों में लोकतांत्रिक प्रक्रिया में रूढ़िवादिता और मायके के आग्रह के चलते व्यवधान उत्पन्न होने की बात कही जाती रही है। इसका उदाहरण हरियाणा में हाल में संपन्न दस लोकसभा सीटों के चुनाव में कतिपय क्षेत्रों में नजर भी आया है। हालांकि, इस मतदान के नतीजे चार जून को आएंगे, लेकिन कुछ नकारात्मक संकेत पहले ही दृष्टिगोचर हुए हैं। दरअसल, इन चुनावों में पहली बार मतदान करने वाले युवा मतदाताओं में महिला मतदाताओं की संख्या निराशाजनक कही जा रही है। चुनाव आयोग के आंकड़ों का चौंकाने वाला तथ्य यह है कि पहली बार मताधिकार पाने वाले युवाओं में महिलाओं की संख्या मात्र 34 प्रतिशत दर्ज की गयी जो निश्चित रूप से लैंगिक असंतुलन की ओर इशारा करता है। उल्लेखनीय है कि इन लोकसभा चुनावों में पहली बार मतदान करने वाले वोटरों की संख्या 4.2 लाख थी जिसमें युवा पुरुषों की संख्या 2.8 लाख रही है। इसकी पीछे सोच यह बतायी जाती है कि बेटियों की राजनीतिक रूप से सक्रियता उनके विवाह होने तक स्थगित की जाती है जो कि सामाजिक पूर्वाग्रहों को ही उजागर करती है। जिसके मूल में समाज में व्याप्त पितृसत्तात्मक सोच बतायी जाती है। जिसकी वजह से युवा महिलाओं के मतदाता पंजीकरण को प्रोत्साहित करने के अधिकारियों के प्रयासों को विरोध का सामना करना पड़ता है।

दरअसल, सामाजिक पूर्वाग्रहों व पितृसत्तात्मक सोच के चलते कई ग्रामीण व कृषक परिवारों में बेटी की राजनीतिक अभियान में सक्रिय भागीदारी के बजाय विवाह को प्राथमिकता दी जाती है। जिसके चलते मताधिकार से वंचित होने का चक्र मजबूत होता है। उस समय यह स्थिति शोचनीय व सीमित हो जाती है, जब पुरुष उनके मताधिकार के निर्णय व प्रत्याशी की पसंद को तय करते हुए देखे जाते हैं। इसके अलावा चुनावी मैदान में महिलाओं का प्रतिनिधित्व भी उतना ही विषम है। इसे विडंबना ही कहा जाएगा कि इस बार हरियाणा में आम चुनावों में नाममात्र के लिये ही महिला उम्मीदवारों को टिकट दिए गए हैं। आम चुनाव में कुल 223 उम्मीदवारों में से केवल 16 महिला प्रत्याशी ही खड़ी थीं। जिनमें से पांच मुख्यधारा के राजनीतिक दलों का प्रतिनिधित्व करती हैं। विडंबना देखिए कि यह स्थिति तब है जब राज्य में आधी दुनिया के मतों की संख्या लगभग आधी है। यह करीब 47 फीसदी बतायी जाती है। यूं तो मुख्यधारा के सभी राजनीतिक दल महिलाओं के अधिकारों के लिये लंबे-चौड़े वायदे करते नजर आते हैं, लेकिन उनके संख्याबल के अनुपात में महिला उम्मीदवार चुनावी मैदान में उतारने से उन्हें सदैव परहेज रहता है। हालांकि, देर-सवेर इन स्थितियों में निश्चित रूप से बदलाव देखा जाएगा। राज्य के कई इलाकों में महिलाओं की जागरूकता व सक्रियता उम्मीद की किरण जगाती हैं। महिलाएं अब जल आपूर्ति, बिजली तथा रोजगार जैसे मुद्दों को लेकर अपनी चिंताएं प्रकट करने लगी हैं। साथ ही सार्वजनिक बैठकों में महिलाओं की भागीदारी बढ़ती नजर आ रही है। लेकिन इसके बावजूद हरियाणा में लैंगिक विभाजन की खाई को पाटने तथा समतामूलक समाज की स्थापना के लिये बहुत किया जाना अभी बाकी है। समाज को पितृसत्तात्मक संरचनाओं को खत्म करने के लिये सकारात्मक पहल करने की जरूरत है। उम्मीद करें कि खेलों खासकर पहलवानी में बढ़-चढ़कर प्रदर्शन करने वाली हरियाणा की बेटियों को वोट का अधिकार दिलाने में भी उत्साहजनक कोशिश किये जायेंगे।

# जैसे को तैसा



सुरेश कुमार मिश्रा

बिटिया! ओ बिटिया! यह क्या निपोरा बना दिया। भला कोई इसे हलवा कहता है? इसे अच्छा-खासा चंगा आदमी खा ले तो पल में प्राण पखेरू हो जाए। ऐसा पकवान तो कोई अपने दुश्मन को भी न खिलाए। इसमें तुमने क्या मिलाकर बनाया है? माँ, आप भी कमाल करती हैं। आप जैसा कहती हैं, मैं वही तो करती हूँ। कभी मैंने आपका कहा टाला है? लकीर की फकीर हूँ। मक्खी टू मक्खी काम करती हूँ। फिर भी आप हमें जब देखो तब डाँटती रहती हैं।

माँ ने चीढ़ते हुए कहा, तू ही यह अमृत खा कर देख। तब बताना क्या बनाया है। तब मान लूंगी कि तू मेरा कहाँ मानती है। वैसे बता इसे तूने बनाया कैसे है?

बिटिया ने कहा, पहले मैंने कढ़ाई ली। उसमें थोड़ा पानी गर्म किया। फिर उसमें काली मिर्च, लवंग, इलायची, दालचीनी पत्ता, मुलेठी, अजवाइन, हल्दी, थोड़ा नमक और ढेर सारी सूजी मिलाकर उस पर शक्कर डाल दी। थोड़ी देर पकाया और बन गया हलवा।

माँ ने माथा पीटते हुए कहा, धन्य हो तुम्हारा ज्ञान! भला कोई हलवा के लिए गर्म मसाले और अगड़म-बगड़म चीजों का इस्तेमाल करता है। अच्छा हुआ अभी तुम्हारी शादी नहीं हुई वरना ससुराल में हमारी नाक कटवा देती। गधी कहीं की। मां, आप मुझे गधी न कहें। आप गप्प करती और सुनती हैं।

कभी आप काली मिर्च, अजवाइन, लवंग का काढ़ा पिलाती हैं तो कभी सी कॉम्प्लेक्स तो कभी बी कॉम्प्लेक्स की गोलियां खिलाती हैं। कौवा कान ले गया की तर्ज पर जिससे जो सुना, वह हम पर आजमाना शुरू कर देती हैं। कभी सोचा है ऐसा करने से इन सबका हम पर क्या असर पड़ता है? आप तो हम सब का ख्याल रखने के चक्कर में खुद तो पीती नहीं हैं। आपको भला कैसे पता चलेगा? इसीलिए मैंने आपको सबक सिखाने के लिए ऐसा हलवा बनाया था। यह सुनकर माँ का मुंह छोटा हो गया।

बिटिया की बातें सुनकर माँ की आँखों में आंसू आ गए। उन्होंने सोच में पड़ते हुए कहा, तो तूने ये सब मेरे लिए किया?

हाँ माँ, आप हमें न जाने कितने सारे नुस्खे आजमाने को कहती रहती हो। कभी कोई अजवाइन चबाओ, कभी काढ़ा पियो। अरे, काढ़ा नहीं कढ़ाई है, हमें वही बनाना है। सब कुछ बस यूं ही करना होता है।

आपको हमारी चिंता रहती है, लेकिन कभी-कभी यह चिंता हमारे लिए एक सजा बन जाती है। इसलिए सोचा, आपको हलवा का नया रूप दिखाऊं। माँ ने गहरी साँस लेते हुए कहा, तू भी कमाल करती है। भला कोई हलवा में गर्म मसाले डालता है? तुम्हारी यही विद्वत्ता है कि तुमने हलवे को ही बिरयानी बना दिया। ससुराल में तो मेरा सिर फोड़ देती।

## चुनावों में पारदर्शिता पर ज़ोर



रजनीश कपूर

2024 के लोकसभा चुनाव अपने अंतिम चरण तक पहुँच गये हैं। आने वाले दिनों में सभी को चुनावी एग्ज़िट पोल और 4 जून का बेसब्री से इंतज़ार रहेगा। सभी यह देखना चाहेंगे कि विवादों में घिरी 'ईवीएम' किसकी सरकार बनाएगी? हर राजनैतिक दल बड़े-बड़े दावे कर रहा है कि उसका दल या उसके समर्थन वाला समूह सरकार बनाने जा रहा है। ऐसे में यह भी देखना ज़रूरी है कि केंद्रीय चुनाव आयोग जिसकी कार्यशैली पर कई सवाल उठे, वह इस चुनाव को कितनी पारदर्शिता से संपूर्ण करेगा? देश का आम चुनाव हमेशा से ही एक पर्व की तरह मनाया जाता है। इसमें हर राजनैतिक दल अपने अपने वोटरों के पास अगले पाँच साल के लिए उनके मत की अपेक्षा में उन्हें बड़े-बड़े वादे देकर लुभाने की कोशिश करते हैं। परंतु देश की जनता भी यह जान चुकी है कि दल चाहे कोई भी हो, राजनैतिक वादे सभी दल ऐसे करते हैं कि मानो जनता उनके लिए पूजनीय है और ये नेता उनके लिए कुछ भी करने को तैयार हैं। परंतु क्या वास्तव में ऐसा होता है कि चुनावी वादे पूरे किए जाते हैं?

क्यों नेताओं को केवल चुनावों के समय ही जनता की याद आती है? ख़ैर ये तो रही नेताओं की बात। आज जिस मुद्दे पर पाठकों का ध्यान आकर्षित किया जा रहा है वो है चुनावों में पारदर्शिता।

सरकार चाहे किसी भी दल की क्यों न बने। चुनावों का आयोजन करने वाली सर्वोच्च सांविधानिक संस्था केंद्रीय चुनाव आयोग इन चुनावों को कितनी पारदर्शिता से कराती है इसकी बात बीते कई महीनों से सभी कर रहे हैं। चुनाव आयोग की प्राथमिकता यह होनी चाहिए कि हर दल को पूरा मौक़ा दिया जाए और निर्णय देश की जनता के हाथों में छोड़ दिया जाए।

बीते कुछ महीनों में चुनाव आयोग पर पहले ईवीएम को लेकर और फिर वीवीपैट को लेकर काफ़ी विवाद रहा। हर विपक्षी दल ने एक सुर में यह आवाज़ लगाई कि देश से ईवीएम को हटा कर बैलट पेपर पर ही चुनाव कराया जाए। परंतु देश की शीर्ष अदालत ने चुनाव आयोग को निर्देश देते हुए अधिक सावधानी बरतने को कहा और ईवीएम को जारी रखा। इन विवादों के बाद चुनावों की मतगणना को लेकर फॉर्म 17सी पर एक नई बहस उठी जो देश की शीर्ष अदालत में जा पहुँची।

दरअसल, फॉर्म 17सी वह फॉर्म होता है जिसमें चुनाव संचालन नियम, 1961 के तहत देशभर के प्रत्येक मतदान केंद्र पर डाले गए वोटों का रिकार्ड होता है। फॉर्म 17सी में मतदान केंद्र के कोड नंबर और नाम, मतदाताओं की संख्या। उन मतदाताओं की संख्या जिन्होंने मतदान न करने का निर्णय लिया। उन मतदाताओं की संख्या जिन्हें मतदान करने की अनुमति नहीं मिली। दर्ज किए गए वोटों की संख्या। खारिज किए गए वोटों की संख्या। वोटों के खारिज करने के कारण। स्वीकार किए गए वोटों की संख्या। डाक मतपत्रों का डाटा भी शामिल होता है। इस जानकारी को मतदान अधिकारियों द्वारा भरा जाता है और प्रत्येक बूथ के पीठासीन अधिकारी द्वारा जाँचा भी जाता है। मतगणना के दिन, गिनती से पहले, फॉर्म 17सी के दूसरे भाग में प्रत्येक बूथ से गिने गए कुल वोट व डाले गए कुल वोटों की समानता को जाँच जाता है। यह व्यवस्था किसी भी पार्टी द्वारा वोटों में हेरफेर से बचने के लिए बनाई गई है। यह डाटा मतगणना केंद्र के पर्यवेक्षक द्वारा दर्ज किया जाता है। प्रत्येक उम्मीदवार (या उनके प्रतिनिधि) को फॉर्म पर हस्ताक्षर करना होता है, जिसे रिटर्निंग अधिकारी द्वारा जांचा जाता है। इसके बाद ही मतों की गिनती शुरू होती है।

ग़ौरतलब है कि मतदान डाटा का उपयोग चुनाव परिणाम को कानूनी रूप से चुनौती देने के लिए किया जा सकता है। एक ओर जहां चुनावों में ईवीएम से छेड़छाड़ पर सवाल उठाया गया है वहीं फॉर्म 17सी से मतदान में हुई गड़बड़ी (यदि हुई हो तो) का पता चल सकता है। जिस तरह पहले और दूसरे चरण के मतदान के आँकड़ों को जारी करने में देरी व बदलाव को लेकर चुनाव आयोग पर प्रश्न उठा तो विपक्ष ने फॉर्म 17सी को लेकर विवाद खड़ा कर दिया। देश की शीर्ष अदालत में चुनाव आयोग ने अपना पक्ष रखा और विपक्षी पार्टियों ने अपना पक्ष रखा। परंतु सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले में कोई निर्णय नहीं दिया।

बीते सप्ताह देश के नामी वकील और सांविधानिक विशेषज्ञ कपिल सिब्बल ने एक प्रेस सम्मेलन बुलाकर सभी राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों से एक चेकलिस्ट जारी की। सिब्बल ने हर राजनैतिक दल और उनके मतदान/मतगणना एजेंटों के लिए आगामी 4 जून को आम चुनाव की गिनती से पहले जारी की गई इस चेकलिस्ट के माध्यम से यह समझाया है कि उन्हें कब क्या देखना है। सिब्बल के अनुसार "बहुत से लोग कह रहे हैं कि इन मशीनों के साथ संभवतः छेड़छाड़ की गई है। इसलिए, हम यह सुनिश्चित करना चाहते हैं कि उनके साथ कोई छेड़छाड़ न हो, इससे ज्यादा कुछ नहीं। हम यह नहीं कह रहे कि उनके साथ छेड़छाड़ की गई है। किसी भी मशीन से छेड़छाड़ की जा सकती है। ऐसा नहीं है कि दुनिया में कोई ऐसी मशीन है जिसके साथ छेड़छाड़ नहीं की जा सकती। हमें इस पर भरोसा है; हम यह नहीं कह रहे हैं कि कोई भरोसा नहीं है।" कपिल सिब्बल की इस चेकलिस्ट का वीडियो सोशल मीडिया पर काफ़ी चर्चा में है। जिस तरह केंद्रीय चुनाव आयोग इवीएम और वीवीपैट को लेकर पहले से ही विवादों में घिरा हुआ है उसे चुनावों में पारदर्शिता का न केवल दावा करना चाहिए बल्कि पारदर्शी दिखाई भी देना चाहिए। इसलिए कपिल सिब्बल द्वारा जारी की गई चेकलिस्ट को सभी राजनैतिक दलों को गंभीरता से लेना चाहिए।

# निया शर्मा को सोशल मीडिया ट्रोलिंग से फर्क नहीं पड़ता

## स्क्रीन पर चुड़ैल का किरदार निभाने पर बोलीं- इंडिया में 'बेवकूफी' खूब बिकती है

**एक्ट्रेस निया शर्मा** सीरियल 'सुहागन चुड़ैल' में चुड़ैल का किरदार निभा रही हैं। इससे पहले वह सीरियल 'नागिन 4' में नागिन का किरदार निभाकर भी ट्रोल हुई थीं। निया की मानें, तो यह शो भी अगर सोशल मीडिया ट्रोलिंग का शिकार होता है, तो उन्हें फर्क नहीं पड़ता।

एक इंटरव्यू में निया ने बताया है कि शुरुआत में उन्होंने यह शो करने से इनकार कर दिया था। लेकिन कई मीटिंग्स के बाद, मेकर्स उन्हें मनाने में कामयाब हुए। बातचीत के दौरान, एक्ट्रेस ने शादी पर अपने विचार भी शेयर किए हैं। पढ़िए बातचीत के प्रमुख अंशः

यकीन मानिए, यह नाम सुनते ही मैंने मेकर्स को मना कर दिया था। मैं भी यही सोचने लगी कि आज के जमाने में ऐसा टाइटल कौन रखता है? इसकी कहानी भी 200 साल पुरानी चुड़ैल की है। मेकर्स से मेरा सवाल था कि क्या मैं इतनी भयानक दिखती हूं? मैं यह जानना चाहती थी कि उन्होंने मुझे क्यों एप्रोच किया?

लेकिन फिर टीम ने मुझसे 7 बार मीटिंग की। इस दौरान, उन्होंने मुझे आश्वासन दिलाया कि यह शो मेरे लिए परफेक्ट है। टीम एक स्मार्ट और आकर्षक एक्ट्रेस की तलाश में थी, जो यह किरदार बखूबी निभाए। यह शो एक फेंटेसी-लव ट्रायंगल लव स्टोरी है। मुझे इसकी कहानी रोमांचक लगी और इसीलिए मैंने हामी भर दी।

सोशल मीडिया पर लोग मजेदार मीम्स बनाते और शेयर करते हैं। हम लोग काफी मैच्योर हैं। हम इस बात से वाकिफ हैं कि किस तरह का कंटेंट सोशल मीडिया पर बिकता है। इंडिया में 'बेवकूफी' खूब बिकती है। बतौर शो मेकर, अगर उन्होंने अपनी चुड़ैल के पैर उल्टे बताए या कुछ फनी बात कही, तो जाहिर है लोग तो ट्रोल करेंगे। मैं इसका सामना करने के लिए पूरी तरह से तैयार हूं।

अगर मीम्स बनते हैं, तो मुझे कोई फर्क नहीं पड़ता है। मेरा मानना है कि जितने ज्यादा मीम्स बनेंगे, उतनी ज्यादा हमारे शो की पॉपुलैरिटी बढ़ेगी। मैं जानबूझकर हंसी का पात्र नहीं बनूंगी, लेकिन हां, मेरा इस पर कोई कंट्रोल नहीं है।

पिछले 3 साल मेरे लिए काफी चैलेंजिंग रहे हैं। मैंने अपने 11 साल टीवी को दिए हैं। काफी सक्सेसफुल भी रही हूं। जिन-जिन शो से जुड़ी, सभी ने नाम कमाए। लेकिन, मुझे टीवी से हटकर कुछ और करना था। मैं दूसरी फील्ड में अपने कदम बढ़ाना चाहती थी। मुझे कुछ नया करना था। दुर्भाग्यवश, जैसा चाहा वैसा नहीं हुआ। उन 3 सालों में मैं अगर चाहती तो कई टीवी शोज के ऑफर ले सकती थी। हालांकि, मैं अभी भी रिस्क लेने के लिए तैयार हूं। हार नहीं मानने वाली हूं।

'सेक्सिएस्ट एशियन वुमन' का खिताब मिलने के बाद, मेरी पूरी दुनिया ही बदल गई थी। जहां जाती थी, वहां लोग मेरी तारीफ करना शुरू कर देते थे। सच कहूं तो, इससे पहले मैं कभी अपने आप को खूबसूरत नहीं मानती थी। लेकिन जब 'सेक्सिएस्ट एशियन वुमन' का टैग मिला, मेरा कॉन्फिडेंस लेवल काफी बढ़ गया था। इंडस्ट्री के लोगों का भी मेरे प्रति रवैया बदल गया था। मुझे लोगों की अटेंशन मिलना शुरू हो गई थी। मैं अंडर-कॉन्फिडेंट से कॉन्फिडेंट लड़की बन गई थी।

मेरी मां ही मेरी पहचान हैं। उनके बिना मैं अधूरी हूं। वैसे, उनकी एक ख्वाहिश है जिसे वो जल्द ही पूरा होता देखना चाहती हैं। वह चाहती हैं कि मैं जल्द से जल्द शादी कर लूं। सच कहूं तो वह बहुत समझदार हैं। उन्होंने कहा है कि अगर कोई मुझे पसंद आए तो ही शादी करना, वरना मत करना। इंडियन सोसाइटी में किसी भी मां का ऐसी सोच रखना, बहुत बड़ी बात है।

वैसे, आप प्रेशर करके किसी की भी शादी नहीं करवा सकते। आज यह हाल है कि ज्यादातर शादियां टूट रही हैं। आज के दौर में लड़का और लड़की समझौता नहीं करना चाहते हैं। आज ज्यादातर लड़कियां अपने लिए कुछ करना चाहती हैं, सक्सेसफुल बनने की ख्वाहिश रखती हैं। थैंकफुली, मेरी मां की तरफ से मुझे कोई प्रेशर नहीं।

जी हां, बिल्कुल। मैं शादी करना भी चाहती हूं, लेकिन उसी से जो मुझे मेरी कामयाबी के साथ अपनाए। मैं जैसी हूं, मेरे पार्टनर को कोई इशू नहीं होना चाहिए। एक आदमी को औरत की ग्रोथ से कोई परेशानी नहीं होना चाहिए। मैं अपने पार्टनर को सक्सेसफुल होने में पूरा साथ दूंगी। अब तक, मुझे ऐसा पार्टनर नहीं मिला है। भविष्य में कभी मिला तो शादी जरूर करूंगी।

# 'अपनी शादी तो संभाल नहीं पाईं...' ईशा मालवीय का रिंकू धवन को मुंहतोड़ जवाब, क्यों छिड़ी है जुबानी जंग!

**सलमान खान** के रिएलिटी शो 'बिग बॉस 17' में नजर आईं टीवी एक्ट्रेस ईशा मालवीय और उनके रिलेशनशिप की खूब भद्द पिटी थी। पहले तो एक्स बॉयफ्रेंड अभिषेक कुमार संग छीछालेदर हुई। फिर जब शो में करेंट बॉयफ्रेंड समर्थ जुरेल आएं, तब भी खूब बवाल हुआ। खैर। ईशा अब समर्थ के साथ भी नहीं हैं। कुछ दिनों पहले इनका ब्रेकअप हो गया। इसको लेकर BB 17 की कंटेस्टेंट रहीं रिंकू धवन ने अपनी राय रखी और ईशा को काफी भला-बुरा कहा, जिस पर अब ईशा ने भी रिएक्ट किया है और अपनी भड़ास निकालते हुए करारा जवाब दिया है।

ईशा मालवीय ने रिंकू धवन पर गुस्सा निकालते हुए कहा कि वो खुद तलाकशुदा हैं और अपनी शादी नहीं संभाल पाईं, वो 20 साल की लड़की पर कॉमेंट कर रही हैं!

**'वो तलाकशुदा हैं, खुद की शादी तो संभली नहीं'**

ईशा ने आगे कहा, 'हां हम यंगस्टर्स हैं। हम रिलेशनशिप में आते हैं और हमारा ब्रेकअप होता है, लेकिन वो तो तलाकशुदा हैं। मैं ऐसा बोलना नहीं चाहती, लेकिन उन्हें भी दूसरों पर कॉमेंट नहीं करना चाहिए, क्योंकि वो खुद की शादी तो संभाल नहीं पाईं।

रिंकू ने जूम को दिए इंटरव्यू में ईशा मालवीय पर पर्सनल कॉमेंट किया था। उन्होंने कहा था कि वो इस बात से हैरान नहीं हैं कि ईशा और समर्थ का ब्रेकअप हो गया, क्योंकि मुझे पता था कि ऐसा ही होगा। वो बोलीं, 'मैंने तो समर्थ से भी कहा था कि देखना 6 महीने बाद अखबार में खबर छपी होगी कि ईशा किसी और के साथ है।'

**'आगे बढ़ने के लिए लोगों का इस्तेमाल करती है ईशा'**

रिंकू ने ये भी दावा किया कि ईशा लोगों का इस्तेमाल करती है और फिर आगे बढ़ जाती है। उन्होंने कहा, 'वो बहुत एंबिशियस लड़की है, जिसमें कुछ गलत नहीं है। जो जब तक काम आए, तब तक ठीक, उसके बाद फिर जाओ।'

# हजार ऑडिशन देकर मैं बन ही गई हीरोइन, पापा की हां के इंतजार में बीत गए कई साल : कनिका गौतम

**'अपना अड्डा'** सीरीज में इस बार बात फरीदाबाद में जन्मी कनिका गौतम की। कनिका की पिता महेश कुमार शर्मा भारतीय वायुसेना से अभी पिछले साल ही सेवानिवृत्त हुए हैं और कनिका आज भी अपने पिता से अभिनय के लिए मिली अनुमति को याद कर भावुक हो जाती हैं। फरीदाबाद से निकलकर कनिका ने जम्मू के उधमपुर में अपनी स्कूल की पढ़ाई की और फिर इंजीनियरिंग में सिर्फ इस वजह से प्रवेश ले लिया क्योंकि उनके माता-पिता उन्हें इंजीनियर बनाना चाहते थे।

कनिका बताती हैं, 'मुझे नहीं पता कि एक्टर बनने का भूत मुझ पर कब और कैसे सवार हुआ, लेकिन बचपन से ही मुझे शीशे के सामने दूसरी अभिनेत्रियों की नकल उतारना, नाचना-गाना बहुत पसंद था। स्कूल के सांस्कृतिक कार्यक्रमों में हिस्सा लेती तो लोग खूब तारीफ भी करते। और, बस मैंने एक दिन मन बना लिया कि मुझे भी हीरोइन ही बनना है। उस दिन से लेकर पहले दिन कैमरे का सामना करने तक मुझे कई साल लगे, काफी विरोध का सामना करना पड़ा लेकिन मैंने अपनी लगन से कभी अपना मन नहीं हटाया।'

किसी तरह के विरोध का सामना करना पड़? इस सवाल के जवाब में कनिका बताती हैं, "जैसा कि हर छोटे शहर के परिवारों में होता है किसी बेटी का हीरोइन बनने की बात करना किसी गुनाह से कम नहीं है। मैं 11वीं की पढ़ाई शुरू करने वाली थी तो मैंने पहली बार ये बात अपनी नानी को बताई। मैंने उनसे कहा भी कि किसी को बताना मत, लेकिन उन्होंने मां को बता दिया। और, मां ने पापा को। और पापा की प्रतिक्रिया ये थी कि थप्पड़ क्यों नहीं मारा?"

घर पर खूब हंगामा हुआ और कनिका गौतम ने इसके बाद अपना मन मारकर 12वीं की पढ़ाई पूरी की। तब तक सब पुणे आ चुके थे, और यहां रहकर इंजीनियरिंग की पढ़ाई करते हुए उन्होंने फिर अपने बचपन के सपने को पंख दिए। कनिका बताती हैं, "मैंने बचपन से बस अभिनेत्री बनने का ही सोचा था। मुझे लगा कि मुंबई के इतने पास आकर भी अपने मन की बात नहीं सुनी तो फिर पूरा जीवन खुद को ही कोसती रहूंगी। तो मैंने फिर घर में बात चलाई। फिर, घर में तीन-चार दिन तक महाभारत होती रही। और एक दिन मैं अपने कमरे में रो रही थी, तब पापा आए और बोले कि ठीक है, कर लो अपने सपने पूरे।"

इंजीनियरिंग की पढ़ाई के दौरान कनिका पुणे से मुंबई और मुंबई से पुणे के चक्कर लगाती रहीं। पहली फिल्म मिलने से पहले वह करीब एक हजार ऑडिशन दे चुकी थीं। कनिका बताती हैं, "कैमरे के सामने मेरा पहला ब्रेक एक कमर्शियल विज्ञापन फिल्म थी, जिसमें मैंने करीना कपूर के साथ काम किया। उसके बाद रास्ते खुलते गए। टेलीविजन धारावाहिकों में भी अच्छे रोल मिले। लेकिन, मेरी अभिनय यात्रा का अहम मोड़ बना विजक्राफ्ट का ब्रॉडवे म्यूजिकल 'बल्ले बल्ले'। इसमें मेरा लीड रोल देखकर मुझे रोल ऑफर होने लगे।"

कनिका गौतम की बतौर लीड हीरोइन पहली फिल्म 'प्यार के दो नाम' बीते महीने ही सिनेमाघरों में रिलीज हुई है। उनकी एक और फिल्म 'कैसा ये फितूर' पूरी हो चुकी है। कनिका का मानना है कि लगातार कोशिश, धैर्य और खुद पर भरोसा हो, तो कामयाबी मिल ही जाती है। वह मानती हैं कि उनका रास्ता अभी लंबा और मंजिल दूर है, लेकिन वह ये भी कहती हैं, लगातार चलते रहने वाले मुसाफिर को मंजिल मिलती जरूर है।

# 'इललीगल सीजन 3' हुआ लीगली पास, दर्शकों को नेहा शर्मा और पियूष मिश्रा की एक्टिंग लगी लाजवाब

**काफी इंतजार** के बाद 'इललीगल सीजन 3' आखिरकार दर्शकों के सामने आ ही गया। इस शो में नेहा शर्मा और पीयूष मिश्रा के अलावा अक्षय ओबेरॉय, सत्यदीप मिश्रा, नील भूपालम और इरा दुबे जैसे मंझे हुए कलाकर अपने अभिनय का जलवा दिखा रहे हैं। इस कोर्ट रूम ड्रामा के इस सीजन में पहली बार नील भूपालम ही नजर आ रहे हैं। जियो सिनेमा पर स्ट्रीम हो रहे इस शो को ट्वीटर पर कैसी प्रतिक्रिया मिल रही है

'इललीगल सीजन 3' में नेहा शर्मा अपने अभिनय से दर्शकों को चकित करने में कामयाब रही हैं। एक ट्वीटर यूजर ने लिखा है, 'इस शो की जान नेहा शर्मा हैं। उन्होंने

बेहतरीन काम किया है। उनके अभिनय में कोई खामी नहीं निकाली जा सकती है'।

'इललीगल सीजन 3' के पहले एपिसोड को देखने के बाद एक अन्य यूजर ने लिखा है, 'इस शो को पियूष मिश्रा के लिए देखा जा सकता है। वे इस शो की जान और आत्मा हैं। उनकी जितनी भी तारीफ की जाए कम है'। नेहा शर्मा और पियूष मिश्रा जैसे मंझे कलाकारों से सजे इस शो को दर्शकों से सकारात्मक प्रतिक्रिया मिल रही है। कोर्ट रूम ड्रामा के इस नए सीजन को देखने के बाद एक यूजर ने लिखा है, 'इस शो के एपिसोड को एक के बाद एक लगातार देखा जा सकता है। यह एक बेहतरीन शो है। इसकी कहानी आपको शुरू से अंत तक बांधे रखती है। काफी समय बाद कुछ इतना लाजवाब देखने को मिला है'।

वहीं एक अन्य यूजर ने लिखा है, 'इललीगल सीजन 3' को परफेक्ट सीजन नहीं कहा जा सकता है, लेकिन फिर भी इसमें खामियां ढूंढना मुश्किल है। यह देखने लायक शो है।

# बंद हो गई रणवीर सिंह की 300 करोड़ बजट की फिल्म 'राक्षस'

अभिनेता रणवीर सिंह की साउथ सिनेमा के चर्चित निर्देशक प्रशांत वर्मा के साथ प्रस्तावित मेगा बजट फिल्म 'राक्षस' अनिश्चिकाल के लिए स्थगित हो गई है। रणवीर और प्रशांत ने इस बारे में साझा बयान भी जारी किया है। फिल्म के निर्माता मैत्री मूवी मेकर्स थे, जिनकी फिल्म 'पुष्पा 2' की इन दिनों सोशल मीडिया पर खूब चर्चा हो रही है।

पहले 'ब्रह्मराक्षस' और फिर 'राक्षस' के नाम से बननी शुरू हुई निर्देशक प्रशांत वर्मा की इस फिल्म को लेकर हाल के दिनों में चर्चाओं का बाजार बहुत गरम रहा है। रणवीर सिंह ने प्रशांत वर्मा की फिल्म 'हनुमान' की रिलीज के बाद खुद प्रशांत के साथ काम करने की इच्छा जताई थी। और, दोनों ने लंबे समय तक इस कहानी पर चर्चा के बाद इसकी पटकथा भी तय कर ली थी।

जानकारी के मुताबिक, इस फिल्म के प्रोमो और एनाउसमेंट वीडियो की हैदराबाद में शूटिंग के दौरान ही रणवीर और प्रशांत के बीच कुछ तो ऐसा हुआ जिसके बाद रणवीर के फिल्म छोड़ देने की खबरें मुंबई से और 300 करोड़ के बजट की फिल्म को रणवीर की हालिया रिलीज फिल्मों के हिसाब से सही ओपनिंग न मिलने की आशंकाओं की चर्चाएं हैदराबाद से आनी शुरू हुईं। बताया गया कि रणवीर और प्रशांत के बीच रचनात्मक मतभेद हो गए हैं। हालांकि, हैदराबाद में हुई शूटिंग के बाद रणवीर का सेट पर तेलुगु में बोला गया संवाद भी लोगों के बीच साझा हो चुका है।

अब इस बारे में रणवीर सिंह ने पहली कोई आधिकारिक बयान जारी किया है। उनकी टीम की तरफ से मिले इस बयान के मुताबिक रणवीर ने कहा है, ₹प्रशांत एक बहुत खास टेलेंट हैं। हमने मिलकर एक फिल्म के आइडिया को साथ में एक्सप्लोर किया। उम्मीद है, फ्यूचर में हम किसी एक्साइटिंग काम के लिए साथ काम करेंगे।"

वहीं, इसी बयान के साथ फिल्म के निर्देशक प्रशांत वर्मा का भी एक बयान जारी किया गया है। इस बयान के मुताबिक प्रशांत कहते हैं, ₹रणवीर जैसी ऊर्जा और प्रतिभा मिलना मुश्किल है। हम फ्यूचर में जल्द ही अपनी फोर्सेज को एक साथ लाएंगे।₹ फिल्म में बतौर निर्माता आने के लिए साउथ की मशहूर फिल्म निर्माण कंपनी मैत्री मूवी मेकर्स ने हां की थी और बताते हैं कि फिल्म की शुरूआत में सारे लोग इस फिल्म को लेकर खासे उत्साहित भी थे। फिल्म के निर्माता, निर्देशक और अभिनेता ने भविष्य में साथ काम करने की उम्मीदें कायम रखी हैं और कहा है कि इस फिल्म को बनाने का ये अभी सही समय नहीं है।

# खोखले अस्तित्व में विश्वास नहीं रखती हैं जान्हवी बोलीं- मैं अपनी आत्मा से अमीर होना चाहती हूं

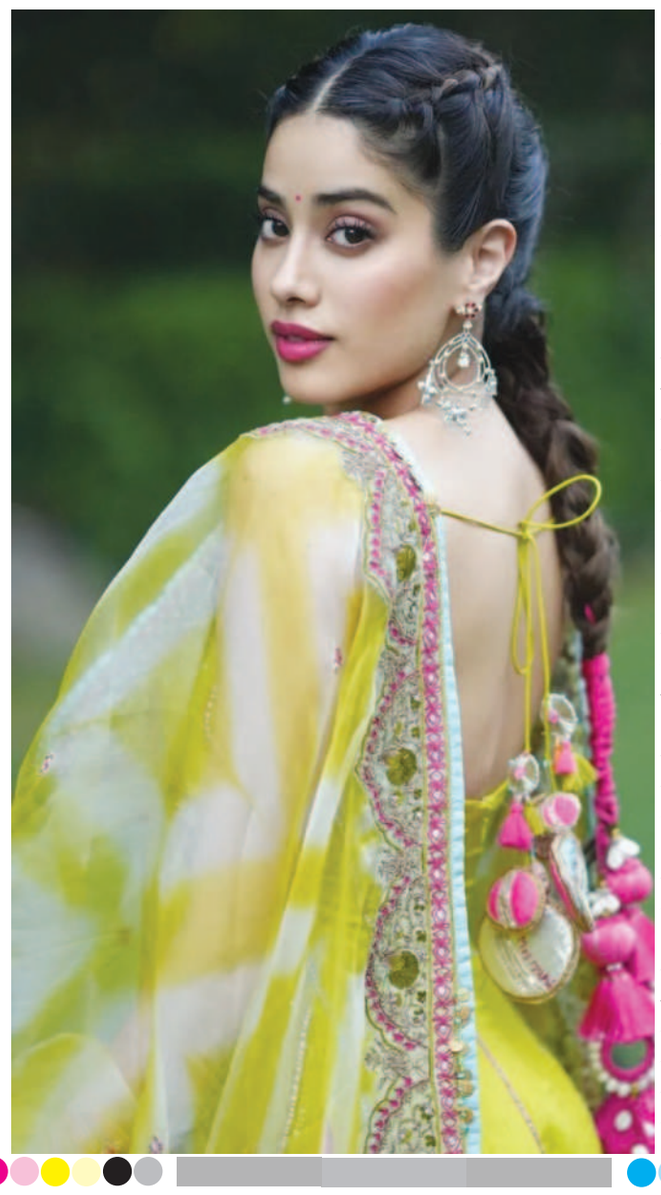

बॉलीवुड की खूबसूरत अभिनेत्री जान्हवी कपूर इन दिनों सुर्खियों में बनी हुई हैं। वे अपनी आगामी फिल्म 'मिस्टर एंड मिसेज माही' के प्रमोशन में जी-जान से जुटी हुई हैं। इस फिल्म में अभिनेता राजकुमार राव के साथ नजर आने वाली हैं। हाल ही में एक इंटरव्यू के दौरान उन्होंने 'मिस्टर एंड मिसेज माही' के अलावा अपनी जिंदगी के बारे में भी खुलकर बातें करती नजर आईं।

जान्हवी कपूर बॉलीवुड की दिवंगत अभिनेत्री श्रीदेवी और निर्माता बोनी कपूर की लाडली बेटी हैं। अपनी जिंदगी के बारे में बात करते हुए जान्हवी कहती हैं, 'मैं खुद को खुशनसीब मानती हूं कि मुझे इतनी आरमदायक जिंदगी मिली है। मेरे माता-पिता ने मुझे हर लग्जरी देने की कोशिश की है, लेकिन अब मैं अपने अस्तित्व को खुद से तलाशना चाहती हूं'।

जान्हवी कपूर आगे कहती हैं, 'मैं अपनी आत्मा से अमीर होना चाहती हूं। मुझे खोखले अस्तित्व से परेशानी होती है। मुझे पूरी जिंदगी मॉम-डैड ने दुनिया की हर तकलीफ से बचा कर रखा, लेकिन अब मैं जिंदगी की सच्चाई को जानना और समझना चाहती हूं'।

अपनी लग्जरी लाइफ के बारे में बात करते हुए जान्हवी कहती हैं, 'मॉम हमेशा कहती थीं कि उन्होंने काफी मेहनत किया है और वे हर सुख-सुविधा हम दोनों बहनों को देना चाहती थीं। इसमें कुछ गलत नहीं है, लेकिन अब मैं जिंदगी को अनुभव करना चाहती हूं। मैं अपने अनुभवों से खुद को समृद्ध करना चाहती हूं'।

जान्हवी कपूर अपनी बातों को जारी रखते हुए कहती हैं, 'मैं अब ऐसी फिल्में करना चाहती हूं जो मेरे कंफर्ट जॉन से बाहर की हों। मैं चैलेंजिंग किरदारों के लिए खुद को तैयार कर रही हूं। मुझे बहुत अजीब लगता है जब लोग अपनी जिंदगी को लेकर जिज्ञासा नहीं रखते हैं या वे कुछ नया नहीं सीखने कोशिश करते हैं'।

# तेलुगु एक्टर बालकृष्ण ने स्टेज पर दिया एक्ट्रेस को धक्का : सोशल मीडिया पर हुए ट्रोल

तेलुगु एक्टर और पॉलिटिशियन नंदमुरी बालकृष्ण हाल ही में अपकमिंग तेलुगु फिल्म 'गैंग्स ऑफ गोदावरी' के प्री-रिलीज इवेंट में पहुंचे। इस इवेंट से उनका एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल है, जिसमें वो फिल्म की एक्ट्रेस अंजलि को स्टेज पर धक्का देते नजर आ रहे हैं।

**बात सुन नहीं पाईं एक्ट्रेस तो दिया धक्का**

वीडियो में बालकृष्ण जब स्टेज पर पहुंचे तो उन्होंने पास ही खड़ीं एक्ट्रेस अंजलि को थोड़ी जगह बनाने के लिए कहा। एक्ट्रेस यह नहीं सुन पाईं तो बालकृष्णा ने उन्हें धक्का दे दिया। हालांकि, एक्ट्रेस ने स्टेज पर इस बात को मजाक में ही लिया और परिस्थिति संभालकर हंसते हुए इस बात को टाल दिया। बाद बालकृष्ण उन्हें हाई-फाइव देते भी नजर आए पर सोशल मीडिया पर कई यूजर्स बालकृष्ण को उनके इस एट्टीट्यूड के लिए ट्रोल कर रहे हैं।

**हंसल मेहता बोले- घटिया इंसान**

इसी बीच बॉलीवुड फिल्ममेकर हंसल मेहता ने भी बालकृष्णा को घटिया बताया। उन्होंने सोशल मीडिया पर यह वीडियो शेयर करते हुए पूछा है कि यह घटियां इंसान कौन है ? इसके जवाब में जब एक यूजर ने उन्हें रिप्लाय दिया कि वो साउथ इंडस्ट्री के बहुत बड़े एक्टर हैं तो हंसल ने उसे फिर रिप्लाय करते हुए लिखा- 'घटिया X 100'

बताते चलें कि यह पहली बार नहीं हैं जब बालकृष्ण ने किसी इवेंट में गुस्सा दिखाया है। इससे पहले भी कभी वो अपने असिस्टेंट डायरेक्टर तो कभी किसी प्रोड्यूसर को मारने को लेकर चर्चा में रहे हैं। वर्कफ्रंट पर वो जल्द ही फिल्म 'अखंडा 2' में नजर आ सकते हैं।

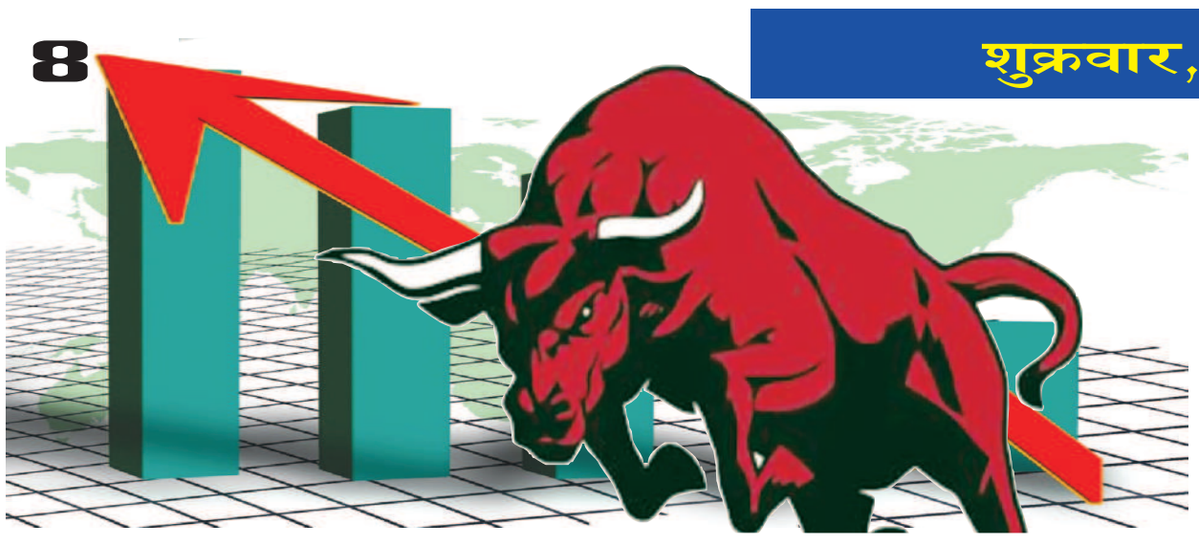

# चुनावी नतीजे से पहले दवाब में शेयर बाजार, बैंक शेयरों ने दिखाया दम, आईटी-मेटल में गिरावट

मुंबई, 30 मई (एजेंसियां)। गुरुवार को लगातार पांचवें दिन शेयर बाजार के कामकाज की समाप्ति कमजोरी के साथ हुई है. नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 216 अंक गिरकर 22488 अंक के लेवल पर बंद हुआ है जबकि बंबई स्टॉक एक्सचेंज का सेंसेक्स 617 अंक गिर कर 73 885 अंक के लेवल पर बंद हुआ है. शेयर बाजार में दिन के कामकाज में काफी उतार-चढ़ाव दर्ज किया गया, एक बार शेयर बाजार 800 अंक के गिरावट पर कामकाज कर रहा था. लोकसभा चुनाव के नतीजे आने से पहले शेयर बाजार में कमजोरी बढ़ गई है. शनिवार को आखिरी चरण की वोटिंग के बाद एग्जिट पोल के नतीजे आने शुरू हो जाएंगे जिससे पहले बाजार में सावधानी वाला कारोबार हो रहा है

**उतार-चढ़ाव भरा रहा कारोबार**

गुरुवार को शेयर बाजार के कामकाज में काफी उतार-चढ़ाव

देखा गया है. दिन के कामकाज में बीएसई सेंसेक्स 800 अंक तक गिर गया था, बाद में यह थोड़ा सँभलकर बंद हुआ. दिन के कामकाज में निफ्टी 22450 अंक के नीचे आ गया था. शेयर बाजार के कामकाज में गुरुवार को बैंकिंग शेयरों में काफी दम दिखा.

**बैंक शेयरों ने दिखाया दम**

गुरुवार को शेयर बाजार के कामकाज की समाप्ति पर आईसीआईसीआई बैंक, एक्सिस बैंक, एचडीएफसी बैंक और एसबीआई शेयर बाजार के टॉप गैनर्स की लिस्ट में शामिल थे जबकि टाटा स्टील, टेक महिंद्रा, टाइटन और पावर ग्रिड के शेयरों में कमजोरी थी. निफ्टी के सभी सेक्टोरल इंडेक्स में निफ़्टी बैंक हरे निशान में कामकाज कर रहा था जबकि बाकी सभी सेक्टोरल इंडेक्स लाल निशान में कामकाज कर रहे थे. शेयर बाजार के टॉप गैनर्स में लार्सन और कोटक बैंक के शेयर भी शामिल रहे.

**मल्टीबैगर शेयरों का हाल**

शेयर बाजार के निवेशकों को मल्टीबैगर रिटर्न देने वाली कंपनियों की बात करें तो इरकॉन इंटरनेशनल, भारत इलेक्ट्रॉनिक्स, एशियन पेंट्स, अशोक लीलैंड, इंजीनियर्स इंडिया, एचसीएल टेक, इंफोसिस, प्राज इंडस्ट्रीज, टाटा कंसलटेंसी सर्विसेज, ओएनजीसी, विप्रो और फिनोलेक्स इंडस्ट्रीज के शेयरों में कमजोरी दर्ज की गई.

**चुनावी नतीजे का बाजार पर असर**

शनिवार को देश में आखिरी चरण का लोकसभा चुनाव है जिसके बाद शाम को एग्जिट पोल के नतीजे सामने आने वाले हैं. उससे पहले शेयर बाजार में सावधानी भरा कारोबार देखा जा रहा है. शेयर बाजार और राजनीतिक जगत के बहुत से एक्सपर्ट को उम्मीद है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तीसरी बार सत्ता में आ जाएंगे लेकिन शेयर बाजार उन्हें मिलने वाले बहुमत के आंकड़े को लेकर चिंता जता रहा है. गुरुवार को गौतम अडानी ग्रुप की 10 लिस्टेड कंपनियों में से 6 के शेयर कमजोरी पर बंद हुए. अडानी एंटरप्राइजेज के शेयरों में दो फीसदी की गिरावट दर्ज की गई जबकि अडानी पावर लिमिटेड के शेयर तीन फ़ीसदी की तेजी पर बंद हुए हैं.

# गेहूं की रिकॉर्ड पैदावार के बाद भी महंगी हो गई रोटी, क्या छह साल बाद खुलेगा आयात

नई दिल्ली, 30 मई (एजेंसियां)। कृषि मंत्रालय की तरफ से फरवरी महीने में कहा गया था कि इस साल उन्हें 11.2 करोड़ टन फसल के उत्पादन की उम्मीद है. पिछले दो सालों से यानी साल 2022 और 2023 में बेमौसम बरसात और मौसम की मार के कारण सरकार के गेहूं भंडारण में कमी आई थी.

इस बार भले ही मौसम की मार और बारिश के कारण गेहूं की फसल प्रभावित हुई. खेतों से कटे हुए गेहूं को बारिश का पानी लग गया. लेकिन फिर भी गेहूं की पैदावार रिकॉर्ड स्तर पर हुई है. इसके बाद भी गेहूं के दाम कम होने के बजाय बढ़ रहे हैं.

**क्यों बढ़ रहे गेहूं के दाम**

इस सत्र में गेहूं का रिकॉर्ड उत्पादन हुआ है. लेकिन कुछ राज्यों में उत्पादन पर काफी असर हुआ. जिसके कारण इसके

दाम बढ़ते जा रहे हैं. केंद्र सरकार का खरीदी लक्ष्य भी पूरा नहीं हो पा रहा है. जिसके बाद यह सवाल उठ रहे हैं कि क्या गेहूं की कीमतों को नियंत्रित करने के लिए पिछले छह सालों से लगे आयात को हटाया जाएगा. या फिर गेहूं के दाम में और वृद्धि दर्ज होगी.

कृषि मंत्रालय की तरफ से फरवरी महीने में कहा गया था कि इस साल उन्हें 11.2 करोड़ टन फसल के उत्पादन की उम्मीद है. पिछले दो सालों से यानी साल 2022 और 2023 में बेमौसम बरसात और मौसम की मार के कारण सरकार के गेहूं भंडारण में कमी आई थी. इस साल भी कुछ राज्यों में मौसम के कारण फसलें प्रभावित हुई है.

**कितनी बढ़ी कीमतें**

उपभोक्ता मामलों के विभाग द्वारा जारी के अनुसार गेहूं की कीमतें बढ़ती जा रही है. अभी थोक गेहूं की कीमत में 5.3 प्रतिशत से ज्यादा की वृद्धि दर्ज हुई है. वहीं रिटेल गेहूं की कीमत में 6.5 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज हुई.

**इन तीन लक्ष्यों को पूरा करने के लिए सरकार करती है भंडारण**

सरकार एजेंसियों के माध्यम से गेहूं का भंडारण करती है. जिसके पीछे तीन मुख्य कारण है. इसमें पहला है मुफ्त में अनाज बांटने के लिए चलाई जा रही योजनाओं का लाभ लेने वाले 81 करोड़ से अधिक लाभार्थियों की पूर्ति करना. इसके अलावा बाजार अनाज की कीमत बढ़ने के बाद सप्लाई करके कीमत को नियंत्रित करना. इसके अलावा सरकार भविष्य की जरूरतों के लिए भी गेहूं का भंडारण करती है. पिछले तीन सालों से सरकार का लक्ष्य पूरा नहीं हो पा रहा है. कई किसान प्रिमियम किश्तों में फसले निजी व्यापारियों को बेच रहे हैं, जिसमें उन्हें ज्यादा मुनाफ़ा हो रहा है.

## हेल्थ इंश्योरेंस क्लेम के नियम बदले : कैशलेस क्लेम 3 घंटे के अंदर क्लीयर होंगे

नई दिल्ली, 30 मई (एजेंसियां)। एक बड़ी खबर हेल्थ इंश्योरेंस से जुड़ी रही। इंश्योरेंस रेगुलेटरी एंड डेवलपमेंट अथॉरिटी ऑफ इंडिया ने आज यानी 29 मई को एक मास्टर सर्कुलर जारी किया है। इसमें 55 सर्कुलर को निरस्त करते हुए हेल्थ इंश्योरेंस में पॉलिसी होल्डर को मिलने वाले सभी अधिकारों को एक जगह पर लाया गया है।

इंश्योरेंस रेगुलेटरी एंड डेवलपमेंट अथॉरिटी ऑफ इंडिया ने कल यानी 29 मई को एक मास्टर सर्कुलर जारी किया है। इसमें 55 सर्कुलर को निरस्त करते हुए हेल्थ इंश्योरेंस में पॉलिसी होल्डर को मिलने वाले सभी अधिकारों को एक जगह पर लाया है। इंश्योरेंस रेगुलेटरी एंड डेवलपमेंट अथॉरिटी ऑफ इंडिया ने कहा कि इंश्योरेंस करने वाली कंपनी को हॉस्पिटल से डिस्चार्ज रिक्वेस्ट मिलने के 3 घंटे के अंदर फाइनल अथॉराइजेशन देना होगा। इससे किसी भी स्थिति में पॉलिसी होल्डर को हॉस्पिटल से डिस्चार्ज के लिए इंतजार नहीं कराया जा सकता।

यदि, पॉलिसी होल्डर को डिस्चार्ज करने में 3 घंटे से ज्यादा की देरी होती है और हॉस्पिटल एक्स्ट्रा चार्ज लेता है तो इंश्योरेंस करने वाली कंपनी वह चार्ज वहन करेगी। इसका बोझ पॉलिसी होल्डर पर नहीं डाला सकता।

## सोने-चांदी की कीमत में गिरावट

नई दिल्ली, 30 मई (एजेंसियां)। सोने-चांदी की कीमतों में आज यानी 30 मई को गिरावट देखने को मिल रही है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के अनुसार 10 ग्राम 24 कैरेट सोना 423 रुपए सस्ता होकर 71,990 रुपए पर आ गया है। वहीं चांदी की बात करें तो आज एक किलो चांदी 1,438 रुपए सस्ती होकर 92,680 रुपए प्रति किलोग्राम में बिक रही है। इससे पहले 29 मई को चांदी 94,118 रुपए प्रति किलोग्राम पर थी।

**4 महानगरों और भोपाल में सोने की कीमत**

दिल्लीः 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 66,850 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 72,910 रुपए है।

मुंबईः 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 66,700 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 72,760 रुपए है।

कोलकाताः 10 ग्राम 22 कैरेट गोल्ड की कीमत 66,700 रुपए और 24 कैरेट 10 ग्राम सोने की कीमत 72,760 रुपए है। चेन्नईः 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 67,300 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 73,420 रुपए है।

## 14 साल बाद एसएंडपी एजेंसी ने बदला नजरिया, वित्त मंत्री बोलीं- 'सही ट्रैक पर दौड़ रही इंडियन इकोनॉमी'

नई दिल्ली, 30 मई (एजेंसियां)। भारतीय अर्थव्यवस्था दुनिया में सबसे तेजी से आगे बढ़ती हुई इकोनॉमी बनी हुई है और इस पर तमाम ग्लोबल एजेंसियों ने अपनी मुहर लगाई है. हाल ही में अमेरिकी रेटिंग एजेंसी एसएंडपी ने 14 साल के बाद भारत के आउटलुक में चेंज करते हुए इसे स्थिर से पॉजिटिव में तब्दील कर बड़ी लोकसभा इलेक्शन के बीच बड़ी खुशखबरी दी है. बता दें कि अंतिम चरण का मतदान बाकी है और आने वाली 4 जून को चुनाव नतीजे आने वाले हैं.

चुनाव से पहले इंडियन इकोनॉमी के लिए आई इस गुड न्यूज के बाद देश की वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा है कि सरकार के तीसरे कार्यकाल में भारत दुनिया की तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की राह पर है.

14 साल बाद भारत को लेकर बदला नजरिया

सबसे पहले बात कर लेते हैं कि 14 साल बाद एसएंडपी ग्लोबल द्वारा भारत को लेकर नजरिए में हुए बदलाव के बारे में, तो बता दें कि रेटिंग एजेंसी ने इंडिया आउटलूक रेटिंग को स्थिर से पॉजिटिव कर दिया है. इससे पहले आखिरी बार साल 2010 में इस रेटिंग को बदला गया था और तब एजेंसी ने रेटिंग परिदृश्य को नेगेटिव से बढ़ाकर स्टेबल किया था. दरअसल, कोरोना काल के बाद इंडियन इकोनॉमी ने जोरदार वापसी करते हुए सभी को चौंकाया है और इसकी रफ्तार अभी भी बरकरार है. यह भी एक वजह है कि रेटिंग एजेंसी ने करीब 14 साल बाद भारत की आउटलुक रेटिंग में बदलाव किया है.

यही नहीं अपनी रिपोर्ट में एसएंडपी ने कहा कि अगर भारत सतर्क राजकोषीय और मौद्रिक नीति को अपनाता है, जिससे सरकार के बढ़े हुए कर्ज और ब्याज का बोझ कम होता है, तो वह अगले दो साल में भारत की साख को बढ़ाने वाली साबित हो सकती है. अमेरिकी एजेंसी ने अपनी रिपोर्ट में यह भी कहा है कि भारत का राजकोषीय घाटा सार्थक रूप से कम होता है और जीडीपी के 7 फीसदी से नीचे आ जाता है, तो वह रेटिंग बढ़ा सकती है.

## भारत में बढ़ते भाव के बीच खूब इंपोर्ट की जा रही चांदी, 4 महीनों में ही 2023 का तोड़ा रिकॉर्ड

नई दिल्ली, 30 मई (एजेंसियां)। बीते कुछ महीनों से चांदी की कीमतों में लगातार उछाल देखने को मिल रहा है. चांदी मई महीने में 96 हजार रुपये प्रति किलो के हाई लेवल पर पहुंच गई थी, हालांकि बीते कुछ दिनों से कीमतों में गिरावट दर्ज की जा रही है. लेकिन अभी भी कीमतें आसमान छूती नजर आ रही है. इसी बीच भारत के लिए चांदी को लेकर एक गुड न्यूज आई है. साल 2024 के पहले चार महीनों में ही भारत साल 2023 में इंपोर्ट किए गए आंकड़े को पार कर गया है. दुनिया के सबसे बड़े चांदी उपभोक्ता द्वारा इंपोर्ट में बढ़ोतरी से वैश्विक कीमतों उछाल आ सकता है, जो एक दशक से अधिक समय में अपने उच्चतम स्तर के करीब कारोबार कर रही हैं.

**4 महीनों में किया 4,172 एमटी इंपोर्ट**

एक अधिकारी ने बताया कि भारत ने जनवरी से अप्रैल के दौरान रिकॉर्ड 4,172 मीट्रिक टन चांदी का आयात किया, जो एक वर्ष पहले इसी अवधि में आयात से 455 टन से अधिक है. उन्होंने आगे बताया कि भारत ने पिछले साल कुल 3,625 टन चांदी इंपोर्ट किया था. वहीं, एक प्राइवेट बुलियन इंपोर्टर बैंक के डीलर ने बताया, ₹औद्योगिक और निवेश मांग के कारण चांदी का आयात बढ़ रहा है.₹ पिछले एक दशक में चांदी की कीमतों ने सोने जितना अच्छा प्रदर्शन नहीं किया है, लेकिन निवेशकों को लगता है कि इस साल यह सोने से बेहतर प्रदर्शन करेगी.

**यूएई से सबसे ज्यादा किया गया इंपोर्ट**

स्थानीय चांदी वायदा को 96,493 रुपये ($1,158.01) प्रति किलोग्राम के रिकॉर्ड हाई लेवल पर पहुंच गया और 2024 में अब तक लगभग 28 फीसदी ऊपर है, जबकि सोने की कीमतों में 14 फीसदी की वृद्धि बढ़ोत्तरी हुई है.

## फेमा के उल्लंघन के बाद आरबीआई ने एचएसबीसी पर लगाया 36.38 लाख रुपये का जुर्माना

नई दिल्ली, 30 मई (एजेंसियां)। आरबीआई ने एचएसबीसी पर कार्रवाई के बाद 36.38 लाख रुपये का जुर्माना लगाया. जिसके बारे में केंद्रीय बैंक ने बयान जारी करके जानकारी दी कि फेमा कानून, 1999 की उदारीकृत धनप्रेषण योजना के अंतर्गत सूचना देने का प्रावधान है.

भारतीय रिजर्व बैंक के बनाए नियमों का उल्लंघन करने वाले बैंकों के खिलाफ आरबीआई सख्त कार्रवाई करता है. ऐसे ही विदेशी मुद्रा प्रबंधन अधिनियम यानी फेमा का उल्लंघन करने के बाद एचएसबीसी पर भारी जुर्माना लगाया गया है. स्विंग ट्रेडिंग में महारत, पूरे आत्मविश्वास के साथ ! शुरुआती ऑफर - 20-वर्षीय अनुभव वाले मार्केट दिग्गज की ओर से स्विंग ट्रेडिंग वेबिनार पर 33% की छूट। अभी रजिस्ट्रेशन करें!

**किस नियम का किया उल्लंघन**

आरबीआई ने एचएसबीसी पर कार्रवाई के बाद 36.38 लाख रुपये का जुर्माना लगाया. जिसके बारे में केंद्रीय बैंक (Central bank)ने बयान जारी करके जानकारी दी कि फेमा कानून, 1999 की उदारीकृत धनप्रेषण योजना के अंतर्गत सूचना देने का प्रावधान है. जिसका पालन एचएसबीसी द्वारा नहीं किया गया. इसलिए उस पर जुर्माना लगाया गया है.

**जारी किया था नोटिस**

जुर्माना लगाने से पहले आरबीआई ने एचएसबीसी के खिलाफ कारण बताओ नोटिस जारी किया था. जिसमें नियमों के उल्लंघन के बारे में सवाल किये गए थे. इस नोटिस के जवाब में बैंक ने न केवल लिखित जवाब पेश किया बल्कि मौखिक रूप से भी सवालों के जवाब दिए.

**उल्लंघन की हुई पुष्टि**

बैंक की तरफ से आये जवाब पर काफी सोच-विचार किया गया. जिसके बाद ही आरबीआई ने यह पाया कि नियमों का उल्लंघन हुआ है. जिसके कारण एचएसबीसी पर कार्रवाई के बाद 36.38 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया. इस कार्रवाई को आरबीआई ने उचित ठहराया.

**हीरो फिनकॉर्प लिमिटेड पर 3.1 लाख रुपये का जुर्माना**

आरबीआई ने हीरो फिनकॉर्प लिमिटेड से निष्पक्ष व्यवहार संहिता के प्रावधानों का पालन नहीं करने के कारण 3.1 लाख रुपये का जुर्माना वसूला था. इस वित्त वर्ष में आरबीआई द्वारा 16 सरकारी बैंक, 35 नियामक, 13 प्राइवेट बैंक, एक छोटे वित्त बैंक के साथ चार विदेशी बैंकों के खिलाफ भी कार्रवाई करके उनसे जुर्माना वसूला जा चुका है.

## वित्तीय वर्ष 2024-25 में वृद्धि दर 7% रहने का अनुमान, आरबीआई ने जारी की वार्षिक रिपोर्ट

नई दिल्ली, 30 मई (एजेंसियां)। भारतीय रिजर्व बैंक ने वित्तीय वर्ष 2023-24 के लिए अपनी वार्षिक रिपोर्ट जारी की है। केंद्रीय बैंक (आरबीआई) ने अप्रैल से शुरू होने वाले चालू वित्त वर्ष (2024-25) में भारतीय अर्थव्यवस्था के 7% की दर से बढ़ने की संभावना जताई है। आरबीआई ने 30 मई को जारी अपनी वार्षिक रिपोर्ट में कहा है कि मुद्रास्फीति के निर्धारित स्तर की ओर बढ़ने से खासतौर पर ग्रामीण क्षेत्रों में उपभोग मांग में तेजी आएगी।

रिपोर्ट के अनुसार बाह्य क्षेत्र की मजबूती और विदेशी मुद्रा भंडार, घरेलू आर्थिक गतिविधियों को वैश्विक प्रभावों से बचाएंगे। रिपोर्ट में यह कहा गया है कि भू-राजनीतिक तनाव, वैश्विक जिंस मूल्य में उतार-चढ़ाव, अनिश्चित मौसमी घटनाक्रम वृद्धि की संभावनाओं के लिए नकारात्मक जोखिम उत्पन्न करते हैं।

केंद्रीय बैंक ने अपनी रिपोर्ट में कहा है कि भारतीय अर्थव्यवस्था को एआई/एमएल प्रौद्योगिकियों को तेजी से अपनाने और बार-बार आने वाले जलवायु संबंधी झटकों से उत्पन्न चुनौतियों से निपटना होगा।

आरबीआई के अनुसार भारतीय अर्थव्यवस्था अगले दशक में व्यापक आर्थिक और वित्तीय स्थिरता के परिदृश्य में वृद्धि की गति को बढ़ाने के लिए अच्छी स्थिति में है। आरबीआई ने अपनी रिपोर्ट में यह भी कहा है कि बैंकों और कॉरपोरेट जगत की मजबूत बैलेंस शीट से समर्थित ठोस निवेश मांग के दम पर जीडीपी वृद्धि मजबूत है। बैंकों में पड़ी लावारिस जमा राशि 78,213 करोड़ रुपये हुई।

बैंकों में लावारिस जमा राशि मार्च 2024 के अंत में सालाना आधार पर 26 प्रतिशत बढ़कर 78,213 करोड़ रुपये हो गई है। जमाकर्ता शिक्षा और जागरूकता कोष के पास राशि मार्च 2023 के अंत में 62,225 करोड़ रुपये थी। सहकारी बैंकों सहित बैंक अपने खातों में 10 या इससे अधिक वर्षों से पड़ी खाताधारकों की अदावाकृत जमाराशियों को भारतीय रिजर्व बैंक के जमाकर्ता शिक्षा और जागरूकता (डीईए) निधि में ट्रांसफर कर देते हैं। जमाकर्ताओं को कई बैंकों में आसानी से और एक ही स्थान पर लावारिस जमाओं की खोज करने की सुविधा प्रदान करने के लिए, रिज़र्व बैंक ने एक केंद्रीकृत वेब पोर्टल उदगम - अनक्लेम्ड डिपॉजिट गेटवे टू एक्सेस इनफॉर्मेशन विकसित किया है।

## दैनिक पंचांग

### ग्रह गोचर

| ग्रह स्थिति | | लग्नारंभ समय | |
|---|---|---|---|
| सूर्य- | वृष में | वृष-- | 04-43 बजे |
| चंद्र- | कुंभ में | मिथुन.. | 06-44 बजे |
| मंगल | मीन में | कर्क... | 08-56 बजे |
| बुध- | मेष में | सिंह... | 11-08 बजे |
| गुरु- | वृष में | कन्या.. | 13-15 बजे |
| शुक्र- | वृष में | तुला..... | 15-19 बजे |
| शनि- | कुंभ में | वृश्चिक.. | 17-30 बजे |
| राहु- | मीन में | धनु..... | 19-43 बजे |
| केतु- | कन्या में | मकर... | 21-50 बजे |
| | | कुंभ.... | 23-40 बजे |
| | | मीन... | 01-19 बजे |
| | | मेष.... | 02-54 बजे |

श्री कालयुक्त संवत्सर-विक्रम संवत-2081
शक संवत- 1946 सूर्य -उत्तरायणे - ऋतु -ग्रीष्म
महावीर निर्वाण संवत -2550,हिजरी सन् -1444
कलियुग अवधि-432000 सूर्योदय - 05-44 सूर्यास्त. - 18-43
भोग्य कलि वर्ष-426875
कलियुग संवत -5125 वर्ष,
कल्पारंभ संवत -1972949125
सृष्टि ग्रहारंभ संवत-1955885125
दिशाशूल -- पश्चिम - दही खाकर घर से निकले
तिथि- अष्टमी 09-38 तक उपरान्त नवमी
मास - ज्येष्ठ कृष्ण , शुक्रवार 31 May
नक्षत्र - शतभिषा 06-13। तक उपरान्त पूर्वभाद्रपद
योग - विषकुंभ 18- 04 तक उप प्रिति
करण- कौलव 09-38 तक उप तैतिल
विशेष:- गुरु तारा समाप्त रात मे
व्रत -त्योहार -

विशेष:- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश क लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए।

**राहुकाल 10:36 से 12:14 तक**

पं महेशचन्द्र शर्मा मो.9247132654,8309517693

| दिन का चौघड़िया | | रात का चौघड़िया | |
|---|---|---|---|
| चंचल | 05:44 - 07:20 शुभ | रोग | 18:43 - 20:08 अशुभ |
| लाभ | 07:20 - 08:58 शुभ | काल | 20:08 - 21:30 अशुभ |
| अमृत | 08:58 - 10:36 शुभ | लाभ | 21:30 - 22:52 शुभ |
| काल. | 10:36 - 12:14 अशुभ | उत्पात | 22:52 - 24:14 अशुभ |
| शुभ. | 12:14 - 13:52 शुभ | शुभ | 24:14 - 01:36 शुभ |
| रोग | 13:52 - 15:30 अशुभ | अमृत. | 01:36 - 02:58 शुभ |
| उत्पात | 15:30 - 17:08 अशुभ | चंचल . | 02:58 - 04:20 शुभ |
| चंचल | 17:08 - 18:43 शुभ | रोग | 04:20 - 05:44 अशुभ |

### आपका राशिफल

**मेष** (चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,)

धन से संबंधित कुछ समस्याए आ सकती है । आपको ये समझना होगा की कौन सा खर्च जरुरी और गैर जरुरी है अन्यथा आपको वित्तीय संकट से गुजरना पड़ सकता है । अगर आप अपनी आय बढ़ाना चाहते है तो आपको कुछ नवीनतम प्रोद्योगिकी का समावेश करना होगा और वो आप पर निर्भर करेगा की आप उसका कितना फायदा उठा सकते है।

**वृष** (ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,)

आपके कार्यस्थल पर कोई अपने घमंड में अपनी उपलब्धियों को गिना सकता है , परन्तु आप बुरा न माने क्यों की वह आपको बुरा महसूस कराना चाहता है। आपने इस अनुपात में पहले ही इन उपलब्धियों को छुआ है । वित्तीय मोर्चे पर आप को पहले ही आपकी जरुरत या उससे ज्यादा ही मिला है जिसे आप संजोके रख सकते है ।

**मिथुन** (का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,)

आज आप एक चिंतनशील अवस्था में रहेंगे । आज आपके उस काम में उत्कृष्टता प्राप्त करने की संभावना है जिसमे गहरी सोच और चिंतन शामिल हो । आज शिक्षक , प्रचारकों , वकील, विवादकर्ताओं और राजनेताओं के अपने अपने कार्य क्षेत्र में अच्छा प्रदर्शन करने की संभावना है। हालांकि, कम ध्यान की वजह से आपको समस्या का सामना करना पड़ सकता है ।

**कर्क** (ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,)

आप लंबे समय से एक ही परियोजना पर काम कर रहे है , इसलिए आपका दिन आज आपको नीरस लग सकता है। ये आपकी प्रगति के लिए हानिकारक है , इसलिए जितनी जल्दी हो सके बदलाव लाने के लिए आप कोशिश करे । हालांकि तब तक अपने सहकर्मियों के साथ सौहार्दपूर्ण रिश्ते का आनंद लें क्योंकि उनमें से एक बहुत सुरक्षित रूप से आपको संगठन से बाहर का रास्ता खोजने में मदद कर सकता है!

**सिंह** (मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,)

आज कार्य क्षेत्र में आप किसी गलतफहमी का शिकार हो सकते है , लेकिन अपने सहकर्मियों की आलोचना न करे ।आप ग्रहों के प्रभाव की वजह से तनाव और गुस्से में आ सकते है और आप इसकी भड़ास अपने सहयोगियों पर निकाल सकते है । इसकी वजह से आपके कार्यस्थल में अनावश्यक और अतिरिक्त तनाव पैदा होगा और यहां तक कि वह आपके स्वास्थ्य को भी प्रभावित कर सकता है ।

**कन्या** (टो, पा, पी, पू ,ष, ण, ठ, पे ,पो,)

आज आपको छिपे हुए शत्रु से सावधान रहने की जरुरत है जो की आपके कार्य क्षेत्र में आपको नुकसान पंहुचा सकते है। वे आपके बारे में अति गोपनीयता से आपके बारे में गलत बाते आपके मालिक तक पंहुचा सकते है जिसका साक्ष्य भी आपको मिल सकता है अंत सावधान रहने की जरुरत है ।

**तुला** (रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,)

आप अपने कार्य क्षेत्र में कुछ भ्रमित है और काफी समय से कुछ प्रश्न आपकी परेशानिया बढ़ा रहे है । आज इसका हल आपको नजर आ सकता है । आप इस विचार पर अडिग रहे और समाधान निकलने की कोशिश करे चाहे वह कितना भी अटपटा या अजीब लगे । अगर आप कुछ जोखिम लेंगे तो आपको अत्यधिक लाभ होगा जो अपने सोचा भी न होगा ।

**वृश्चिक** (तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,)

आप एक किसी ऐसे व्यक्ति से मिलेंगे जो आपको एक आकर्षक कैरियर के अवसर प्रदान करेगा । हालांकि,इसे स्वीकार करने से पहले परिणाम के बारे में लम्बा और कठिन सोचने की जरूरत है क्योंकि सब चमकती हुई चीज़ सोना नहीं होती । ये आप के आस पास के लोगों को प्रभावित करेगा लेकिन ये दिन इस तरह के एक महत्वपूर्ण निर्णय लेने के लिए उतना अच्छा नहीं है ।

**धनु** (ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे)

आपने हाल ही में जो कड़ी मेहनत की है , उसकी हर दिशा से सराहना होगी । आपको एक बोनस या एक लंबे समय से वेतन वृद्धि की चाह थी वो पूरी हो सकती है । आपको एक अच्छे वित्तीय अवसर की पेशकश भी की जा सकती है , जिसकी अपेक्षा आपको नहीं थी । हालाँकि ये एक बहुत बड़ा नहीं है , परन्तु यह संतोष की एक अच्छी भावना के रूप में आप में भर जाएगा।

**मकर** (भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी)

आज आपको अपने कार्यस्थल पर सावधानी बरतनी आवश्यक है। आप ये भूल रहे है , की आज के आधुनिक कार्यालयों में कुछ भी छुपा हुआ नहीं है , इसलिए आपको स्थितियों के मुताबिक खुद को ढालना पड़ सकता है । आज आपको विवेक की जरुरत है और अगर आप उसे अनदेखा करते है , तो आपको अपने करियर के संदर्भ में कीमत चुकानी पड़ सकती है , इसलिए चौकन्ना रहने की जरुरत है ।

**कुंभ** (गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,)

कुछ हफ्तों से एक प्रवृत्ति को बल मिल रहा था और उसका परिणाम आज दिखाई देगा। परिणाम दोहन करने के लिए अपने आप को तैयार रखे । योग्य व्यक्तियों से मेल जोल बढ़ा कर रखे । सकरात्मक बातचीत से एक अभिनव व्यापार विचार को गति मिलेगी । जो आपके पास है उससे आपको संतुष्ट रहना चाहिए । लालच को बढ़ने न दे।

**मीन** (दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची)

आपका व्यवहार आज याद रखने योग्य होगा । अपने लाभ के लिए इसका प्रयोग करें । लोगों से मिले एवं उनसे सकरात्मक बातचीत करे। । एक सकारात्मक शरीर की भाषा बनाए रखें। यहाँ से एक नया अवसर अंकुरित हो सकता है । यह एक नई परियोजना शुरू करने के लिए एक अच्छा सप्ताह है । अपने संगठन कौशल को याद रखे और अपने आप को व्यवस्थित रखे ।

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र

# गूगल पर सर्च कर पॉश कॉलोनियों में चोरी करते थे

## मास्टरमाइंड पर 8 राज्यों में 100 से ज्यादा मुकदमे, गैंगस्टर को मारकर अपराध की दुनिया में आया सतपाल फौजी

अजमेर, 30 मई (एजेंसियां)। गूगल पर पॉश कॉलोनियों के बारे में जानकारी जुटा कर वहां रेकी कर लाखों का माल पार करने वाले मास्टरमाइंड सहित 3 लोगों को अजमेर पुलिस ने दिल्ली से गिरफ्तार किया है। इनकी वारदात का तरीका भी फिल्मी था। ये लोग लग्जरी गाड़ियां लेकर कॉलोनियों में घूमते और वहां ताला लगे मकानों की रेकी करते। आसपास ये जानने की कोशिश करते कि मकान मालिक कब तक लौटेगा। इसके बाद वारदात को अंजाम देकर राज्य छोड़ देते।

इसका मास्टरमाइंड पूर्व फौजी है। जिसपर 8 राज्यों में 100 से अधिक मुकदमे दर्ज हैं। पत्नी की हत्या के मामले में सजा काट कर बाहर आने के बाद सतपाल फौजी ने एक गैंगस्टर को मारकर अपराध की दुनिया में कदम रखा था। अजमेर में मार्च 2024 में एक घर से हुई लाखों की लूट के बाद पुलिस ने साइबर टीम गठित कर सतपाल को देर रात दिल्ली से गिरफ्तार किया गया। इसके बाद आज गुरुवार को एसपी देवेंद्र विश्नोई ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर मामले की जानकारी दी।

एसपी बिश्नोई ने बताया कि

किशनगढ़ में मार्च 2024 में सुरेंद्र सिंह सोढ़ा नाम के पीड़ित के घर दिनदहाड़े चोरी की वारदात को अंजाम दिया गया था। जिसमें नगदी और लाखों रुपए के जेवरात चोरी किए गए थे। इसके साथ ही दो अन्य घरों में भी किशनगढ़ में चोरी की वारदातों को अंजाम दिया गया था। मामले में ग्रामीण एडिशनल एसपी दीपक कुमार के नेतृत्व में स्पेशल और साइबर सहित थाने की टीम का गठन कर कार्रवाई के निर्देश दिए गए थे।

एसपी ने बताया कि टीम ने जयपुर, अलवर, भिवाड़ी, झुंझुनू, हरियाणा, गुरुग्राम, मानेसर, हिसार, भिवानी, दिल्ली में जाकर दबिश दी थी। इसके बाद पुलिस टीम ने मुख्य आरोपी को चिन्हित कर कार्रवाई करते हुए दिल्ली से मास्टरमाइंड जिला गुरुग्राम हरियाणा निवासी सतपाल सिंह उर्फ फौजी (43) पुत्र ओमपाल सिंह, विकास शर्मा उर्फ पवन शर्मा (36) पुत्र दामोदर निवासी झुंझुनूं, विक्रमजीत (31) पुत्र रामचंद्र निवासी महेंद्रगढ़ हरियाणा को गिरफ्तार किया। साथ ही, चोरी का माल खरीदने वाले गुरुग्राम हरियाणा निवासी जितेंद्र उर्फ जोनी (39) को गिरफ्तार किया है। जिससे वारदात में उपयोग में ली गई कार और चोरी किए गए 16 लाख के सोने-चांदी के जेवरात बरामद किए हैं। पुलिस ने जब फौजी से पूछताछ की तो सामने आया कि फौजी की पत्नी ने 2004 में पारिवारिक कारणों के चलते सुसाइड कर लिया था। इसके बाद सतपाल सिंह को दहेज हत्या के मामले में जेल हुई थी। जेल से छूटने के बाद उसने फौजी की नौकरी छोड़ने के बाद हरियाणा स्थित घर लौट गया था। उसने फौजी की नौकरी छोड़ दी थी। करीब वह 8 साल फौजी की नौकरी कर रहा था।

पूछताछ में सामने आया कि जेल में रहने के दौरान उसकी दोस्ती अन्य बदमाशों से दोस्ती हो गई थी। जब वह जेल से बाहर आया तो अपने प्लॉट पर कब्जा किए हुए गैंगस्टर की गोली मारकर के हत्या कर दी थी। इसी के बाद से ही सतपाल सिंह अपराध जगत में सक्रिय हो गया था। सतपाल उत्तर प्रदेश, गुजरात, राजस्थान, मध्य प्रदेश, पश्चिम बंगाल, हरियाणा, महाराष्ट्र और दिल्ली में वारदात कर चुका है।

# तेज गर्मी से 150 चमगादड़ों की मौत

## शहर में छाया साल 2008 जैसा माहौल

कोटा, 30 मई (एजेंसियां)। हाड़ौती के कोटा में तेज गर्मी पक्षियों की जान लेने लगी है। जानलेवा हुई गर्मी से चमगादड़ों की बड़ी संख्या में मौत होने का मामला सामने आया है। कोटा में 48 डिग्री अधिकतम तापमान बना हुआ है। आज बुधवार को भी तेज गर्मी और लू का प्रकोप बना हुआ है। वन्यजीव प्रेमी एएच जैदी ने बताया कि कोटा में करीब 150 चमगादड़ों की मौत हो गई। पहले भी साल 2008 में पारा 46 डिग्री के पार चला गया था।

# एसबीआई की दीवारों पर लिखे गए 'पाकिस्तान जिंदाबाद' और 'पंजाब मुक्त' के नारे

## विधायक बालमुकुंदाचार्य ने पुलिस से की शिकायत

जयपुर, 30 मई (एजेंसियां)। जिले से एक हैरान कर देने वाली खबर सामने आ रही है। यहां शहर की दीवारों पर पाकिस्तान जिंदाबाद के नारे लिखे गए हैं, जिसको लेकर विधायक बालमुकुंदाचार्य ने आक्रोश व्यक्त किया है। साथ ही पुलिस को भी इस घटना के बारे में शिकायत दी है। शहर के चौड़ा रास्ता वाले इलाके में बैंक वाली गली के बाहर एसबीआई की दीवारों ये नारे लिखे गए हैं। विधायक ने आरोपियों के गिरफ्तारी की भी मांग की है। विधायक ने इसे लेकर एक वीडियो भी जारी किया है।

**गुजरते समय दीवार पर पड़ी नजर**

मिली जानकारी के मुताबिक, विधायक बालमुकुंदाचार्य किसी काम से वहां से गुजर रहे थे, कि तभी उनकी नजर दीवार पर लिखे गए नारों पर पड़ी, जिस पर विधायक बालमुकुंदाचार्य गुस्सा हुए और पुलिस से इसकी

शिकायत की। दीवारों पर चार से पांच जगह 'पाकिस्तान जिंदाबाद' और 'पंजाब मुक्त' के नारे लिखे गए। विधायक ने आरोपी को तुरंत पकड़ने की मांग की। जिसके बाद अब पुलिस बैंक के पास लगे कैमरों से को खंगालेगी। विधायक बालमुकुंदाचार्य ने अपने वीडियो में कहा कि आज जयपुर शहर चौड़ा रास्ता पर एसबीआई बैंक की दीवारों पर 4-5 जगह पाकिस्तान जिंदाबाद के स्लोगन लिखे गए हैं, जिसे देख मन व्यथित हुआ। पुलिस प्रशासन को इसकी जानकारी दे दी गई है। ऐसे आसामाजिक तत्व को कड़ी सजा मिलनी चाहिए।

भारत में रहकर भारत विरोधी गतिविधि में कोई संलिप्त है तो उसे सजा होनी चाहिए।

# चोरी-छिपे गांजे की खेती करने के आरोप में एक व्यक्ति गिरफ्तार

## आरोपी से बरामद 2330 पौधे भी जब्त

सिरोही, 30 मई (एजेंसियां)। रोहिड़ा पुलिस ने गुरुवार को चोरी-छिपे गांजे की खेती करने के मामले में कार्रवाई की है। पुलिस ने खेत में बोए गए 153.600 किलोग्राम हरे गांजे के 2330 पौधे जब्त कर खेती करने के आरोप में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है।

पुलिस के अनुसार टीम ने लालाराम पुत्र भुराजी गरासिया के खेत में बोए गए हरे गांजे के 2330 पौधे जब्त किए। इनका कुल वजन 153.600 किलोग्राम है। इस मामले में आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है। कार्रवाई में रोहिड़ा पुलिस थाना के सहायक उपनिरीक्षक छैल सिंह, कांस्टेबल कालूराम, अमन कुमार एवं जितेंद्र सिंह सम्मिलित रहे।

# सरिस्का में बढ़ा टाइगर का कुनबा, 6 शावकों का जन्म

## टाइग्रेस एसटी-22 और टाइग्रेस एसटी-27 बनी मां, बाघिन एसटी-14 बनी नानी

अलवर, 30 मई (एजेंसियां)। टाइगर रिजर्व फॉरेस्ट सरिस्का में टाइगर का कुनबा बढ़ा है। टाइग्रेस एसटी-22 और टाइग्रेस एसटी-27 मां बनी है। दोनों के कुल 6 शावक हुए है। अब सरिस्का में कुल टाइगर की संख्या 40 हो गई है। सरिस्का डीएफओ महेंद्र शर्मा ने बताया कि टाइग्रेस एसटी-22 ने 4 शावक दिए हैं। दो दिन पहले ही टाइग्रेस एसटी-27 अपने दो शावकों के साथ दिखी थी। इस तरह सरिस्का में 6 नए शावक नजर आए हैं। पिछले 3 महीने में 10 शावक पैदा हुए हैं। टाइग्रेस एसटी-27 पहली बार मां बनी है। टाइग्रेस पानी में नहाते समय मंगलवार को कैमरा ट्रैप में नजर आई थी। टाइग्रेस वाटरहॉल में है और शावक पानी के बाहर दिखे थे। ये करीब 2 महीने के शावक हैं। टाइग्रेस पहली बार मां बनी है। यह टाइग्रेस एसटी-14 की बेटी है और 4 साल की है। बाघिन एसटी-

27 के मां बनने के बाद बाघिन एसटी-14 भी नानी बन गई है। एसटी-27 बाघिन एसटी-14 की बेटी है। वन विभाग बाघिन एसटी-27 की गतिविधियों पर नजर रखे हुए है। टाइग्रेस एसटी- 22 ने दूसरी बार सबसे ज्यादा शावक देने वाली टाइग्रेस बन गई है। यह 4 शावकों के साथ कैमरा ट्रैप में दिखाई दी है। यह एसटी 10 की बेटी है। 2008 में बाघ के सरिस्का में आने के बाद किसी भी बाघिन ने 4 शावकों को जन्म दिया है। दोनों बाघिनों का क्षेत्र सरिस्का टाइगर रिजर्व के तालवृक्ष रेंज में है। इससे पहले टाइग्रेस एसटी-12 ने एक बार में चार शावकों को जन्म दिया था पिछले तीन महीनों में ही सरिस्का में 10 शावकों को कैमरे में कैद किया गया है। सरिस्का में कुल टाइगर की संख्या 40 हो गई है।

# राजस्थान के लोगों को कब मिलेगी भीषण गर्मी से राहत

## आईएमडी ने दी जानकारी

जयपुर, 30 मई (एजेंसियां)। इस समय हर कोई भीषण गर्मी से परेशान है। इसमें भी सबसे ज्यादा राजस्थान के लोग परेशान हैं क्योंकि अभी वहां सबसे प्रचंड गर्मी देखने को मिल रही है। इस साल की गर्मी में वहां तापमान 50 डिग्री के भी पार चला गया। पिछले 24 घंटों में चुरू में अधिकतम तापमान 50 डिग्री सेल्सियस के पार दर्ज किया गया। इसके अलावा राजस्थान के कई इलाकों में भीषण गर्मी का प्रकोप जारी है। ऐसे में लोगों के मन में एक ही सवाल आता है कि उन्हें इस प्रचंड गर्मी से कब राहत मिल सकती है। अगर आपके मन में भी यह सवाल है तो इस खबर में आपको उसका जवाब मिलने वाला है।

**भीषण गर्मी से कब मिलेगी राहत?**

राजस्थान की गर्मी को लेकर जयपुर आईएमडी के निदेशक राधेश्याम शर्मा ने जरूरी जानकारी दी है। उन्होंने बताया, '31 मई को राजस्थान में पश्चिमी विक्षोभ देखने को मिल सकता है। इस कारण राजस्थान के कई इलाकों में आंधी तो कई इलाकों में धूल

भरी आंधी और हल्की बारिश हो सकती है।' इस वजह से अगले 48 घंटों में तापमान में 2 से 4 डिग्री की गिरावट हो सकती है।

**चुरू में मौसम का सबसे अधिक तापमान 50 के पार**

मौसम विज्ञान केंद्र के जयपुर के मुताबिक कल यानी मंगलवार को चुरू में मौसम का सबसे अधिक तापमान 50.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ जो सामान्य से 7.5 डिग्री ज्यादा था। वहीं पिलानी में अब तक का सबसे अधिक तापमान 49 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया है।

**विपक्ष ने सरकार पर बोला हमला**

राज्य में पड़ रही भीषण गर्मी के बीच पानी की कमी को लेकर विपक्ष ने सरकार पर निशाना साधा है। मंगलवार को राजस्थान कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने सीएम भजन लाल शर्मा पर निशाना साधा और बोले, 'लोगों को पानी की दिक्कत हो रही है मगर हमारे सीएम अपने साथियों के साथ भारत भर की यात्रा पर निकल गए हैं। यहां तापमान 55 डिग्री सेल्सियस है, पानी की कमी हो रही है मगर मुख्यमंत्री और उनके साथ भारत भर की यात्रा पर निकल गए हैं।'

# सहायक पुलिस आयुक्त के नाम पर 60 हजार की रिश्वत लेते दलाल गिरफ्तार

जोधपुर, 30 मई (एजेंसियां)। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) ने जोधपुर में 60 हजार की सहायक पुलिस आयुक्त के नाम पर रिश्वत लेते दलाल को रंगे हाथों गिरफ्तार किया। एसीबी के महानिदेशक डॉ. रवि प्रकाश मेहरडा ने बताया एसीबी जोधपुर इकाई को परिवादी ने शिकायत दी थी। शिकायत में बताया था कि पुलिस थाना सरदारपुरा में दर्ज दो मामलों में मदद की एवज में जांच अधिकारी छवि शर्मा सहायक पुलिस आयुक्त वृत पश्चिम जोधपुर के नाम पर दलाल नवीन दत्त एक लाख रुपये की रिश्वत राशि की मांग रहा है। इस पर एसीबी उदयपुर के उपमहानिरीक्षक राजेंद्र प्रसाद गोयल के सुपरविजन में एसीबी जोधपुर इकाई के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक चक्रवर्ती सिंह राठौर के नेतृत्व में शिकायत का सत्यापन किया गया। इसके बाद पुलिस निरीक्षक मनीष वैष्णव और सुनीता कुमारी ने दलाल नवीन दत्त को परिवादी से 60 हजार की रिश्वत राशि लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया।

# ट्रेंड करते-करते ट्रोल होने लगे रविंद्र सिंह भाटी

## राजस्थान की जनता लगा रही 'जातिवादी' का ठप्पा

जयपुर, 30 मई (एजेंसियां)। राजस्थान की सबसे बड़ी लोकसभा सीट से निर्दलीय चुनाव लड़ रहे शिव विधायक रविंद्र सिंह भाटी सोशल मीडिया पर ट्रेंड करते-करते आज अचानक ट्रोल होने लगे। लोगों ने भाटी की तस्वीरें शेयर करते हुए 'जातिवादी' होने का ठप्पा लगाया, जिसके चलते एक्स पर टॉप ट्रेंड चार्ट में सबसे ऊपर नजर आने लगा। राजस्थान की जनता भाटी से पूछ रही है कि एक अपराधी के मरने पर निर्दलीय विधायक इतना दुखी क्यों है? क्या युवा नेता की स्वजातीय से कोई मर्डर भी करे तो भी दोषी नहीं है? क्या ऐसे अपराधी के लिए धरना देना चाहिए?

**बाड़मेर जेल में कैदी की मौत के बाद धरने से बवाल**

इन सभी सवालों को बुधवार सुबह बाड़मेर जिला कारागृह में हुई एक विचारधीन कैदी की संदिग्ध मौत से जोड़कर देखा जा रहा है, जिसको लेकर प्रदेशभर में सियासत गरमाई हुई है। हत्या के

मामले में जेल गए मृतक आरोपी के परिजन इलाज में लापरवाही का आरोप लगाते हुए जेल प्रशासन पर सवाल खड़े कर रहे हैं। उनका कहना है कि मृतक कैदी पिछले 20 दिनों से बीमार था, लेकिन पुलिस प्रशासन ने उसके इलाज में लापरवाही बरती, जिस कारण जेल में ही उसकी मौत हो गई। दोषियों पर कार्रवाई की मांग को लेकर मृतक कैदी के परिजन कल से कारागृह के सामने धरने पर बैठे हैं। उनके समर्थन में रविंद्र सिंह भाटी भी धरने पर बैठ गए हैं और उन्होंने आज महापड़ाव की चेतावनी दी हुई है। जिला प्रशासन के साथ कई दौर की बातचीत के बाद भी इस विवाद का कोई हल निकलता हुआ नजर नहीं आ रहा है। ऐसे में उम्मीद की जा रही है कि भाटी आज महापड़ाव का ऐलान कर सकते हैं। लेकिन इससे पहले ही सोशल मीडिया पर उनकी ट्रोलिंग शुरू हो गई है। गुरुवार सुबह से ही रविंद्र सिंह भाटी के समर्थक जेल के बाद जुटने लगे हैं, जिस कारण वहां भीड़ बढ़ने लगी है। रविंद्र सिंह का आरोप है कि जेल में 150 कैदियों की क्षमता के विरुद्ध 300 के करीब कैदी भरी हुए हैं। ऐसे में बंद कैदियों को भीषण गर्मी के चलते काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। इसी कारण कैदी जय सिंह की मौत हुई है। बीमार होने के बावजूद जेल प्रशासन ने उसका उचित इलाज नहीं कराया, जिस कारण उसने बीमारी से लड़ते हुए दम तोड़ दिया। भाटी की मांग है कि मामले में हत्या का मामला दर्ज कर दोषी अधिकारियों के विरुद्ध तुरंत कार्रवाई की जाए।

# शिक्षामंत्री बोले-कांग्रेस ने एक भी इंग्लिश मीडियम स्कूल नहीं खोला

## सिर्फ हिंदी मीडियम स्कूलों का नाम बदला शिक्षक भर्ती प्रक्रिया का रिव्यू कर रही है सरकार

जयपुर, 30 मई (एजेंसियां)। पिछले दिनों शिक्षा विभाग की ओर से जारी एक लेटर चर्चा में रहा। इसमें राजस्थान में चल रहे 2000 से ज्यादा महात्मा गांधी इंग्लिश मीडियम स्कूलों के रिव्यू करने की बात कही गई थी। लेटर के बाद इन स्कूलों में पढ़ने वाले बच्चों और उनके परिजनों में असमंजस की स्थिति हो गई कि स्कूल इंग्लिश मीडियम में चलेंगे या हिंदी मीडियम में। शिक्षा मंत्री से बात की और पूछा कि क्या सरकार महात्मा गांधी इंग्लिश मीडियम स्कूल बंद करने जा रही है। इसके अलावा स्कूलों में रिक्त चल रहे पदों पर भर्तियां कब होगी। क्या लोकसभा चुनाव के

परिणाम मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा का भविष्य तय करेंगे। ऐसे तमाम सवाल पूछे, जिनका शिक्षा मंत्री ने जवाब दिया। शिक्षा विभाग में रिक्त चल रहे पदों पर भर्ती करने के लिए हमारी सरकार तैयारी कर रही है। हम कोशिश करेंगे कि जल्द से जल्द भर्ती प्रक्रिया शुरू कर सभी रिक्त पदों को भरा जाए, ताकि शैक्षणिक और गैर शैक्षणिक कार्य सही तरीके और सही समय पर पूरे हो सके।

# पैंथर के खौफ के चलते आज भी पार्क में पर्यटकों की एंट्री बंद

## नहीं पकड़ा गया तेंदुआ

जोधपुर, 30 मई (एजेंसियां)। जोधपुर के माचिया सफारी पार्क में घुसा पैंथर गुरुवार को तीसरे दिन भी वन विभाग की पकड़ में नहीं आया है। यहां पैंथर ने गत रविवार रात को 13 काला चिंकारों का शिकार किया था। वन विभाग ने पार्क के कई क्षेत्रों में उसे ट्रैक करने के लिए पिंजरे लगाए हैं। सतर्कता बरतते हुए माचिया सफारी पार्क में पर्यटकों का प्रवेश आगामी आदेशों तक बंद कर दिया गया है। इधर, हिरणों की मौत पर वन्यजीव प्रेमियों ने रोष जताते हुए माचिया सफारी पार्क के बाहर प्रदर्शन किया। जोधपुर शहर के आसपास सबसे पहले गत 12 मार्च को पैंथर के पैरों के निशान देखे गए थे। इसके कुछ वीडियो भी सामने आए। उसके बाद

विभाग ने कई जगहों पर ऑपरेशन भी चलाया, लेकिन पैंथर पकड़ में नहीं आया। हाल ही में चौखा क्षेत्र में फिर से पैंथर का मूवमेंट देखा गया था। अब चौखा की पहाड़ियों के अंदर से होते हुए पैंथर माचिया तक पहुंच गया। वन विभाग पिछले ढाई महीने से जिस पैंथर को जगह-जगह तलाश रहा था, वह माचिया सफारी पार्क में देखा गया है। उसने रविवार रात को पार्क में तेरह चिंकारों का शिकार किया। यहां कैमरों में पैंथर की मूवमेंट भी नजर आई है।

इससे वन विभाग अलर्ट मोड पर आ गया। पैंथर फिर से वहीं पर शिकार करने के लिए आएगा। इसी आशंका को लेकर विभाग ने चिंकारा के पिंजरों के पास पैंथर को पकड़ने के लिए पिंजरा लगाया है। पार्क में छोटे नाले व पैंथर के छिपने के लिए कई जगह हैं। इन सभी स्थानों पर अब वन विभाग की टीम निगरानी रख रही है। उप वन संरक्षक (वन्यजीव) ने मामले की गंभीरता को देखते हुए बुधवार से आगामी आदेशों तक माचिया पार्क बंद रखने के आदेश दिए हैं। इस पैंथर ने गत रविवार रात को काले हिरणों के पिंजरे में घुसकर एक के बाद एक 13 काले हिरणों पर हमला कर दिया था।

# रेलवे कर्मचारी की गला काटकर हत्या

## सरकारी क्वार्टर में आधी रात को घुसा बदमाश, 10 साल के बेटे ने भागते हुए देखा

कोटा, 30 मई (एजेंसियां)। कोटा में रेलवे कर्मचारी की हत्या का मामला सामने आया है। बदमाश बुधवार रात चाकू लेकर उसके घर में घुसा और गर्दन पर वार कर जान से मार दिया। कर्मचारी की पत्नी और दो बेटे कमरे में ही सो रहे थे। बड़े बेटे ने बदमाश को देखा है। उसका कहना है, वह काले रंग के कपड़े में था। वहीं पत्नी को वारदात का पता तक नहीं चला। पुलिस मामले की जांच कर रही है। घटना कोटा के रेलवे कॉलोनी थाना इलाके की है। कर्मचारी शंभू कुमार(35) रेलवे वर्कशॉप में काम करता था और मूल रूप से केशोरायपाटन बूंदी का रहने वाला है। वह अपने पिता नंदकिशोर की जगह नौकरी पर लगा था। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

रेलवे कॉलोनी थाने के एएसआई जगदीश प्रसाद ने बताया- वारदात बुधवार रात करीब दो-ढाई बजे के करीब की है। वारदात के समय कर्मचारी की पत्नी मंजू, बड़ा बेटा प्रिंस (10) और छोटा बेटा डूग्गु (7) घर में ही थे। घर में आने के दो दरवाजे हैं, एक सामने और एक पीछे का दरवाजा है। सामने का दरवाजा तो लॉक था लेकिन बदमाश पीछे के दरवाजे से अंदर घुसा।

# डेस्टिनेशन वेडिंग ट्रेंड से राजस्थान टूरिज्म को लगेंगे पंख

## जोधपुर के पूर्व महाराजा बोले- 'हर तरह के लोकल वेंडर को मिलेगा रोजगार'

जोधपुर, 30 मई (एजेंसियां)। राजस्थान ऐतिहासिक और सांस्कृतिक दृष्टि से समृद्ध राज्य है। अब डेस्टिनेशन वेडिंग ट्रेंड में है। जब देश-विदेश से लोग आकर राजस्थान में डेस्टिनेशन वेडिंग करेंगे तो इससे दुनिया को राजस्थान की गौरवान्वित करने वाली संस्कृति से जुड़ने का मौका मिलेगा। साथ ही स्थानीय लोगों के लिए रोजगार के अवसर भी बढ़ेंगे। यह बात जोधपुर के पूर्व महाराजा गज सिंह ने बुधवार को उम्मेद भवन पैलेस में आयोजित कार्यक्रम कही। यहां राजस्थान पर्यटन विभाग और फेडरेशन ऑफ हॉस्पिटैलिटी एंड टूरिज्म ऑफ राजस्थान के संयुक्त तत्वावधान में आगामी 13 से 15 सितंबर 2024 को जयपुर के बिड़ला ऑडिटोरियम में होने जा रहे चौथे राजस्थान डोमेस्टिक ट्रेवल मार्ट को लेकर जोधपुर के उम्मेद भवन पैलेस में आयोजित स्टेक होल्डर मीट में 'वेडिंग इन इंडिया-अपॉर्च्युनिटी फोर राजस्थान' विषय पर बतौर की-नोट स्पीकर चर्चा कर रहे थे। इस अवसर पर उन्हें एफएचटीआर के चीफ पेट्रन के सम्मान से नवाजा गया। इस वर्ष आरडीटीएम की थीम 'वेडिंग, इंसेंटिव, कॉन्फ्रेंस और इवेंट' रखी गयी है। इसमें

200 से ज्यादा एग्जिबिटर्स, 1300 से अधिक बायर्स और 7 हजार से ज्यादा विजिटर्स के आने की संभावनाएं जताई जा रही है। हिज हिजाइनेंस गज सिंह इस मौके पर संबोधित करते हुए यह भी कहा कि राजस्थान प्रेम, त्याग व बलिदान की धरती है, यहां डेस्टिनेशन वेडिंग में जब लोग आएंगे तो उन्हें हेरिटेज हॉटल्स में रॉयल लिविंग का एहसास होगा। पर्यटन विभाग की प्रमुख शासन सचिव गायत्री राठौड़ ने कहा कि पर्यटन बिना धुएं वाला उद्योग है। अब हम एक्सपीरिएंशियल टूरिज्म की ओर बढ़ रहे हैं। पर्यटक हमारे यहां आते हैं वे अच्छा अनुभव करें, ये अनुभव जब दुनिया तक पहुंचेंगे तो पर्यटन को पंख लगेंगे। इसके लिए उन्होंने रूरल टूरिज्म को प्रेरित करने की बात कही। उन्होंने सभी स्टेक होल्डर्स से राजस्थान टूरिज्म में रजिस्टर्ड होने की अपील की। विभाग की निदेशक डॉ. रश्मि शर्मा ने कहा कि सेक्टर हॉल्डर्स की इस तरह की मीट से विभाग को पॉलिसी बनाने में मदद मिलती है। आरडीटीएम के चौथे संस्करण से पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा। एफएचटीआर और होटल एंड रेस्टोरेंट एसोसिएशन के अध्यक्ष कुलदीप सिंह चंदेला ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने हाल ही मेड इन इंडिया की अवधारणा पर जोर दिया। दुनिया में राजस्थान वेडिंग डेस्टिनेशन के लिए अलग पहचान रखता है।

# हिन्दी पत्रकारिता देश में लोकतंत्र की मजबूती के लिए अद्भुत कार्य कर रही है : बंडारू दत्तात्रेय

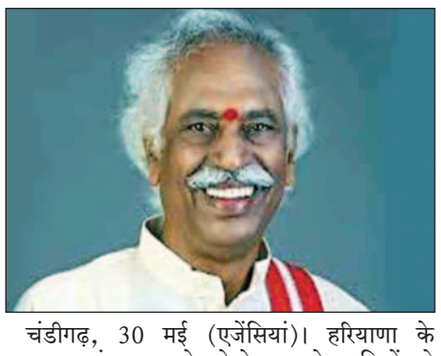

चंडीगढ़, 30 मई (एजेंसियां)। हरियाणा के राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय ने देश व प्रदेशवासियों को हिन्दी पत्रकारिता दिवस की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि देश की स्वतंत्रता प्राप्ति में हिन्दी पत्रकारिता का महान योगदान रहा है। आज हिन्दी पत्रकारिता देश में लोकतंत्र की मजबूती के लिए अद्भुत कार्य कर रही है। हिन्दी पत्रकारिता दिवस मनाना उन तमाम पत्रकारों को श्रद्धासुमन है, जिन्होंने हिन्दी पत्रकारिता को अपना जीवन समर्पित किया।

पंडित जुगल किशोर शुक्ल हिन्दी पत्रकारिता के मशाल वाहक माने जाते हैं। उन्होंने 30 मई 1826 को उदंत मार्तण्ड साप्ताहिक समाचार पत्र निकालकर हिन्दी पत्रकारिता की शुरूआत की। इस समाचार पत्र के बाद हिन्दी व अन्य भाषाओं के साथ-साथ विभिन्न भाषाओं में समाचार पत्र प्रकाशित हुए और जनसंचार के क्षेत्र में देश की आवाज बने। इन्हीं की बदौलत जन-जन में स्वतंत्रता प्राप्ति का जोश पैदा हुआ, जिसके परिणामस्वरूप देश को 15 अगस्त 1947 में आजादी मिली।

राज्यपाल दत्तात्रेय ने कहा कि स्वतंत्रता प्राप्ति में मीडिया विशेषकर हिन्दी पत्रकारिता ने एक हथियार का काम किया। उन्होंने कहा कि देश की प्रेस ने आजादी प्राप्ति में तो एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई ही थी, आज के दौर में भी हिन्दी पत्रकारिता अपना दायित्व बखूबी निभा रही है। सरकार द्वारा चलाई जा रही जनकल्याणकारी योजनाओं को लोगों तक पहुंचाने और जनमानस की समस्याओं को सरकार व प्रशासन तक पहुंचाने में हिन्दी पत्रकारिता मजबूत सेतु की भूमिका में हैं। दत्तात्रेय ने कहा कि सोशल मीडिया के दौर में आज हिन्दी पत्रकारिता का महत्व और बढ़ा है। देश के सबसे ज्यादा भू-भाग में हिन्दी भाषा बोली जाती है। इसलिए जनसंचार में हिन्दी पत्रकारिता एक प्रभावी माध्यम है। सोशल मीडिया, प्रिन्ट मीडिया, इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के क्षेत्र में आज अनेकों युवा हिन्दी पत्रकारिता में अपना भविष्य बना रहे हैं। दत्तात्रेय ने सभी पत्रकारों और पाठकों के साथ-साथ मीडिया से जुड़े सभी लोगों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं।

# बाबुल फिल्म्स सोसाइटी एनजीओ द्वारा विश्व पर्यावरण दिवस कल से

हैदराबाद, 30 मई (स्वतंत्र वार्ता)। बाबुल एनजीओ के अध्यक्ष गंगाधर पांडे ने विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर कहा कि बाबुल फिल्म्स सोसाइटी एनजीओ को 2012 में गैर-लाभकारी संस्था के रूप में पंजीकृत किया गया था, जिसका मिशन पारंपरिक वकालत के तरीकों के अलावा लघु वीडियो और सोशल मीडिया का उपयोग करके पर्यावरण, जैव विविधता और सतत विकास के बारे में जागरूकता फैलाना है। संस्थापक गणधर पांडे ने अपना करियर पर्यावरण के मुद्दों के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए समर्पित किया। वह एक प्रशिक्षित अभिनेता हैं। उन्होंने अंग्रेजी, हिंदी और तेलुगु फिल्मों में अभिनय किया है, वह एमएए और एएटीटी के आजीवन सदस्य हैं।

उन्होंने पर्यावरण और सिनेमा में अपने जुनून को आगे बढ़ाने के लिए समय से पहले सेवानिवृत्ति ले ली। आठवां बाबुल इको फिल्म फेस्टिवल (बीईएफएफ) 1 से 5 जून तक पांच दिनों के लिए बाबुल एनजीओ द्वारा विश्व पर्यावरण दिवस का उत्सव है। इस फेस्टिवल में दुनिया भर से सर्वश्रेष्ठ और नवीनतम ग्रीन फिल्मों का चयन किया जाएगा, जो पर्यावरण, जलवायु और परिवर्तन, समुद्री जैव विविधता, वायु और जल प्रदूषण आदि पर विविध दृष्टिकोण पेश करेंगे।

स्क्रीनिंग कई स्थानों जैसे जीएनआईटीएस (शेखपेट), रामानायुडू फिल्म स्कूल (फिल्मनगर), लामाकान (बंजारा हिल्स), श्री सारथी स्टूडियो (अमीरपेट) और एएनएआर इको स्क्रीन रूम बाबुल एनजीओ (शेखपेटनाला) हैदराबाद में आयोजित की जाएगी। कुछ फिल्म निर्माता वर्चुअली जुड़ेंगे। फिल्म स्क्रीनिंग के अलावा, कई साइड इवेंट, इको-गेम्स और मजेदार गतिविधियां जैसे इकोतंबोला, फनडूचैलेंज, इकोशूट, इकोफिट, इकोकार्टून आदि भी होंगा।

# जालसाज ने ठगा, पीड़ित ने अपने खाते से 1,12,238 रुपये गंवाए

हैदराबाद, 30 मई (स्वतंत्र वार्ता)। आईसीआईसीआई बैंक से कॉल करने का नाटक करने वाले एक जालसाज ने शहर के 54 वर्षीय निजी कर्मचारी को रुपे क्रेडिट कार्ड की पेशकश की। जालसाज ने पीड़ित से अपना आधार और पैन कार्ड विवरण देने के लिए कहा और व्हाट्सएप के जरिए पीड़ित को एक लिंक भेजा। इसे वैध मानकर पीड़ित ने सारी जानकारी दे दी। कुछ ही समय बाद पीड़ित ने अपने क्रेडिट कार्ड पर धोखाधड़ी के आरोप देखे और अपने मोबी क्विक खाते पर अनधिकृत गतिविधि का अनुभव किया। पीड़ित को अपने खाते से 1,12,238 रुपये की राशि के कई अनधिकृत डेबिट का संकेत देने वाले संदेश मिले। जब पीड़ित ने ग्राहक सहायता से संपर्क किया, तो उन्होंने उसे बताया कि उस समय उसके मोबी क्विक वॉलेट में कोई धनराशि नहीं होने के बावजूद चार से पांच लेन-देन हुए थे। हालांकि, पीड़ित को केवल तीन लेन-देन संदेश प्राप्त हुए। ऐसा प्रतीत होता है कि जालसाज पीड़ित के खाते में पैसे जमा कर रहे हैं और तुरंत ही उसे निकाल कर खाते का दुरुपयोग कर रहे हैं। इसके बाद पीड़ित ने आईसीआईसीआई ग्राहक सेवा से अपने खाते को ब्लॉक करने का अनुरोध किया। पीड़ित ने आवश्यक कार्रवाई का अनुरोध किया। पुलिस ने सलाह देते हुए कहा कि जालसाज उपयोगकर्ताओं को संवेदनशील जानकारी प्राप्त करने के लिए लुभाने के लिए धोखाधड़ी वाले फ़ोन नंबर, टेक्स्ट संदेश, आवाज़ बदलने वाले सॉफ़्टवेयर और सोशल इंजीनियरिंग का उपयोग करते हैं। आम तौर पर जालसाज फ़िशिंग फ़ोन कॉल के दौरान आपसे व्यक्तिगत जानकारी और वित्तीय विवरण साझा करने का प्रयास करते हैं। जालसाज कह सकता है कि आपके खाते से छेड़छाड़ की गई है और केवाईसी लंबित है।बैंक अधिकारी, वित्तीय संस्थान, आरबीआई और कोई भी वास्तविक संस्था कभी भी ग्राहकों से उपयोगकर्ता नाम, पासवर्ड, क्रेडिट कार्ड विवरण /सीवीवी/ ओटीपी जैसी गोपनीय जानकारी साझा करने के लिए नहीं कहती है। कभी भी इन गोपनीय विवरणों को किसी के साथ साझा न करें, यहां तक कि अपने परिवार के सदस्यों और दोस्तों के साथ भी नहीं। फ़िशिंग कॉल आम तौर पर आपके मन में डर पैदा करने की कोशिश करते हैं और ज़्यादातर लोग अपनी संवेदनशील जानकारी दे देते हैं। हालांकि, अगर आपको अपने हितों की सुरक्षा के बारे में कोई वास्तविक संदेह है, तो आपको अपने बैंक/वित्त संस्थान में जाकर खुद से संपर्क करना चाहिए। अगर वे साइबर वित्तीय धोखाधड़ी का शिकार हो जाते हैं, तो उन्हें सलाह दी जाती है कि वे तुरंत साइबर अपराध हेल्पलाइन नंबर 1930 पर डायल करके या जाकर इसकी रिपोर्ट करें।

# बीडीएल नराकास राजभाषा पुरस्कार से सम्मानित

हैदराबाद, 30 मई(स्वतंत्र वार्ता)। रक्षा मंत्रालय के उद्यम भारत डायनामिक्स लिमिटेड को वर्ष 2023-24 के लिए बड़े उपक्रमों की श्रेणी में नगर स्तर पर राजभाषा के उत्कृष्ट कार्यनिष्पादन के लिए राजभाषा ट्रॉफी से सम्मानित किया गया।

नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (उपक्रम), हैदराबाद- सिकंदराबाद की 59वीं अर्द्धवार्षिक बैठक में यह पुरस्कार समिति के अध्यक्ष एवं सी एम डी, ई सी आई एल अनुराग कुमार ने होमनिधि शर्मा, उप महाप्रबंधक (मानव संसाधन - राजभाषा), बी डी एल को प्रदान किया।

इस अवसर पर मिश्र धातु निगम लिमिटेड के सी एम डी डॉ संजय कुमार झा तथा राजभाषा विभाग के उप निदेशक (कार्यान्वयन), दक्षिण क्षेत्र अनिर्बान कुमार विश्वास, हिंदी शिक्षण योजना, हैदराबाद की उप निदेशक डॉ. बेला कक्कड़ सहित नगरद्वय स्थित उपक्रमों के प्रधान तथा राजभाषा अधिकारी उपस्थित थे।

## पति और ससुराल वालों ने दहेज के लिए महिला की पिटाई की

हैदराबाद, 30 मई (स्वतंत्र वार्ता)। बंजारा हिल्स के मधुरानगर में एक महिला को उसके पति और ससुराल वालों ने दहेज के लिए बेरहमी से पीटा। महिला की उम्र करीब 28 साल है और उसकी शादी चार साल पहले येल्लारेड्डीगुडा निवासी कार चालक अखिल हुसैन (42) से हुई थी। शादी के समय महिला के माता-पिता ने दंपत्ति को चार तोला सोना, 2 लाख रुपये नकद और अन्य सामान उपहार के रूप में दिया था। पुलिस ने कहा, महिला ने अपनी शिकायत में बताया कि पति और ससुराल वाले उसे अतिरिक्त पैसे के लिए प्रताड़ित कर रहे थे। मामला दर्ज कर लिया गया है और जांच चल रही है।

## युवक घनपुर एनीकट में डूबा

हैदराबाद, 30 मई (स्वतंत्र वार्ता)। मेदक जिले के पापन्नापेट मंडल में बुधवार रात को 22 वर्षीय एक युवक घनपुर एनीकट में डूब गया। पीड़ित पेड्डा शंकरमपेट मंडल के बुर्जनपल्ली का निवासी दोवुरी किरण कुमार था। किरण, मैकेनिक का काम करता है, अपने दोस्तों के साथ बुधवार शाम को श्री वन दुर्गाभवानी मंदिर एडुपयाला में भगवान की पूजा करने के लिए पहुंचा था। फिर, वह नहाने के लिए घनापुर एनीकट में चला गया।

# अग्रणी महिला मंच का कॉलेज रिटर्न कार्यक्रम संपन्न

हैदराबाद, 30 मई (स्वतंत्र वार्ता)। अग्रणी महिला मंच द्वारा हिमायत नगर में कॉलेज रिटर्न कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें लगभग 125 महिलाओं ने भाग लिया। कार्यक्रम में विविध प्रतियोगिताएं हुई जिसमें अलका चौधरी, वंदना सुनील अग्रवाल, मीनू गुप्ता, पूजा गुप्ता, कौशल्या सोनी, वनिता गर्ग विजेता रहीं। अवसर पर अध्यक्षा सुमन भुवानिया, बबिता गर्ग, रितु गर्ग, टीना खंडेलवाल, श्वेता खंडेलवाल, सुनयना नरसरिया, शीतल बंसल, रूपा गुप्ता, रीता अग्रवाल, स्मिता शाह, संगीता बिंदल, रितु गोयल, श्रद्धा सुखिया, सोनिया गोयल, नीता अग्रवाल, सपना जैन, संतोष अग्रवाल एवं पवन भुवानिया आदि उपस्थित थे।

# यूटीआई और दक्षिण-मध्य रेलवे के बीच समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर

हैदराबाद, 30 मई (स्वतंत्र वार्ता)। यूनियन बैंक ऑफ इंडिया के प्रतिबद्ध नेतृत्व ने ग्राहक सेवा और अभिनव दृष्टिकोण के साथ अपने दायरे का विस्तार करने के अपने दृष्टिकोण के अनुरूप अपने कर्मचारियों को शामिल करने के लिए 30 मई को दक्षिण मध्य रेलवे (एससीआर) के साथ समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए।

इस अवसर पर पी. किशोर बाबू, आईआरपीएस, प्रमुख मुख्य कार्मिक अधिकारी-एससीआर, कारे भास्कर राव, मुख्य महाप्रबंधक, यूनियन बैंक ऑफ इंडिया, हैदराबाद क्षेत्र, जी.आर.एस. राव, आईआरपीएस, मुख्य कार्मिक अधिकारी/प्रशासक-एससीआर, सी.वी.एन.भास्कर राव, महाप्रबंधक, यूनियन बैंक ऑफ इंडिया, विजयवाड़ा क्षेत्र उपस्थित थे। इस अवसर पर, कारे भास्कर राव, सी.जी.एम. ने उपस्थित लोगों को बैंक द्वारा दी जाने वाली विभिन्न सेवाओं के बारे में जानकारी दी तथा यूनियन बैंक ऑफ इंडिया सुपर सैलरी अकाउंट की प्रमुख विशेषताओं जैसे 100.00 लाख रुपये का निःशुल्क व्यक्तिगत दुर्घटना बीमा, 200.00 लाख रुपये का निःशुल्क हवाई दुर्घटना बीमा कवर, 10.00 लाख रुपये का निःशुल्क समूह अवधि जीवन बीमा के बारे में बताया। परिवार के लिए रियायती स्वास्थ्य बीमा, डेबिट कार्ड पर दुर्घटना बीमा, क्रेडिट कार्ड जारी करना, अस्थायी ओवरड्राफ्ट सुविधा, ऋण में रियायती आरओआई तथा प्रसंस्करण शुल्क जैसी विभिन्न अन्य विशेषताओं पर भी जोर दिया गया। श्री पी. किशोर बाबू, आईआरपीएस ने विभिन्न पहलों के माध्यम से समाज को दी जाने वाली सेवाओं के लिए यूनियन बैंक ऑफ इंडिया की सराहना की तथा आम जनता के लिए कई सरकारी प्रायोजित योजनाओं को लागू करने के लिए बैंक की सराहना की, जो विशेष रूप से ग्राहकों के विभिन्न वर्गों की जरूरतों को पूरा करने के लिए तैयार की गई हैं। उन्होंने विशेष रूप से इस बात पर प्रकाश डाला कि विशेष रूप से तेलंगाना और आंध्र प्रदेश में रेलवे स्टेशनों के आसपास यूनियन बैंक ऑफ इंडिया की शाखाओं का व्यापक नेटवर्क एससीआर कर्मचारियों को उनकी बैंकिंग जरूरतों में सहायता करेगा। इस महत्वपूर्ण अवसर पर एम.बी.मुरलीधर, आईआरपीएस, डीसीपीओ-एससीआर, अजय कुमार, जीएम, यूबीआई, ए.रवि कुमार - डीजीएम-यूबीआई, एम.अरुण कुमार, डीजीएम-यूबीआई, यूबीआई के क्षेत्रीय प्रमुख तथा अधिकारी और विभिन्न ट्रेड यूनियनों के शीर्ष नेता तथा कर्मचारी उपस्थित थे।

# निजामाबाद में 122 मॉडिफाइड साइलेंसर पुलिस द्वारा नष्ट

निजामाबाद, 30 मई(स्वतंत्र वार्ता)। मॉडिफाइड साइलेंसर का इस्तेमाल करनेवाले लोगों को सख्त संदेश देने के लिए ट्रैफिक पुलिस ने गुरुवार को 122 साइलेंसर को बुलडोजर के नीचे कुचल दिया। पुलिस ने चेतावनी दी है कि साइलेंसर को मॉडिफाई करनेवाले मोटर चालकों के खिलाफ आपराधिक कार्रवाई की जाएगी।

निजामाबाद ट्रैफिक एसीपी टी नारायण के अनुसार, जब्त की गई बाइक में से ज्यादातर रॉयल एनफील्ड और पल्सर हैं। उन्होंने कहा कि बाइक को जब्त कर लिया गया और तभी छोड़ा गया जब वाहन के मालिक ने मूल साइलेंसर लाकर लगाया। मोटरसाइकिलों पर साइलेंसर को मॉडिफाई करने से न केवल यातायात नियमों का उल्लंघन होता है बल्कि वायु प्रदूषण भी बढ़ता है।

इसके अलावा, इससे ध्वनि का स्तर बढ़ जाता है, जो लोगों के स्वास्थ्य के लिए गंभीर खतरा पैदा करता है। पुलिस ने बताया कि ये संशोधित साइलेंसर लोगों के ध्यान भटकाने और घबराहट का कारण भी बन सकते हैं, जिसके परिणामस्वरूप वे अपने वाहन का संतुलन खो सकते हैं और चोटिल हो सकते हैं।

# पारसीगुटा में सम्मान समारोह कार्यक्रम आयोजित

हैदराबाद, 30 मई (स्वतंत्र वार्ता)। पारसीगुटा स्थित श्री आईमाता मंदिर में प्रवासी समाज बन्धुओं के सानिध्य में भाजपा विधायक केसाराम चौधरी के सम्मान में बुधवार 29 मई सायं 4 बजे से कार्यक्रम आयोजित किया गया।

सीरवी समाज सचिव किशनसिंह राठौड़ ने बताया कि सम्मान समारोह कार्यक्रम आयोजित किया गया। माई की पुजा-अर्चनाकर सीए जसाराम बर्फा ने कार्यक्रम के बत्तौर मुख्यअतिथि मारवाड़ जंक्शन विधायक केसाराम चौधरी, सम्मानित अतिथि सीरवी समाज अध्यक्ष चोलाराम हाम्बड़, भाजपा प्रवासी अध्यक्ष सोहनसिंह राजपुरोहित, बैंगलोर सीरवी समाज पूर्व अध्यक्ष नाथुराम सीरवी, मुकनपुरा गौशाला अध्यक्ष पुखराज आगलेचा, भाजपा संयोजक पंकज सीरवी को मंच पर आमंत्रितकर अध्यक्ष व समाज बन्धुओं ने राजस्थानी साफा, पुष्प-माला व शॉल से विशेष सम्मान किया। विधायक केसाराम चौधरी ने चौथी बार मारवाड़ जंक्शन विधानसभा क्षेत्र से विधायक बनने पर प्रवासी बन्धुओं द्वारा दिये गये सहयोग के लिए आभार प्रकट किया। पिछली राजस्थान कांग्रेस सरकार पर निशाना साधते हुए बताया कि राजस्थान में केन्द्र सरकार द्वारा हर घर बिजली, हर नल में पानी की योजनाओं को सही तरीके से लागु नही करने के कारण ही आम जनता को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। प्रवासी बन्धुओं की राजस्थान के लिए प्रतिदिन रैल चलाने की मागं को वे रैल मंत्री से मिलकर अतिशीघ्र समाधान की कोशिश करेंगे। जसाराम बर्फा, परबत सोलंकी, जसवन्त देवड़ा ने विधायक बनने पर केसाराम चौधरी को शुभकामनाएं दी। अध्यक्ष चोलाराम हाम्बड़ ने आभार प्रकट किया। कार्यक्रम के सफल आयोजन में कालुराम काग, ओकाराम सोलंकी, खरताराम, मोतीलाल, मांगीलाल आगलेचा, तेजाराम गेहलोत, वोराराम, डूंगाराम सिन्दड़ा, भगाराम, प्रकाश सोयल, पुखाराम सीरवी, दुर्गाराम सोलंकी व बहुत से समाज बन्धु उपस्थित रहे। मंच का संचालन सोहनसिंह राजपुरोहित एवं कोषाध्यक्ष जसवन्त देवड़ा के धन्यवाद ज्ञापन से कार्यक्रम का समापन हुआ।

## परिजनों ने लगाया डॉक्टरों पर लापरवाही का आरोप

मंचेरियाल, 30 मई (स्वतंत्र वार्ता)। बेलमपल्ली के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में गुरुवार को इलाज के बाद एक महिला की मौत हो गई। उसके माता-पिता और परिजनों ने आरोप लगाया कि स्वास्थ्य केंद्र के डॉक्टरों की लापरवाही के कारण उसकी मौत हुई। कोयला क्षेत्र की निवासी भाग्यलक्ष्मी (48) ने गुरुवार सुबह मंचेरियाल के एक अस्पताल में भर्ती होने के दौरान दम तोड़ दिया। बुधवार रात को स्वास्थ्य केंद्र के डॉक्टरों ने उसे इंजेक्शन लगाया, जिसके बाद उसकी हालत बिगड़ गई।

बुखार और उल्टी की शिकायत के बाद उसे स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया था। उसके पति ने आरोप लगाया कि डॉक्टरों ने भाग्यलक्ष्मी का इलाज करने में लापरवाही बरती, जिससे उसकी मौत हो गई। उसने कहा कि ड्यूटी पर मौजूद डॉक्टर ने उससे पूछा तो उसने कहा कि वह उसकी मौत के लिए जिम्मेदार नहीं है। उसने अधिकारियों से स्वास्थ्य केंद्र के डॉक्टरों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने की मांग की।

## उत्सवी माहौल में स्कूल खोले जाएं : धोत्रे

आसिफाबाद, 30 मई (स्वतंत्र वार्ता)। कुमरम भीम आसिफाबाद के जिला कलेक्टर वेंकटश धोत्रे ने कहा कि स्कूल जाने वाले प्रत्येक पात्र बच्चे को स्कूल जाना सुनिश्चित किया जाना चाहिए।

एकीकृत जिला कार्यालय भवन परिसर के कॉन्फ्रेंस हॉल में मंडल एवं जिला संघ के अध्यक्ष सचिवों, सर्फ एवं मेपमा स्टाफ के साथ आयोजित बैठक में अपर कलेक्टर दीपक तिवारी, जिला शिक्षा अधिकारी अशोक, जिला ग्रामीण विकास अधिकारी सुरेंद्र एवं जिला महिला संघ अध्यक्ष त्रिवेणी ने भाग लिया। इस माह की 3 से 19 तारीख तक बडीबाटा कार्यक्रम का आयोजन किया जायेगा। उन्होंने कहा कि बड़ीबाटा को सिर्फ एक कार्यक्रम नहीं समझा जाना चाहिए। हर बच्चे का स्कूल में नामांकन कराना सभी की जिम्मेदारी है।

# कोत्तागुडेम में सीपीआई (एम) के दो क्षेत्रीय समिति सदस्यों ने पुलिस के समक्ष आत्मसमर्पण किया

कोत्तागुडेम, 30 मई(स्वतंत्र वार्ता)। सीपीआई (माओवादी) के दो क्षेत्रीय समिति सदस्यों ने गुरुवार को जिला पुलिस, सीआरपीएफ 81 बटालियन और 141 बटालियन के अधिकारियों के समक्ष आत्मसमर्पण कर दिया। पुलिस अधीक्षक बी रोहित राजू ने बताया कि छत्तीसगढ़ राज्य के सुकमा जिले के चिंतागुप्पा का मदकम लिंगा उर्फ राकेश 2009 में माओवादियों के मिलिशिया कमांडर येरा के कहने पर माओवादियों में शामिल हो गया था।

2010 तक मिलिशिया सदस्य के रूप में काम करने के बाद, उसे हरिभूषण की सुरक्षा टीम में स्थानांतरित कर दिया गया और 2014 में उसे क्षेत्रीय समिति सदस्य के रूप में पदोन्नत किया गया और वह मनुगुर क्षेत्र एलजीएस कमांडर के रूप में काम कर रहा था। लिंगा की पत्नी मादिवी गंगी उर्फ सुनीता 2011 में चेरला मिलिशिया कमांडर पोडियम जयराम की मौजूदगी में माओवादियों में शामिल हुई और 2013 तक चैतन्य नाट्य मंडली (सीएनएम) सदस्य के रूप में काम किया। एक वर्ष तक मिलिशिया सदस्य के रूप में सेवा करने के बाद वह 2014 में हरिभूषण सुरक्षा दल में शामिल हुई और 2018 में लिंगा से विवाह किया। बाद में उसे क्षेत्र समिति सदस्य के रूप में पदोन्नत किया गया। दंपति सीपीआई (माओवादी) की विचारधाराओं और शीर्ष नेतृत्व द्वारा उत्पीड़न से परेशान थे। वे जिला पुलिस के 'ऑपरेशन चेयुथा' से प्रभावित थे और सामान्य जीवन जीने के लिए पुलिस के सामने आत्मसमर्पण करने का फैसला किया, रोहित राजू ने कहा। इस जनवरी से, दो डिप्टी कमांडरों, पांच क्षेत्र समिति सदस्यों, पांच दलम सदस्यों और पांच मिलिशिया सदस्यों सहित 17 माओवादियों ने जिले में पुलिस के सामने आत्मसमर्पण कर दिया बाद में एसपी ने सरकार द्वारा स्वीकृत इनाम कोवासी गंगा उर्फ महेश उर्फ जनार्दन और उसकी पत्नी सोदी उंगी उर्फ झांसी को सौंप दिया, जिन्होंने हाल ही में जिला पुलिस के सामने आत्मसमर्पण किया था। सरकार ने उन दोनों पर 4 लाख रुपये का इनाम घोषित किया था। इस अवसर पर एडिशनल एसपी (ऑपरेशन) टी सैमनोहर, भद्राचलम एएसपी परितोष पंकज, चेरला सीआई राजू वर्मा, एसआई नरसी रेड्डी और अन्य मौजूद थे।

# अग्रवाल समाज तेलेंगाना की 85वीं शाखा गठित

हैदराबाद, 30 मई(स्वतंत्र वार्ता)। अग्रवाल समाज तेलेंगाना द्वारा अग्रवाल समाज अशोक नगर शाखा का गठन किया गया और एबिड्स स्थित अग्रवाल समाज कार्यालय के परिसर में अशोक नगर शाखा का प्रारंभ हुआ। शाखा विस्तार कमिटी के चेयरमैन संजय पसरी ने नई शाखा के गठन का प्रस्ताव रखा और अग्रवाल समाज के पदाधिकारियों द्वारा इस शाखा के निर्माण प्रस्ताव का अनुमोदन कर इस शाखा को नियमित शाखा के रूप में स्वीकृति प्रदान की।

शाखा विस्तार समिति के चेयरमैन संजय पसारी ने बताया कि इस शाखा में अभी तक कुल 51 सदस्य है और गर्व की बात यह है कि इस में 10 महिला सदस्य है और 8 युवा वर्ग से है। सत्यनारायण गुप्ता इस शाखा के संस्थापक अध्यक्ष होंगे। जय कुमार भरतिया उपाध्यक्ष, हेमन्त अग्रवाल मानद मंत्री, सुलभ ( सुशील) अग्रवाल कोषाध्यक्ष, सह मंत्री राहुल अग्रवाल एवं फ़क़ीर चंद बंसल केंद्रीय समिति सदस्य के रूप में चयनित किए गए । अग्रवाल समाज के अध्यक्ष मनीष अग्रवाल ने पूजा गुप्ता को भी इस नयी शाखा के गठन में उनके अथक प्रयास और परिश्रम के लिए धन्यवाद दिया और कहा कि इसी प्रकार समाज की अन्य महिलाओं को भी समाज के कार्यों में आगे बढ़ना चाहिए।

उपाध्यक्ष पुरषोत्तम अग्रवाल, मानद मंत्री कपूर चंद, कोषाध्यक्ष नवीन अग्रवाल ने इस नयी शाखा के गठन के लिए बधाई दी और नवीन सदस्यों को समाज की गतिविधियों की संक्षिप्त जानकारी दी जिससे उन्हें भविष्य के लिए प्रेरणा मिलेगी। इस अवसर पर मीडिया कमिटी चेयरमैन अजय कुमार अग्रवाल, अशोक नगर शाखा सदस्य पूजा गुप्ता, रामगोपाल गोयल, लता गोयल, महेश अग्रवाल आदि उपस्थित थे ।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

# टीम इंडिया के हालात हैं चिंताजनक

## बगैर 'फॉर्म' कैसे बनेगा वर्ल्ड कप जीत का 'फॉर्मूला'?

नई दिल्ली, 30 मई (एजेंसियां)। सिर्फ 6 महीने ही तो बीते हैं, भारतीय टीम धमाकेदार अंदाज में वर्ल्ड कप के फाइनल में पहुंची थी. जिस अंदाज में उसने फाइनल तक का सफर तय किया था, हर कोई ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ उसका दावा मजबूत मान रहा था. लेकिन फाइनल में अनहोनी हुई. ऑस्ट्रेलिया ने भारत को हराकर आईसीसी ट्रॉफी का इंतजार और लंबा कर दिया. अब एक बार फिर आईसीसी टूर्नामेंट आ गया है. बस फॉर्मेट अलग है. T20 फॉर्मेट के वर्ल्ड कप के लिए भारतीय टीम न्यूयॉर्क पहुंच चुकी है. न्यूयॉर्क के करीब एक बहुत छोटी सी जगह गार्डन सिटी में टीम इंडिया ने अपनी तैयारियां भी शुरू कर दी हैं. खिलाड़ियों ने फुटबॉल खेला. दो महीने से ज्यादा चले आईपीएल के बाद वापस एकजुट हुए. विराट कोहली अभी टीम के साथ नहीं जुड़े हैं लेकिन वो भी जल्दी ही पहुंच जाएंगे.

इस बार T20 वर्ल्ड कप में 20 टीम हिस्सा ले रही हैं. कुल मिलाकर आईसीसी की कोशिश यही है खेल के तौर पर क्रिकेट का प्रचार-प्रसार हो. इसीलिए अमेरिका को पहली बार इतने बड़े टूर्नामेंट की मेजबानी दी गई है. अब एक बार फिर ये चर्चा गर्माने लगी है कि इस बार खिताब का सबसे बड़ा दावेदार कौन है? इंग्लैंड के पूर्व कप्तान आएन मॉर्गन ने कहा है कि उनकी फेवरिट टीम भारत ही है. उन्होंने भारतीय टीम की बल्लेबाजी की गहराई की तारीफ की है. साथ ही ये भी कहा है कि जिस टीम को शुभमन गिल और केएल राहुल जैसे खिलाड़ियों को बाहर बिठाना पड़े उस टीम का 'लेवल' समझा जा सकता है. लेकिन आएन मॉर्गन की इन बातों को वास्तविकता की कसौटी पर खना जरूरी है. क्योंकि वहां कहानी कुछ और ही है.

**विराट को छोड़कर बाकी बल्लेबाज़ों की फॉर्म औसत**

किसी भी खेल में सबसे अहम है खिलाड़ियों की मौजूदा फॉर्म. इसके आंकड़े भी बिल्कुल ताजे-ताजे हैं. सैंपल साइज भी ठीक ठाक मैचों का है. क्योंकि सभी खिलाड़ी अभी आईपीएल खेलकर ही गए हैं. यही कसौटी असली सरदर्द है. बल्लेबाजी में विराट कोहली ने ऑरेंज कैप जीती. उन्होंने 1 शतक और 5 अर्धशतक की बदौलत 741 रन बनाए. उनकी औसत 61.75 की थी और स्ट्राइक रेट-154.69. लेकिन इसके बाद मौजूदा भारतीय टीम का कोई भी खिलाड़ी टॉप 10 स्कोरर में नहीं है. 531 रन के साथ 5वें नंबर पर संजू सैमसन हैं लेकिन उन्हें ऋषभ पंत के रहते प्लेइंग-11 में मौका नहीं मिल पाएगा. सातवें नंबर पर केएल राहुल भी हैं लेकिन वो टीम का हिस्सा नहीं हैं.

सबसे पहले कप्तान रोहित शर्मा की बात करें तो उन्होंने आखिरी लीग मैच में अर्धशतक जरूर लगाया लेकिन बाकी ज्यादातर मैच में उनका बल्ला खामोश रहा. इस फॉर्मेट में टीम इंडिया के सबसे बड़े ट्रंपकार्ड सूर्यकुमार यादव 11 मैच में 345 रन ही बनाए हैं. हार्दिक पांड्या की हालत तो और ज्यादा खराब है. उन्होंने 14 मैच में सिर्फ 216 रन बनाए हैं. पांड्या की स्ट्राइक रेट भी 143 की है. जडेजा भी 10 मैच में 222 रन के साथ औसत फॉर्म में ही दिख रहे हैं. शिवम दुबे ने 14 मैच में 396 रन बनाए हैं. उनकी स्ट्राइक रेट करीब 163 की है. इसके अलावा यशस्वी जायसवाल ने 16 मैच में 435 रन बनाए हैं. पंत के खाते में 13 मैच में 446 रन हैं.

इन आंकड़ों में एक पेंच और भी है. जिन बल्लेबाज़ों ने ठीक-ठाक रन बनाए हैं उन्होंने भी सीजन के शुरूआती मैच में रन बनाए हैं. हालिया मैच में उनके रन नहीं बने हैं. मसलन- शिवम दुबे ने 14 मैच में 396 रन बनाए हैं. लेकिन इसमें आखिरी पांच मैच में उन्होंने सिर्फ 46 रन बनाए हैं. इसमें से 2 मैच ऐसे हैं जब उन्होंने खाता तक नहीं खोला. यशस्वी जायसवाल के खाते में पिछली पांच पारियों में 115 रन हैं. यानी कुल मिलाकर कहानी ऐसी है कि कुछ बल्लेबाज़ों ने आईपीएल में शुरूआत तो अच्छी की थी लेकिन अंत तक आते-आते उनकी फॉर्म में गिरावट देखी गई है. इसके लिए हमने पिछले पांच मैच का पैमाना लिया है.

**गेंदबाजी की भी यही है कहानी**

गेंदबाजी में भी कहानी कुछ ऐसी ही है. जसप्रीत बुमराह ने 13 मैच में 6.48 की इकॉनमी से 20 विकेट लिए हैं. वो 2024 सीजन के तीसरे सबसे कामयाब गेंदबाज रहे. लेकिन उसके बाद की कहानी लड़खड़ाती है. बुमराह के बाद दूसरे सबसे कामयाब गेंदबाज थे अर्शदीप सिंह. जिन्होंने 19 विकेट लिए. लेकिन उनकी इकॉनमी 10.03 की थी. यानी वो महंगे साबित हुए.

अब बात युजवेंद्र चहल की करते हैं, जिन्होंने सीजन में कुल 18 विकेट लिए . लेकिन पिछले 5 मैच में उनके खाते में सिर्फ 5 विकेट ही आए थे. राजस्थान की टीम बाद के मैचों में जो लगातार हारती रही उसके पीछे चहल का औसत प्रदर्शन भी एक वजह थी.

कुलदीप यादव के खाते में 16 विकेट आए. लेकिन पिछले पांच मैच में वो सिर्फ 4 विकेट ले सके. सिराज की इकॉनमी रेट 9.18 की रही. हार्दिक पांड्या ने भी प्रभावित नहीं किया. उन्होंने 14 मैच में 11 विकेट लिए. लेकिन उन्होंने 10.75 की इकॉनमी से रन दिए. यानी वो खासे महंगे साबित हुए. जडेजा को 14 मैच में सिर्फ 8 विकेट से संतोष करना पड़ा. स्पिन ऑलराउंडर अक्षर पटेल को भी 14 मैच में 11 विकेट मिले.

कुल मिलाकर कहानी कुछ ऐसी है कि इस प्रदर्शन को खराब प्रदर्शन नहीं कहा जाएगा लेकिन ये औसत प्रदर्शन ही है. शिवम दुबे का नाम ऑलराउंडर की लिस्ट में शामिल जरूर है लेकिन उन्होंने पूरे आईपीएल में सिर्फ एक ओवर फेंका था. वर्ल्ड कप में रोहित शर्मा उनसे कितनी गेंदबाजी कराएंगे कहना मुश्किल है.

यानी कुल मिलाकर बुमराह को छोड़ दें तो बाकि गेंदबाजों की स्थिति तनावपूर्ण ही कही जाएगी. उस पर से मुकाबला उन पिचों पर खेला जाना है जो हर किसी के लिए नई है. रोहित शर्मा के लिए बिना फॉर्म वाले खिलाड़ियों के दम पर जीत का फॉर्मूला तैयार करना आसान नहीं रहेगा.

# 'आखिरी कुछ दिन मुश्किल हैं' करियर के अंतिम मुकाबले से पहले भावुक हुए सुनील छेत्री

नई दिल्ली, 30 मई (एजेंसियां)। भारतीय फुटबॉल टीम के कप्तान सुनील छेत्री ने हाल ही में अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल से संन्यास की घोषणा की थी। उन्होंने जानकारी दी थी कि वह अपने करियर का अंतिम मुकाबला छह जून को कुवैत के खिलाफ खेलेंगे। अब दिग्गज ने टीम और साथी खिलाड़ियों को लेकर बात की। इस दौरान वह भावुक हो गए। छेत्री ने बताया कि करियर के अंतिम मुकाबले से पहले दिन काटना उनके लिए काफी मुश्किल हो रहा है।

भारतीय टीम 2026 फीफा विश्व कप क्वालिफायर मैच खेलने के लिए कुवैत पहुंच चुकी है। करिश्मा कप्तान छेत्री का यह आखिरी अंतरराष्ट्रीय मुकाबला होगा। इस मैच से पहले उन्होंने कहा, ये आखिरी कुछ दिन है जो मेरे लिये दुविधा से भरे हैं। अब राष्ट्रीय टीम में मेरे कुछ ही दिन रह गए हैं। समझ नहीं आता कि हर दिन, हर अभ्यास सत्र की गिनती करूं या बिना इस बारे में सोचे खेलूं।

सुनील ने अपने अंतरराष्ट्रीय करियर की शुरुआत साल 2005 में पाकिस्तान के खिलाफ की थी। वह सबसे ज्यादा अंतरराष्ट्रीय गोल (94) करने वाले चौथे खिलाड़ी है। वहीं, क्रिस्टियानो रोनाल्डो, अली डेई और लियोनेल मेसी के बाद सक्रिय खिलाड़ियों में सबसे ज्यादा अंतरराष्ट्रीय गोल करने वाले तीसरे खिलाड़ी हैं। उन्हें साल 2011 में अर्जुन पुरस्कार और 2019 में पद्मश्री से सम्मानित किया गया था। छेत्री ने आगे कहा, मैंने अपने सत्र गिनने का फैसला किया है लेकिन कृतज्ञता के भाव से। कोई चिंता नहीं है बल्कि मैं अपनी टीम और इस खेल के प्रति सदैव ऋणी रहूंगा।

# रोहित से लेकर सूर्या तक, टी20 विश्व कप से पहले 7 भारतीय खिलाड़ियों को आईसीसी ने किया सम्मानित

मुंबई, 30 मई (एजेंसियां)। आईसीसी टी20 विश्व 2024 का आगाज 2 जून से होने जा रहा है। इसको लेकर भारतीय टीम यूएसए पहुंच चुकी है। भारतीय टीम 25 मई को ही विश्व कप के मद्देनजर यूएसए के लिए रवाना हो गई थी। भारतीय टीम को विश्व कप के आगाज से पहले अपना वॉर्मअप मैच 1 जून को बांग्लादेश के खिलाफ खेलना है। वहीं, भारतीय टीम को अपना पहला मुकाबला 5 जून को आयरलैंड के खिलाफ खेलना है। लेकिन इससे पहले आईसीसी ने भारतीय खिलाड़ियों को बड़ा तोहफा दिया है। आईसीसी ने भारतीय क्रिकेट टीम के 7 खिलाड़ियों को सम्मानित किया है।

**सूर्यकुमार यादव को मिले 2 अवॉर्ड**

आईसीसी ने भारतीय टीम के कप्तान रोहित शर्मा से लेकर धुरंधर बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव तक कुल 7 खिलाड़ियों को अवॉर्ड देकर सम्मानित किया है। रवींद्र जडेजा को आईसीसी टेस्ट टीम ऑफ द ईयर 2023 में रहने के लिए एक कैप देकर सम्मानित किया गया। सूर्यकुमार यादव को आईसीसी मेंस टी20 क्रिकेटर ऑफ द ईयर चुने जाने के लिए और टी20 टीम ऑफ द ईयर में शामिल रहने के लिए अवॉर्ड से सम्मानित किया है। अर्शदीप सिंह का नाम भी आईसीसी टी20 टीम ऑफ द ईयर में शामिल था, इसलिए उन्हें भी आईसीसी ने सम्मान दिया है। भारतीय टीम के कप्तान रोहित शर्मा का नाम आईसीसी ओडीआई टीम ऑफ द ईयर 2023 में शामिल था।

# टी20 विश्व 2024: 9 जून को खेला जाएगा भारत-पाकिस्तान, पिच का कैसा है मिजाज

नई दिल्ली, 30 मई (एजेंसियां)। आईसीसी टी20 विश्व कप 2024 का आगाज भले ही 2 जून से होने वाला है, लेकिन दुनियाभर के करोड़ों फैंस को 9 जून का इंतजार है, जिस दिन भारत और पाकिस्तान की टीम आमने-सामने होगी। इस मैच को लेकर अभी से फैंस में उत्साह देखा जा रहा है। भारत और पाकिस्तान के बीच जब भी मुकाबला खेला जाता है, यह हाईवोल्टेज मैच होता है। यह मुकाबला यूएसए के नासाऊ काउंटी इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में खेला जाएगा। चलिए हम आपको बताते हैं इस पिच की कैसी कंडीशन है। इस मैदान पर बल्लेबाजों को अधिक मदद मिलेगी, या फिर गेंदबाजों को मदद मिलेगी।

**किसके लिए मददगार होगी यह पिच**

भारतीय टीम को आईसीसी टी20 विश्व कप 2024 का पहला मुकाबला 5 जून को आयरलैंड के खिलाफ खेलना है। इससे पहले टीम इंडिया को बांग्लादेश के खिलाफ 1 जून को वॉर्मअप मैच खेलना है। लेकिन भारत और पाकिस्तान के बीच भिड़ंत 9 जून को नासाऊ काउंटी इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में होने वाला है। इस पिच की बात करें, तो इस पिच पर उछाल और सटीकता देखने को मिलती है। ग्राउंड्समैन ने इस पिच को बनाने में खूब मेहनत की है, आखिरकार यह पिच बनकर तैयार है। यह पिच सभी खिलाड़ियों को बराबर का मौका देगी। यह पिच ना सिर्फ तेज गेंदबाजों के लिए मददगार साबित होगी, बल्कि स्पिन गेंदबाजों के लिए भी मददगार साबित होगी। ऐसे में स्पिनरों और तेज गेंदबाजों, दोनों को इस पिच से बराबर की मदद मिलेगी।

**हेड टू हेड टक्कर**

भारत और पाकिस्तान के बीच अभी तक आईसीसी टी20 विश्व कप 2024 में 5 बार आमना-सामना हुआ है। दोनों के बीच खेले गए 5 मैचों में भारतीय टीम 4 मुकाबले जीती है, जबकि एक मैच पाकिस्तान के नाम रहा है। टी20 विश्व कप का आखिरी विश्व कप पाकिस्तान के नाम रहा था, इस मैच को पाकिस्तान ने 10 विकेट से चेज कर जीत लिया था। ऐसे में देखने वाली बात होगी कि 9 जून को होने वाले मुकाबले में किसकी जीत होती है।

# रणजी के आगामी सत्र से पहले धवल कुलकर्णी को मिली बड़ी जिम्मेदारी, बनाए गए मुंबई के मेंटर

मुंबई, 30 मई (एजेंसियां)। कुलकर्णी ने भारत के लिए 2014 से 2016 के बीच 12 वनडे और दो टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले थे। उन्होंने पिछले सत्र में मुंबई को रिकॉर्ड 42वीं बार रणजी ट्राफी जीतने में मदद की थी। इसके बाद उन्होंने क्रिकेट के सभी प्रारूपों से संन्यास ले लिया था।

रणजी ट्रॉफी के आगामी सत्र से पहले मुंबई की टीम में बड़ा बदलाव हुआ है। धवल कुलकर्णी को आगामी 2024-25 सत्र के सभी प्रारूपों के लिए गेंदबाजी मेंटर नियुक्त किया गया है। कुलकर्णी ने चार साल तक मुंबई के तेज गेंदबाजी आक्रमण की अगुवाई की थी।

मुंबई क्रिकेट संघ (एमसीए) की शीर्ष परिषद की बैठक के बाद धवल कुलकर्णी को गेंदबाजी मेंटर बनाए जाने की घोषणा की गई। कुलकर्णी ने भारत के लिए 2014 से 2016 के बीच 12 वनडे और दो टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले थे। उन्होंने पिछले सत्र में मुंबई को रिकॉर्ड 42वीं बार रणजी ट्राफी जीतने में मदद की थी। इसके बाद उन्होंने क्रिकेट के सभी प्रारूपों से संन्यास ले लिया था।

एमसीए के सचिव अजिंक्य नायक ने कहा, ₹हमने धवल कुलकर्णी को आगामी सत्र के लिए गेंदबाजी मेंटोर नियुक्त किया है। साथ ही अमोल काले (अध्यक्ष) ने प्रस्ताव दिया और शीर्ष परिषद ने सुनील गावस्कर को उनके 75वें जन्मदिन पर सम्मानित करने के उनके प्रस्ताव को सर्वसम्मति से मंजूरी दी।

# कैरोलिना मारिन की चुनौती से पार नहीं पा सकीं सिंधू

## प्री क्वार्टर फाइनल में मिली हार

सिंगापुर, 30 मई (एजेंसियां)। दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधू का सिंगापुर ओपन बैडमिंटन टूर्नामेंट में विजय अभियान चिर प्रतिद्वंद्वी कैरोलिना मारिन के हाथों हार कर समाप्त हो गया।

चोट के बाद वापसी करने वाली सिंधू को महिला सिंगल्स के प्री क्वार्टर फाइनल मुकाबले में हार का सामना करना पड़ा। हालांकि, सिंधू ने एक समय मारिन के खिलाफ 18-15 की बढ़त बना ली थी, लेकिन यह भारतीय खिलाड़ी लय बरकरार नहीं रख सकी।

**सिंधू और मारिन के बीच सात महीने बाद हुआ मुकाबला**

पिछले सप्ताह थाईलैंड ओपन में उपविजेता रही सिंधू ने एक घंटे आठ मिनट तक चला बीडब्ल्यूएफ विश्व टूर सुपर 750 का यह मुकाबला 21-13, 11-20, 20-22 से गंवाया। डेनमार्क ओपन सेमीफाइनल में हुई बहस के बाद दोनों खिलाड़ी सात महीने में पहली बार एक दूसरे का सामना कर रही थीं।

**पिछड़ने के बाद मारिन ने की वापसी**

पहला गेम गंवाने के बाद दुनिया की तीसरे नंबर की खिलाड़ी मारिन ने शानदार वापसी करते हुए लगातार छह अंक बनाए और 17-7 की बढ़त बना ली। इसके बाद सिंधू को वापसी का मौका नहीं देकर मैच को निर्णायक गेम तक खींचा। निर्णायक गेम में सिंधू ने बढ़त बनाई लेकिन मारिन ने वापसी करके जीत दर्ज की। यह सिंधू के खिलाफ 17 मैचों में उनकी 12वीं जीत थी।

# नेपाल के प्रधानमंत्री ने भारतीय पर्वतारोही काम्या को किया सम्मानित

काठमांडू, 30 मई (एजेंसियां)। नेपाल के मार्ग से माउंट एवरेस्ट पर चढ़ाई करने वाली भारत की सबसे कम उम्र की पर्वतारोही काम्या कार्तिकेयन को नेपाल के प्रधानमंत्री पुष्प कमल दहल 'प्रचंड' ने अंतरराष्ट्रीय एवरेस्ट दिवस पर एक विशेष समारोह में सम्मानित किया।

**क्यों मनाया जाता है एवरेस्ट दिवस?**

दुनिया की सबसे ऊंची चोटी 8848.86 मीटर पर पहली बार चढ़ाई को चिह्नित करने के लिए हर साल 29 मई को अंतरराष्ट्रीय एवरेस्ट दिवस मनाया जाता है। 1953 में नेपाल के तेनजिंग नोर्गे और न्यूजीलैंड के एडमंड हिलेरी के एवरेस्ट पर चढ़ने के 71 साल बाद, 8,000 से अधिक लोग इसकी चढ़ाई कर चुके हैं।

**काम्या ने नाम किया रोशन**

महज 16 साल और नौ महीने की उम्र में काम्या अपने 45 वर्षीय भारतीय नौसेना कमांडर पिता एस कार्तिकेयन के साथ नेपाल की ओर साउथ कोल से 20 मई को सफलतापूर्वक दुनिया की शीर्ष चोटी पर पहुंचीं। काम्या ने कहा कि वह एवरेस्ट पर चढ़ने के प्रति तब आकर्षित हुईं जब उन्होंने सात साल पहले एवरेस्ट बेस कैंप तक ट्रेकिंग की थी। उन्होंने कहा, 'यहां मेरी यात्रा के दौरान नेपाल के लोगों ने जो प्यार और स्नेह दिखाया है, उससे मैं अभिभूत हूं।'

**इन्हें भी किया गया सम्मानित**

काम्या के अलावा, प्रधानमंत्री प्रचंड ने कामी रीता शेरपा को भी सम्मानित किया। रीता ने इस साल रिकॉर्ड 30 बार माउंट एवरेस्ट पर चढ़ाई की। इसके अलावा फुंजो लामा को भी सम्मानित किया गया, जो केवल 14 घंटे और 31 मिनट में एवरेस्ट पर चढ़ने वाली सबसे कम समय में ऐसा करने वाली पहली महिला बन गईं।

# गुकेश-लिरेन के विश्व चैम्पियनशिप मैच की मेजबानी करेगा भारत, एफआईडीई के सीईओ ने की पुष्टि

नई दिल्ली, 30 मई (एजेंसियां)। भारत ने डी गुकेश और मौजूदा चैम्पियन चीन के डिंग लिरेन के बीच इस साल नवंबर और दिसंबर में होने वाले विश्व शतरंज चैंपियनशिप मुकाबले की मेजबानी को लेकर दावेदारी पेश की है। इसकी पुष्टि अंतरराष्ट्रीय चेस फेडरेशन के सीईओ ने की है। 17 वर्षीय गुकेश पिछले महीने कैंडिडेट्स टूर्नामेंट जीतकर विश्व खिताब के सबसे युवा चैलेंजर बने। अब वह 20 नवंबर से 15 दिसंबर के बीच लिरेन का सामना करेंगे।

एफआईडीई के सीईओ एमिल सुतोवस्की ने कहा, ₹हमें भारत से मेजबानी की दावेदारी मिल गई है।₹ इस मुकाबले के लिए दावेदारी पेश करने की समय सीमा 31 मई तय की गई है। कुछ मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया जा रहा है कि इसके लिए सिंगापुर दावेदारी पेश कर सकता है। हालांकि, अब तक उसने ऐसा नहीं किया है।

सुतोवस्की ने आगे कहा, अभी तक किसी देश ने दावेदारी नहीं की है लेकिन समय सीमा इस सप्ताह के आखिर तक है। इसके बाद एफआईडीई अगले सप्ताह की परिषद की बैठक होगी और पूरी प्रक्रिया का पालन करके मेजबान तय किया जायेगा।

भारत ने आखिरी बार विश्व चैम्पियनशिप की मेजबानी 2013 में चेन्नई में की थी जब मैग्नस कार्लसन ने विश्वनाथन आनंद को हराकर खिताब जीता था। एआईसीएफ अगर मेजबानी हासिल करता है तो उसे 71 करोड़ रूपये खर्च करने होंगे। टूर्नामेंट 25 दिन तक होगा और नियमों को लेकर मंजूरी एक जुलाई तक पूरी हो जायेगी। एफआईडीई द्वारा दी जाने वाली कुल ईनामी राशि 20 करोड़ से अधिक है।

# अंडर-19 टी20 का मैच है या गली क्रिकेट

## आईसीसी की नाक के नीचे इस टीम ने कर दिया बड़ा खेल

खेल डेस्क, 30 मई (एजेंसियां)। इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल क्रिकेट को मैनेज करने वाली सबसे बड़ी संस्था है. यह संस्था इस खेल से जुड़े सभी फैसले लेती है. इसी के तय किए हुए नियम के अनुसार पूरी दुनिया में क्रिकेट खेला जाता है. इस खेल से जुड़े एक-एक शख्स को नियमों पालन करना होता है लेकिन क्या हो जब आईसीसी की नाक के नीचे कोई टीम नियम तोड़कर मैच जीत जाए. अंडर-19 वुमेंस क्रिकेट में भी कुछ ऐसा ही नजारा देखने को मिला है. गली क्रिकेट में जैसे किसी भी खिलाड़ी को पकड़कर मैच में उतार दिया जाता है, वैसे ही नीदरलैंड्स ने अंडर-19 की टी-20 मैच में एक खिलाड़ी को उतारकर मैच जीत लिया. नीदरलैंड्स की अंडर-19 महिला टीम फिलहाल इटली के खिलाफ चार मैचों की टी20 सीरीज खेल रही है. मंगलवार 28 मई को उसने इटली को 94 रनों से करारी शिकस्त दी. नीदरलैंड्स ने पहले बल्लेबाजी करते हुए टीम ने 178 रन बनाए और इटली को 84 रनों पर ही रोक दिया. टीम के इस शानदार जीत के बाद आईसीसी ने उसकी एक बड़ी गलती पकड़ी, जिसे नीदरलैंड्स क्रिकेट बोर्ड ने भी स्वीकार किया. आईसीसी के नियमों के अनुसार, अंडर-19 के मैच में 19 या उससे कम उम्र के खिलाड़ी ही हिस्सा ले सकते हैं, जबकि नीदरलैंड्स की टीम में दो ऐसे खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया, जिनकी उम्र 19 से ज्यादा थी.

# तेलंगाना की प्रतिष्ठा को कायम रखना होगा : रेवंत रेड्डी

## > 'जय जयहे तेलंगाना' गीत को राज्य गान के रूप में मंजूरी

हैदराबाद, 30 मई (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने घोषणा की कि सरकार ने 'जय जयहे तेलंगाना' गीत को तेलंगाना के राज्य गान के रूप में मंजूरी दे दी है। इस वर्ष 2 जून को तेलंगाना राज्य के दस वर्ष पूरे होने के अवसर पर दशक के अंत का समारोह भव्य रूप से आयोजित करने की तैयारी की जा रही है। उसी समारोह के दौरान 'जय जयहे तेलंगाना' तेलंगाना गान राष्ट्र को समर्पित किया जाएगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि आंदोलन के दौरान तेलंगाना की प्रसिद्धि को दर्शाने वाले इस गीत को सभी की सहमति से राज्य गान के रूप में स्वीकार किया गया है, ताकि आने वाली पीढ़ियां इसे गा सकें। तेलंगाना के कवि और लेखक अंदेश्री ने घोषणा की कि बीस साल से भी कम समय पहले लिखा गया यह गीत ज्यों का त्यों स्वीकार कर लिया गया है। ऑस्कर पुरस्कार विजेता कीरावनी ने संगीत के साथ-साथ स्वर भी तैयार किया है। मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी, विधान परिषद के सभापति जी सुखेंदर रेड्डी, विधान सभा अध्यक्ष गद्दाम प्रसाद, मंत्री उत्तम कुमार रेड्डी, कोमाटी रेड्डी वेंकट रेड्डी, दामोदरा राजनरसिम्हा, पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी, तुम्मला नागेश्वर राव, जुपल्ली कृष्ण राव, सीताक्का, कोंडा सुरेखा सहित पूर्व मंत्री जना रेड्डी और प्रोफेसर कोदंडराम गुरुवार शाम सचिवालय में कवि अंदेसरी, संगीत निर्देशक कीरावनी, सीपीआई विधायक कूनमनेनी संबाशिवराव, सीपीएम राज्य सचिव तम्मिनेनी वीरभद्र के साथ-साथ सांसद, विधायक, पूर्व सांसद और आंदोलन में सक्रिय भूमिका निभाने वाले दलों के प्रतिनिधियों की बैठक हुई। इसी बैठक में फैसला किया गया। उन्होंने तेलंगाना राज्य गान के साथ ही राज्य के गठन के दशक के अंत के जश्न के आयोजन पर भी चर्चा की।

जया जयहे तेलंगाना गीत को दो संस्करणों में बनाया। 2.30 मिनट की लंबाई वाला एक संस्करण और 13.30 मिनट की लंबाई वाला एक पूर्ण संस्करण तैयार किया गया है। सीएम ने घोषणा की कि ढाई मिनट का एक लघु गीत होगा जिसमें पूरा गीत तीन छंदों में होगा ताकि इसे सरकारी कार्यक्रमों में गाया जा सके। उन्होंने कहा कि इन दोनों को राष्ट्रगान माना जाएगा। इस अवसर पर कीरावनी संगीत के नेतृत्व में युवा गायकों के समूह द्वारा गाये गये इस गीत ने सभी का मनोरंजन किया। सीएम ने कहा कि तेलंगाना के पुनर्निर्माण के हिस्से के रूप में, उनकी सरकार ने कई पहल की हैं और इसके एक हिस्से के रूप में, राज्य का संक्षिप्त नाम टीएस से बदलकर टीजी कर दिया गया है।

सभी सरकारी संस्थानों में वाहनों के रजिस्ट्रेशन नंबर के साथ-साथ टीजी भी बदल गए है। सीएम ने कहा कि कैबिनेट में लिए गए फैसले के आधार पर राज्य गान को मंजूरी दी गई और राज्य सरकार के आधिकारिक प्रतीक और तेलंगाना मां की मूर्ति को बदलने का निर्णय लिया गया। सीएम ने कहा कि उन्हें राज्य के विभिन्न हिस्सों से कलाकारों के लगभग 500 नमूने पहले ही मिल चुके हैं।

उन्होंने यह भी कहा कि सभी डिज़ाइनों पर अभी भी चर्चा चल रही है और प्रतीक चिन्ह के लिए कोई अंतिम आकार अभी तक तय नहीं किया गया है। तेलंगाना माता की प्रतिमा को लेकर भी अभी अंतिम निर्णय नहीं हुआ है और कलाकारों ने बताया कि विभिन्न डिजाइन बनाये जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि तेलंगाना के नए प्रतीक चिह्न और मां की मूर्तियों के संबंध में गलतफहमियों और दुष्प्रचार को बढ़ावा दिए बिना विधानसभा में निर्णय लिया जाएगा। उन्होंने कहा कि उनकी गतिविधियां तेलंगाना की प्रतिष्ठा को कायम रखना होगा ताकि यह सभी के लिए स्वीकार्य हो और भावी पीढ़ियों को प्रेरित किया जा सके।

## मनरेगा कर्मियों को निजाम युग के सिक्के मिले

हैदराबाद, 30 मई (स्वतंत्र वार्ता)। सिद्दीपेट में गुरुवार को मद्दुर मंडल के नरसैपल्ली गांव में किसान चल्ला मल्ला रेड्डी के खेत में मनरेगा कर्मियों को करीब 20 चांदी के सिक्के और दो अंगूठियां मिलीं। स्थानीय अधिकारियों ने सिक्कों की सही पहचान के लिए उन्हें विशेषज्ञों के पास भेजा है। पुलिस ने उन्हें अपने कब्जे में ले लिया है।

# तेलंगाना एनएचएम कर्मियों को दो महीने से वेतन का इंतजार

हैदराबाद, 30 मई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना में राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) के तहत विभिन्न सार्वजनिक स्वास्थ्य योजनाओं को लागू करने वाले फील्ड स्तर के कर्मियों को अभी तक 2 महीने का वेतन नहीं मिला है।

पूर्व स्वास्थ्य मंत्री टी हरीश राव ने गुरुवार को कहा कि वेतन जारी होने में अत्यधिक देरी से सार्वजनिक स्वास्थ्य पहल प्रभावित हो रही है, क्योंकि एनएचएम कर्मियों को योजनाओं को लागू करने पर ध्यान केंद्रित करने में मुश्किल हो रही है, जबकि उन्हें लगभग 60 दिनों तक भुगतान नहीं किया गया है। एक तरफ, कांग्रेस के नेतृत्व वाली सरकार दावा करती है कि वह हर महीने की पहली तारीख को सभी सरकारी कर्मचारियों के लिए वेतन जारी करती है। हालांकि, हकीकत में, यह काफी अलग है, जैसा कि एनएचएम कर्मचारियों की परेशानियों से स्पष्ट है। एनएचएम कर्मचारी सभी शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों (यूपीएचसी), पीएचसी, बस्ती दवाखाना और टी-डायग्नोस्टिक केंद्रों में कार्यरत हैं। कुल 17,541 एनएचएम कर्मचारी 78 विभिन्न स्वास्थ्य विभागों में अपने कर्तव्यों का निर्वहन कर रहे हैं।

उन सभी को पिछले 2 महीनों से वेतन नहीं मिला है। कांग्रेस सरकार को अपनी नींद से जागना चाहिए और तेलंगाना में सभी एनएचएम कर्मचारियों के वेतन के त्वरित भुगतान की व्यवस्था करनी चाहिए। हरीश राव ने प्लेटफॉर्म एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर कहा कि इस बीच, एनएचएम कर्मचारी संघ, तेलंगाना के वरिष्ठ पदाधिकारियों ने कहा कि स्वास्थ्य अधिकारियों ने पहले सभी कर्मचारियों के लिए एक महीने का वेतन जारी किया था और 2 महीने का वेतन लंबित है। एनएचएम कर्मचारी संघ के सदस्यों ने कहा, अधिकारियों ने हमें बताया कि आम चुनावों के दौरान आदर्श आचार संहिता के कारण उन्हें वेतन में अनियमितता का सामना करना पड़ रहा है। विरोध प्रदर्शन का एक और दौर शुरू करने से पहले, हमने चुनाव के अंतिम चरण (यानी चरण 7) के खत्म होने और सरकार द्वारा वेतन जारी करने का इंतजार करने का फैसला किया है।

# तिरुमला में वरिष्ठ नागरिकों के लिए टीटीडी निःशुल्क दर्शन कराएगा

हैदराबाद, 30 मई (स्वतंत्र वार्ता)। वरिष्ठ नागरिकों को शांतिपूर्वक और अधिक सावधानी से दर्शन करने की सुविधा प्रदान करने के लिए तिरुमाला तिरुपति देवस्थानम (टीटीडी) ने उनके लिए विशेष निःशुल्क दर्शन की व्यवस्था की है। टीटीडी ने वरिष्ठ नागरिकों को भगवान वेंकटेश्वर स्वामी के निःशुल्क दर्शन के लिए प्रतिदिन दो स्लॉट आवंटित किए हैं- एक सुबह 10 बजे और दूसरा दोपहर 3 बजे। 65 वर्ष से अधिक आयु के तीर्थयात्री इस सुविधा के लिए पात्र हैं। नई व्यवस्था से वरिष्ठ नागरिकों को 30 मिनट के भीतर भगवान के दर्शन करने में मदद मिलेगी। वरिष्ठ नागरिकों को प्रदान किए गए स्लॉट के दौरान अन्य सभी कतारें रोक दी जाएंगी ताकि वरिष्ठ नागरिक शांतिपूर्ण और परेशानी मुक्त दर्शन कर सकें।

वास्तव में, टीटीडी ने वरिष्ठ नागरिकों के लिए काउंटर तक पहुंचने के लिए पार्किंग क्षेत्र से बैटरी चालित कार सेवा उपलब्ध कराई है। इस दर्शन के लिए पात्र होने के लिए, किसी को फोटो आईडी के साथ आयु का प्रमाण प्रस्तुत करना होगा और इसे एस1 काउंटर पर प्रस्तुत करना होगा। इस दर्शन में भाग लेने के इच्छुक तीर्थयात्रियों को अपने फोटो और पहचान पत्र के साथ दक्षिण माडा स्ट्रीट में तिरुमाला नंबी मंदिर के पास स्थित प्रवेश द्वार पर रिपोर्ट करना होगा। टीटीडी ने वरिष्ठ नागरिकों के लिए बैठने की व्यवस्था की है और उन्हें सीढ़ियां चढ़ने की जरूरत नहीं है। दर्शन के दौरान उन्हें सांबर, दही चावल और गर्म दूध मुफ़्त परोसा जाएगा। वरिष्ठ नागरिकों को 20 रुपये में दो लड्डू और 25 रुपये में अतिरिक्त लड्डू दिए जाएंगे। इच्छुक लोग अधिक जानकारी के लिए 08772277777 पर संपर्क कर सकते हैं।

## आईआरडीए के पर्यावरण संरक्षण प्रयास सराहनीय : कोंडा सुरेखा

### मंत्री ने 'प्रकृति मित्र' लोगो का अनावरण किया

हैदराबाद, 30 मई (स्वतंत्र वार्ता)। वन, पर्यावरण एवं देवदया धर्मार्थ कार्य मंत्री कोंडा सुरेखा ने कहा कि आईआरडीए (एकीकृत ग्रामीण विकास संघ) स्वैच्छिक सेवा संगठन बड़ी सामाजिक जिम्मेदारी के साथ पर्यावरण संरक्षण में लगा हुआ है। उनका प्रयास सराहनीय हैं। मंत्री सुरेखा ने गुरुवार को हैदराबाद में अपने आवास पर आईआरडीए के प्रतिनिधियों और छात्रों के साथ 'प्रकृति मित्र' लोगो का अनावरण किया। मंत्री ने कहा कि सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाले छात्रों और छात्राओं को नोटबुक उपलब्ध कराने के लिए ग्रेटर हैदराबाद नगर निगम की सीमा के भीतर 450 टन बेकार कागज को इकट्ठा करने और रीसाइक्लिंग करने का आईआरडीए का प्रयास प्रेरणादायक है। मंत्री सुरेखा ने विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर इस संगठन के तत्वावधान में 5 जून 2025 तक एक लाख पौधे लगाने के कार्यक्रम में भाग लेने वाले सभी लोगों को बधाई दी। इस कार्यक्रम में आईआरडीए के अध्यक्ष पी. विनय कुमार, एम. सुरेश, मत्ता विकास सहित कई छात्र-छात्राओं ने भाग लिया।

# तेलंगाना में हीटवेव से संबंधित मौतों की रिपोर्ट कम

हैदराबाद, 30 मई (स्वतंत्र वार्ता)। यह अजीब लग सकता है लेकिन सच है! हाल के दिनों में तेलंगाना के लोगों को हीटवेव की सबसे कठिन परिस्थितियों का सामना करने के बावजूद, स्वास्थ्य विभाग ने इस साल हीटवेव से संबंधित किसी भी मौत की रिपोर्ट नहीं की है।

क्या हीटवेव से होने वाली मौतें चमत्कारिक रूप से बंद हो गई हैं या रिपोर्टिंग सिस्टम में कठिनाइयों के कारण मामले कम रिपोर्ट किए जा रहे हैं? बीते तीन महीनों में हैदराबाद, रंगारेड्डी, मेडचल-मलकजगिरी और अन्य जिलों में गरज के साथ बारिश के छिटपुट दौर को छोड़कर तापमान लगातार 40 डिग्री सेल्सियस और 46 डिग्री सेल्सियस के बीच रहा है। हालांकि, भीषण गर्मी के महीनों के बावजूद, तेलंगाना में हीट वेव के कारण एक भी व्यक्ति की मौत नहीं हुई है, यह जानकारी राज्य के सार्वजनिक स्वास्थ्य आंकड़ों से मिली है। गर्मी के दौरान हीट वेव के कारण लक्षणों से पीड़ित होने वाले रोगियों का एक बड़ा वर्ग

आमतौर पर नर्सिंग होम, क्लिनिक या निजी अस्पताल जैसे निजी स्वास्थ्य संस्थानों को प्राथमिकता देता है। वर्तमान में, निजी स्वास्थ्य संस्थानों और सार्वजनिक स्वास्थ्य विभाग के बीच हीट वेव के मामलों के डेटा को साझा करने की कोई व्यवस्था नहीं है। डेटा साझा न करने की यह चिरकालिक समस्या कम रिपोर्टिंग का एक प्रमुख कारक हो सकती है। हाई वेव के मामलों की रिपोर्टिंग को निर्धारित करने वाले दो अन्य प्रमुख कारक हैं। पहला हीट वेव पीड़ितों के रिश्तेदारों को मुआवजा जारी करने की संभावना और दूसरा हीट वेव से मृत्यु की पुष्टि करने की स्वाभाविक रूप से जटिल प्रक्रिया, विशेष रूप से सह-रुग्णता वाले व्यक्तियों के मामले में, वरिष्ठ सार्वजनिक स्वास्थ्य अधिकारियों और मौसमी रोग विशेषज्ञों के अनुसार। वरिष्ठ सरकारी डॉक्टरों ने कहा, मधुमेह, उच्च रक्तचाप, हृदय रोग और किडनी फेलियर के इतिहास वाले बुजुर्ग लोग अक्सर घर के अंदर रहते हुए भी हीट वेव का शिकार हो जाते हैं। इसी तरह, शिशु और बीमार व्यक्ति भी अपने उच्च तापमान को आंतरिक रूप से नियंत्रित करने के लिए संघर्ष करते हैं। ऐसी मौतों को हीट स्ट्रोक के रूप में वर्गीकृत नहीं किया जाता है और उन्हें हीट डेथ के रूप में रिपोर्ट या गिना नहीं जाता है। हैदराबाद में मौसमी बीमारी विशेषज्ञों ने बताया कि सरकारी क्षेत्र में हीट वेव के कारण किसी व्यक्ति की मृत्यु को परिभाषित करना बेहद मुश्किल है। हैदराबाद में वरिष्ठ सार्वजनिक स्वास्थ्य अधिकारी ने कहा, मेरा मानना है कि शहरी केंद्रों में हीट वेव के बारे में बहुत जागरूकता थी और लोग पूरी तरह से बाहर निकलने से बचते थे। हालांकि, जिलों में ऐसा नहीं था, जहां ऐसे मामले रिपोर्ट नहीं किए गए।

### हीट वेव डेथ क्या है? हीट-रिलेटेड डेथ

इसे ऐसी मृत्यु के रूप में परिभाषित किया जाता है जिसमें उच्च परिवेशीय तापमान के संपर्क में आने से या तो मृत्यु हुई या इसमें महत्वपूर्ण योगदान हुआ। जब गिरने के समय शरीर का तापमान 105 डिग्री फारेनहाइट या 40.6 डिग्री सेल्सियस से अधिक है, तो मृत्यु का कारण हीट स्ट्रोक या हाइपरथर्मिया होना चाहिए। इनमें से अधिकांश मौतें ऐसे लोगों में होती हैं जिन्हें पहले से कोई बीमारी होती है।

# अमराबाद टाइगर रिजर्व में 1 जुलाई से प्लास्टिक पर प्रतिबंध

हैदराबाद, 30 मई(स्वतंत्र वार्ता)। अमराबाद टाइगर रिजर्व (एटीआर) में इस साल 1 जुलाई से सिंगल यूज प्लास्टिक, मल्टी प्लेयर प्लास्टिक और एक लीटर या इससे कम की पेट बोतलों पर पूर्ण प्रतिबंध लगा दिया जाएगा। गुरुवार को जारी एक आदेश में प्रधान मुख्य वन संरक्षक एलुसिंग मेरु ने कहा कि आगंतुकों की सुविधा के लिए एटीआर सीमा के अंदर विभिन्न स्थानों पर वैकल्पिक पेयजल सुविधाएं प्रदान की जाएंगी।

आदेश में कहा गया है कि प्लास्टिक की चादरों में खाद्य पदार्थ ले जाने वाले आगंतुकों को सलाह दी जाएगी कि वे लपेटों को निर्दिष्ट स्थानों, कूड़ेदानों में फेंक दें और टाइगर रिजर्व क्षेत्र में गंदगी न करें। आगंतुकों को स्टील या कांच की बोतलों में पानी ले जाना चाहिए और वन क्षेत्र में प्लास्टिक कचरा नहीं फेंकना चाहिए। एटीआर अधिकारियों को आगंतुकों द्वारा फेंके गए प्लास्टिक कचरे को साफ करने में एक चुनौतीपूर्ण कार्य का सामना करना पड़ रहा है, विशेष रूप से तीन दिनों तक चलने वाले वार्षिक सालेश्वरम जत्था में भाग लेने वाले। पिछले महीने आयोजित उत्सव के दौरान, विभाग ने जंगलों में फेंके गए कचरे, विशेष रूप से प्लास्टिक को साफ करने और वाहनों और तीर्थयात्रियों के यातायात की निगरानी के लिए स्थानीय चेंचू जनजातियों के 100 से अधिक स्वयंसेवकों को तैनात किया था। अमराबाद एफडीओ रोहित गोपीडी ने कहा था कि पिछले साल तीन दिवसीय जत्था के दौरान लगभग 14,000 किलोग्राम प्लास्टिक कचरा एकत्र किया गया था। इसके अलावा, भक्तों को पानी की बोतलें और अन्य सामान ले जाने और प्लास्टिक की थैलियों के इस्तेमाल से बचने के लिए कपड़े के बैग वितरित किए गए थे। इसी तरह, भक्तों को मुफ्त भोजन देने वाली स्वयंसेवी संस्थाओं से अपील की गई कि वे केले के पत्तों या स्थानीय चेंचू से प्राप्त पारंपरिक पत्तों की प्लेटों में भोजन परोसें।

हालांकि, मन्नानुर में एक बेलिंग इकाई स्थापित की गई थी, एटीआर अधिकारी आगंतुकों के बीच जागरूकता पैदा करने की कोशिश कर रहे हैं ताकि धीरे-धीरे जंगल की सीमा में प्लास्टिक का उपयोग करने की प्रथा को खत्म किया जा सके।

# तेलंगाना राज्य चिह्न में बदलाव से राज्यव्यापी विरोध प्रदर्शन शुरू हो जाएगा : केटीआर

## > मुख्यमंत्री के फैसले की निंदा कर लगाए आरोप

हैदराबाद, 30 मई (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष के टी रामा राव ने राज्य के लोगों की इच्छा के विरूद्ध इस तरह के मूर्खतापूर्ण निर्णयों को लागू करने के खिलाफ चेतावनी दी। कांग्रेस सरकार और मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी पर तीखा हमला बोलते हुए, कहा कि तेलंगाना राज्य चिह्न से चारमीनार और काकतीय कला तोरनम के ऐतिहासिक प्रतीकों को हटाना एक गलत कदम है। इससे पहले उन्होंने पार्टी नेताओं के साथ चारमीनार का दौरा किया और बाद में, मीडिया से बात करते हुए, उन्होंने कहा कि सरकार के फैसले से पहले ही विवाद शुरू हो गया है और लोग पूरे राज्य में इसका कड़ा विरोध कर रहे हैं।

तेलंगाना प्रतीक में काकतीय तोरनम और चारमीनार का ऐतिहासिक महत्व है। तेलंगाना प्रतीक में बदलाव से राज्यव्यापी विरोध प्रदर्शन शुरू हो जाएगा जब तक सरकार इस फैसले को वापस नहीं ले लेती, तब तक वह राज्यव्यापी विरोध प्रदर्शन आयोजित करने का विरोध करेगी। चारमीनार और काकतीय कला तोरनम दोनों ही राज्य के प्रतिष्ठित स्मारक हैं जो समृद्ध इतिहास और सांस्कृतिक विरासत का प्रतिनिधित्व करते हैं। ये दोनों स्मारक हैदराबाद और वारंगल शहरों और उनकी सांस्कृतिक विरासत के पर्याय बन गए थे। उन्होंने सवाल उठाया कि क्या राज्य के प्रतीक से चारमीनार और काकतीय कला तोरनम के प्रतीकों को हटाने के फैसले में कोई जल्दबाजी शामिल है। उन्होंने मुख्यमंत्री के इस फैसले की निंदा की कि इससे होने वाले हंगामे की परवाह किए बिना जल्दबाजी में इस फैसले को आगे बढ़ाया गया। अगर पिछले दस वर्षों के दौरान सरकार में बीआरएस शासन के तहत कुछ अच्छा किया गया है, तो इस अवसर पर लोगों को इसके बारे में बताया जाना चाहिए। लेकिन कांग्रेस सरकार के चंद्रशेखर राव के शासन की छाप मिटाने के लिए हठधर्मिता से काम कर रही है। दस वर्षों में कई बलिदानों और संघर्षों के बाद तेलंगाना राज्य हासिल किया गया है।

कठिन रास्ते से हासिल किए गए राज्य के दशकीय समारोह को उत्सव के माहौल में मनाया जाना चाहिए। नई सरकार लोगों के जीवन में सुधार लाने और लोगों के जीवन के लिए अच्छा करने के लिए चुनी गई है। सरकार से राज्य के प्रतीक को हटाने की मांग करते हुए उन्होंने कहा कि चारमीनार हैदराबाद शहर का प्रतीक है जिसे वैश्विक रूप से मान्यता प्राप्त है। हैदराबाद के 400 साल पूरे होने पर कांग्रेस सरकार ने भव्य समारोह आयोजित किए है। उन्होंने आश्चर्य जताया कि आज कांग्रेस सरकार हैदराबाद के महत्व और छवि को कमतर आंकने पर क्यों तुली हुई है।

# तेलंगाना में बीजों की कोई कमी नहीं : किसान कांग्रेस

हैदराबाद, 30 मई (एनएसएस)। किसान कांग्रेस के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष कोदंडा रेड्डी ने दोहराया है कि चालू कृषि सीजन के लिए बीजों की कोई कमी नहीं है और राज्य सरकार तेलंगाना में सभी फसलों के लिए आवश्यक बीजों की आपूर्ति करने के लिए तैयार है। गुरुवार को गांधी भवन में एक संवाददाता सम्मेलन में बोलते हुए, कोदंडा रेड्डी ने किसान कांग्रेस के अध्यक्ष अन्वेश रेड्डी के साथ कहा कि राज्य सरकार ने चालू कृषि सीजन के लिए एक महीने पहले ही योजना बना ली थी और सभी जिलों को पर्याप्त बीज की आपूर्ति कर दी थी। कोदंडा रेड्डी ने कहा, ऐसा अनुमान है कि तेलंगाना में इस मानसून सीजन के लिए 55 लाख एकड़ में कपास के बीजों की आवश्यकता है और सरकार द्वारा लगभग 1.20 करोड़ कपास बीज पॉकेट उपलब्ध कराए गए हैं। यह सुनिश्चित करने के लिए कदम उठाए गए हैं कि तेलंगाना में किसानों के लिए सभी फसलों के लिए आवश्यक बीज उपलब्ध हों।

उन्होंने बीआरएस नेताओं पर बीजों की उपलब्धता पर झूठ फैलाने का आरोप लगाया और आरोप लगाया कि वे बीज आपूर्ति पर किसानों को गुमराह कर रहे हैं। किसान कांग्रेस के अध्यक्ष अनवेश रेड्डी ने किसानों से आग्रह किया कि वे बीजों की उपलब्धता को लेकर चिंतित न हों और तेलंगाना राज्य में कृषि सीजन के लिए बीजों का पर्याप्त स्टॉक है। उन्होंने बीआरएस नेताओं हरीश राव और केटी रामा राव की आलोचना की, जिन्होंने बीजों की आपूर्ति के लिए राज्य सरकार को दोषी ठहराया और कहा कि उन्हें किसानों के बारे में बोलने का कोई अधिकार नहीं है, क्योंकि पिछली बीआरएस सरकार ने कृषि क्षेत्र की उपेक्षा की थी।

## नशे में धुत व्यक्ति ने प्रजा भवन में बम होने की झूठी कॉल की

हैदराबाद, 30 मई (स्वतंत्र वार्ता)। शराब के नशे में धुत व्यक्ति ने अपनी पत्नी द्वारा कॉल न उठाने पर नाराज होकर प्रजा भवन में बम होने की झूठी कॉल की। पंजागुट्टा पुलिस ने उस व्यक्ति को गिरफ्तार किया जिसने प्रजा भवन में बम होने की सूचना देने के लिए पुलिस कंट्रोल को फ़ोन किया था। मंगलवार को मलकाजगिरी निवासी शिव कुमार ने पुलिस कंट्रोल रूम को फोन करके प्रजा भवन में बम रखे जाने की चेतावनी दी। फोन आने पर पुलिस ने गहन जांच की और बाद में सूचना को झूठा करार दिया। पुलिस ने बताया कि शिव कुमार शराब का आदी है और अक्सर अपनी पत्नी से झगड़ा करता रहता है।

## पुलिस गौरक्षकों पर लगाम न लगाए : राजा सिंह

हैदराबाद, 30 मई (स्वतंत्र वार्ता)। भाजपा विधायक राजा सिंह ने आज पुलिस को चुनौती दी कि वह उन्हें बकरीद के त्यौहार के लिए गायों के परिवहन को रोके। उन्होंने पूछा, पुलिस हिंदू गौरक्षकों को 17 जून को बकरीद के अवसर पर गायों की आवाजाही को न रोकने की धमकी दे रही है। क्या गायों का वध न करने के सुप्रीम कोर्ट के आदेश का पालन करना राज्य सरकार की जिम्मेदारी नहीं है। राजा सिंह ने आरोप लगाया कि गायों को विभिन्न स्थानों से हैदराबाद ले आया जा रहा है। उन्होंने कहा, हिंदू कार्यकर्ता, जो गायों की आवाजाही और हत्या को रोक रहे हैं, उन्हें कानून और व्यवस्था की स्थिति को बाधित किए बिना सुरक्षा प्रदान की जानी चाहिए। उन्होंने कहा, मैं गौहत्या रोकने के लिए सीधे मैदान में जाऊंगा। राजा सिंह ने पुलिस को चुनौती दी कि अगर वे उन्हें रोक सकते हैं तो रोकें। उन्होंने कहा, हिंदू कार्यकर्ताओं को धमकी दी जा रही हैं कि अगर वे गौहत्या रोकेंगे तो वे उन्हें गोलियों से भून दिया जाएगा। देखते हैं किसकी गोली किस पर पड़ती है।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.